ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गृह मंत्री जी परमेशर ने जमीर अहमद के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 19 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-319

404 एकड़ जमीन पर बसे 600 हिंदू और ईसाई परिवार वक्फ बोर्ड को दे रहे बददुआ

माफियागीरी के गिन लो दिन... कितने दिन, कितने दिन!

देशभर में आम लोगों के साथ-साथ सरकारी और ऐतिहासिक स्थलों को अपनी सम्पत्ति बताने वाले वक्फ बोर्ड को देश के पीड़ित लोगों की बददुआएं मिल रही हैं। पीड़ित लोगों का कहना है कि वक्फ बोर्ड की माफियागीरी के दिन अब गिनती के रह गए हैं। अब वक्फ बोर्ड की दादागीरी और शैतानी के समाप्त होने के दिन करीब आ गए हैं। इन लोगों में केरल से लेकर कश्मीर तक, कर्नाटक से लेकर सुदूर पूर्वोत्तर के राज्यों तक और उत्तर भारत के राज्य के लोग शामिल हैं, जो वक्फ बोर्ड की शैतानी हरकतों से आजिज आ चुके हैं।

इनमें केरल के एर्नाकुलम जिले के मुनम्बम उपनगर में 404 एकड़ जमीन पर वक्फ के दावे का मसला काफी विवादास्पद चर्चा में है। इस जमीन विवाद की वजह से राजनीतिक दलों में भी सरगर्मी है। मुनम्बम में पुरातन समय से रह रहे करीब 600 हिंदू और ईसाई परिवार इस जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे का विरोध कर रहे हैं और उसे झूठा बता रहे हैं। वक्फ बोर्ड का कहना है कि यह जमीन 1950 में वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज की गई थी, जबकि यहां रहने वाले लोगों का दावा है कि उन्होंने यह जमीन कानूनी रूप से दशकों पहले खरीदी थी। इस विवाद ने राज्य के उपचुनावों के चलते राजनीतिक पार्टियों के बीच एक महत्वपूर्ण मुद्दा बना दिया है।

वक्फ बोर्ड विवाद से जुड़ी प्रतीकात्मक तस्वीर

एर्नाकुलम जिले के मुनम्बम के तटीय क्षेत्र में वक्फ भूमि विवाद करीब 404 एकड़ जमीन का है। इस जमीन पर मुख्य रूप से लैटिन कैथोलिक समुदाय के ईसाई और पिछड़े वर्गों के हिंदू परिवार बसे हुए हैं। ये परिवार यहां दशकों से रह रहे हैं। केरल राज्य वक्फ बोर्ड ने 1950 के एक वक्फ डीड का हवाला देते हुए इस भूमि पर अपना स्वामित्व जताया है। दूसरी ओर, स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने यह जमीन कानूनी रूप से फारूक कॉलेज से खरीदी थी, जिसे एक समय में इस सम्पत्ति का प्रबंधन सौंपा गया था।

शुभ-लाभ सरोकार

▶10 पर

केरल में आम लोगों की जमीनों पर वक्फ की नजर

केरल के वायनाड जिले के तलापुझा गांव में भी 28 अक्टूबर 2024 को कुछ परिवारों को अचानक एक गंभीर और चौंकाने वाला नोटिस मिला। इस नोटिस में केरल राज्य वक्फ बोर्ड ने दावा किया कि वे जमीनें जो इन परिवारों की मानी जा रही थीं, असल में वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति हैं।तलापुझा गांव के लोगों भेजे गए नोटिस में वक्फ सम्पत्ति के अतिक्रमण का आरोप लगाया गया है। जैसे ही यह खबर फैली, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। अब तक पांच परिवारों को यह नोटिस मिला है, लेकिन वहां के निवासी चिंतित हैं कि जल्द ही पूरे गांव के बाकी परिवारों को भी इसी तरह के नोटिस मिल सकते हैं। वक्फ अधिनियम, 1995 की धारा 52 के तहत जारी इस नोटिस में कहा गया कि 4.7 एकड़ जमीन, जो सर्वे नंबर 47/1 और 45/1 में पंजीकृत है, को वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज किया गया है।

नोटिस में यह बताया गया कि इस जमीन पर वक्फ सम्पत्ति का दावा है और इसके अतिक्रमण की शिकायत की गई थी। वक्फ बोर्ड ने जमीन मालिकों से कहा कि वे 16 नवंबर 2024 तक अपने लिखित जवाब पेश करें और सभी दस्तावेज जमा करें।

इसके अलावा, 19 नवंबर 2024 को इस मामले की ऑनलाइन सुनवाई निर्धारित की गई। नोटिस में चेतावनी दी गई कि अगर मालिकों ने जवाब नहीं दिया या सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए, तो मामला उनकी अनुपस्थिति में ही निपटाया जाएगा। इसका सीधा मतलब यह था कि वक्फ बोर्ड अपने स्तर पर निर्णय ले लेगा और उस पर अमल कराएगा।

▶10 पर

इस बार संसद में पेश होगा एक देश एक चुनाव और वक्फ संशोधन विधेयक

कई अन्य महत्वपूर्ण बिल भी संसद में रखे जाएंगे: रिजिजू

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। इस बार संसद में एक देश एक चुनाव और वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इसके अतिरिक्त कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिल भी संसद के पटल पर रखे जाएंगे।

संसदीय कार्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वक्तव्य का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने एक देश और एक चुनाव के मुद्दे पर स्पष्ट कहा था कि अगर इस देश को तरक्की के मार्ग पर आगे ले जाना है तो पांच वर्ष में एक बार चुनाव होने चाहिए और फिर पांच वर्ष तक लगातार काम करना चाहिए। किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हवाला देते हुए एक देश और एक चुनाव के मुद्दे का समर्थन किया और कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में इस विषय पर रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। रिजिजू ने कहा, जल्द ही एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट देश की संसद में पेश की जाएगी। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, एक देश और एक चुनाव इसलिए जरूरी है, क्योंकि हम एक देश में रहते हैं। हम सभी को एक साथ वोट करने की आवश्यकता है और

देशभर में एक ही मुद्दा रहना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 25 नवंबर को होने जा रही संसद की बैठक के बाद एक देश और एक चुनाव समेत कई अहम बिल आने वाले हैं।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में सभी को विरोध का अधिकार होता है। विरोध करने वाले लोगों के अपने तर्क हैं, जैसे कि सभी राज्यों के पास चुनाव आयोजित करने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन सभी तर्कों को सुनने के बाद हम लोगों ने एक राष्ट्र और एक चुनाव का फैसला लिया।

लिहाजा, एक देश एक चुनाव को लेकर केंद्र सरकार संसद में बिल लाने के लिए तैयार है। इस मुद्दे पर सरकार तीन बिल लाएगी, जिसमें दो संविधान संशोधन बिल होंगे। उल्लेखनीय है कि मोदी कैबिनेट ने एक देश एक चुनाव पर बनी रामनाथ कोविंद समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। समिति की रिपोर्ट में दो चरणों में चुनाव की सिफारिश की गई है। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव कराने की सिफारिश समिति ने की है। वहीं, दूसरे चरण में स्थानीय निकाय के चुनाव कराए जाने की सिफारिश की गई है।

एक देश एक चुनाव कानून पर विचार करने के लिए मोदी सरकार ने पिछले साल सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने इस साल मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 18 हजार 626 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी। समिति ने एक देश-एक चुनाव पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए 62 सियासी दलों से राय ली थी। इन राजनीतिक दलों में से 32 ने इसके समर्थन में, 15 ने विरोध में और 15 ने इस पर जवाब देने से इन्कार कर दिया था। जेडीयू ने बिल का समर्थन किया था। लेकिन टीडीपी ने मामले में अपनी राय नहीं दी थी। हालांकि अब दोनों पार्टियां एनडीए के साथ शामिल हैं।

▶10 पर

मणिपुर में हिंसा के मद्देनजर गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला

उपद्रवियों को काबू करने तक चलेगा ऑल आउट ऑपरेशन

इंफाल, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच केंद्र सरकार ने अब बड़ा कदम उठाया है। इस बार ऑल-आउट एक्शन प्लान का मसौदा तैयार किया गया है। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ को लीड रोल में रखा जाएगा। मणिपुर में ऑल-आउट ऑपरेशन 24 घंटे लगातार चलेगा, जबतक उपद्रवियों को पूरी तरह काबू में नहीं कर लिया जाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक के बाद मणिपुर में हिंसा फैलाने पर आमादा कूकी समुदाय के उपद्रवियों को काबू में करने के लिए ऑल आउट ऑपरेशन चलाने का निर्णय लिया गया।

ऑपरेशन के तहत विद्रोहियों और हिंसक वारदातों में शामिल लोगों को उनके ठिकानों से बाहर निकाला जाएगा। पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर में अर्धसैनिक बलों के 2,500 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की थी। केंद्रीय बलों की 20 कंपनियों में से सीआरपीएफ की 15 और बीएसएफ की पांच कंपनियां शामिल थीं। अब बच्चों और महिलाओं सहित छह लोगों मौत के बाद सीआरपीएफ की चालीस अतिरिक्त कंपनियों

को मणिपुर में रवाना करने की तैयारी हो रही है। इसके बाद सेना, लोकल पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों की संख्या लगभग एक लाख के पार पहुंच जाएगी।

मणिपुर में सात नवंबर से लेकर अब तक लगभग बीस लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में हिंसा और आ-गजनी की वारदात हो रही हैं। गुस्से में आए लोगों ने मुख्यमंत्री एवं दस विधायकों के घरों को भी नहीं बख्शा। नतीजा, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 14 नवंबर को इंफाल पश्चिम जिले में सेकमाई व लामसांग, इंफाल पूर्व में लामलाई, बिष्णुपुर में मोइरांग, कांगपोकपी में लीमाखोंग और जिरीबाम जिले में जिरीबाम के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफ्स्पा) लागू कर दिया गया है। सीआरपीएफ डीजी अनीश दयाल सिंह मणिपुर पहुंच चुके हैं। राज्य सरकार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि 14 नवंबर को जिन क्षेत्रों में अफ्स्पा लागू किया है, उसे जनहित में वापस लिया जाए।

समीक्षा बैठक के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने लिया निर्णय

अब जो ऑल आउट एक्शन प्लान तैयार किया गया है, उसमें विद्रोहियों को उनके ठिकानों पर दबिश देकर दबोचा जाएगा। इस मामले में केंद्रीय खुफिया एजेंसी की बड़ी मदद ली जा रही है। मणिपुर में कितने सशस्त्र समूह सक्रिय हैं, उनके पास कौन से हथियार हैं, छिपने का ठिकाना और म्यांमार से लगते सीमावर्ती इलाकों में उनकी पहुंच, ये सभी जानकारी जुटा ली गई है। सेना, असम राइफल और सीएपीएफ के जवान, बॉर्डर के निकटवर्ती क्षेत्रों में छापामारी करेंगे। बाकी सुरक्षा बल, अंदर के क्षेत्रों में उपद्रवियों से निपटेंगे। इस ऑपरेशन के तहत, मणिपुर में तैयार किए गए बफर जोन का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

▶10 पर

इंडी गठबंधन पर भारी पड़ रहा कांग्रेस का देश विरोधी मुस्लिम लीग से प्रेम

अब केरल के सीएम भी कांग्रेस को सुहा नहीं रहे

कांग्रेस ने वाम नेताओं पर संघ का साथ देने का आरोप लगाया

तिरुवनंतपुरम, 18 नवंबर (एजेंसियां)। वायनाड संसदीय सीट पर प्रियंका गांधी की जीत देखने के लिए कांग्रेस ने इंडी गठबंधन की सारी मर्यादा ताक पर रख दी है। मुस्लिम वोट पाने के लिए कांग्रेस का भारत विरोध मुस्लिम लीग से अगाध प्रेम गठबंधन में शामिल अन्य दलों से कांग्रेस को दूर कर रहा है। वोट के लोभ में अंधी हो चुकी कांग्रेस अब अपने गठबंधन के पुराने साथी केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर भी गंभीर आरोप लगाने से हिचक नहीं रही। वह इसलिए कि केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने कांग्रेस नेताओं के इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के शीर्ष नेताओं से मिलने पर निशाना साधा था। सीएम विजयन ने कांग्रेस नेताओं पर आईयूएमएल के महिमामंडन का आरोप लगाया। विजयन ने आईयूएमएल के सुप्रीमो पनक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने थंगल को राष्ट्र विरोधी और सांप्रदायिक तत्वों से मिलीभगत करने का आरोप लगाया। आईयूएमएल के प्रमुख पर विजयन के हमले से लीगी कम लेकिन कांग्रेसी ज्यादा बौखला उठे।

कांग्रेस ने कहा कि ऐसे समय जब संघ परिवार से जुड़ी ताकतें राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द को खत्म करना चाह रही है, तब सीएम विजयन और उनकी वाम सरकार उनके समर्थन में लगातार काम कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट नाराज, केंद्र को भेजा नोटिस

बंद पड़े हैं एक तिहाई ऋण वसूली न्यायाधिकरण

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए देशभर में ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डेब्ट रिकवरी ट्राइब्यूनल) में खाली पड़े पदों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की सदस्यता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता निश्चय चौधरी की याचिका पर सुनवाई की। याचिका में याचिकाकर्ता ने ऋण वसूली न्यायाधिकरण में खाली पड़े पदों को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्रालय से जवाब मांगा है।

याचिका में कहा गया है कि देश भर में एक तिहाई यानी कि 39 ऋण वसूली न्यायाधिकरण संचालित नहीं हो रहे हैं क्योंकि उनमें पीठासीन अधिकारी के पद खाली पड़े हैं।

▶10 पर

आपा छोड़ने के बाद भाजपा में शामिल हुए कैलाश गहलोत

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले नजफगढ़ से विधायक कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा मुख्यालय में मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस दौरान दिल्ली भाजपा के कई वरिष्ठ नेता वहां मौजूद रहे।

कैलाश गहलोत ने कहा, मैंने आजतक किसी के दवाब में कोई काम नहीं किया है। जितनी भी ऐसी बातें मुझे सुनने में आ रही है कि मैंने ये सीबीआई के दवाब में ऐसा किया या किसी और दवाब में किया ये गलत है। यह निर्णय एक दिन का नहीं है। हजारों लोग अन्ना के आंदोलन के बाद एक विचारधारा से जुड़े,

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश... एक हैं तो सेफ हैं

राहुल गांधी ने 'सेफ' का मतलब 'तिजोरी' समझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सेफ का मतलब तिजोरी समझा और फिर से अडाणी का नाम लेकर मोदी के नारे को उससे जोड़ा। राहुल गांधी का एक बार और देश के सामने आया विद्वत वक्तव्य हंसी और कटाक्ष का विषय बना हुआ है। कई लोग कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी तिजोरी छोड़ कर कुछ समझना तो आया नहीं, इसलिए राहुल गांधी उसी तिजोरी संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी कुसंस्कार से आबद्ध राहुल गांधी सेफ को सुरक्षित समझने के बजाय तिजोरी समझ रहे हैं और देश के लोगों को वही समझाने में लगे हैं।

राहुल ने प्रधानमंत्री के एक हैं तो सेफ हैं के संदेश को मुंबई स्थित एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्ती (स्लम) धारावी से जोड़ा और धारावी की विकास की योजना पर भी प्रहार किया। राहुल गांधी जैसे लोग धारावी को धारावी ही बने रहने देना चाहते हैं। राहुल गांधी जैसे लोगों का वश चले तो वे पूरे देश को धारावी बना कर रख दें। धारावी में मुस्लिमों का विशाल जमावड़ा है। मुंबई के सारे अपराध धारावी से संचालित होते हैं और वहां पुलिस भी जाने से डरती है। पूरी

एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी के संवरने से राहुल नाराज

धारावी कांग्रेस पार्टी की वोटर है। धारावी के लोगों को वही नर्क पसंद है, क्योंकि उस नर्क से कुछ खास लोगों का स्वर्ग खड़ा होता है। इसीलिए राहुल गांधी जैसे लोगों को धारावी के पुनरुद्धार की योजना नागवार लग रही है। राहुल गांधी की चिंता धारावी नहीं, उनकी चिंता वोट और नोट है।

धारावी के पुनर्विकास की योजना कांग्रेस सरकार ने पिछले कई दशक से लटकाए रखी। अब जब वह सत्ता नहीं रही और धारावी के पुनर्विकास की योजना स्वीकृत कर ली गई तो राहुल गांधी की बौखलाहट बढ़ गई। मुंबई में जमीन की कमी और अधिक महंगा रियल एस्टेट बाजार होने की वजह से अभी तक इस परियोजना के लिए जमीन नहीं मिली थी। इस परियोजना पर लगभग 20,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान बताया जा रहा है। यह वैश्विक निविदा के माध्यम से भारत में किसी सरकारी एजेंसी द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है।

शुभ-लाभ चिंता

▶10 पर

8 दीक्षार्थियों का विजय तिलक समारोह विजय प्रस्थान आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। त्याग और वैराग्य का मार्ग अपनाने के लिए 8-8 दीक्षार्थियों के बेंगलूरु आगमन के उपलक्ष्य में कल्याण मित्र परिवार द्वारा रविवार शाम को किम्स सभागार में विजय प्रस्थान नामक विजय तिलक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दर्शकों ने दीक्षा जीवन को एक नए अंदाज में जाना।

कल्याण मित्र परिवार के युवा सदस्य अमन सोमावत ने दीक्षार्थियों का परिचय देकर उनसे साक्षात्कार किया और दर्शकों को विभिन्न पहलुओं से दीक्षा जीवन के महत्व और उपयोगिता से अवगत कराया।

दीक्षा के लिए मानस बना चुके इन लोगों में 14 वर्ष से लेकर 62 वर्ष तक की आयु वर्ग के सदस्य शामिल हैं, जिनमें से सभी शिक्षित और संपन्न परिवारों से हैं। 15 से अधिक देशों की सैर कर चुके 24 वर्षीय मुमुक्षु आर्यन झवेरी के अनुसार जो सुकून उन्हें गुरुकुलवास में मिला वह विदेश घूमने में नहीं मिला।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें यदि कुछ अच्छा ही करना था तो दवाइयों के उनके पारिवारिक कारोबार में ही वे आगे बढ़कर रीसर्च कार्य में अपनी प्रतिभा का इस्तेमाल कर लोगों के अरोग्य बनाने में योगदान दे सकते थे तो दीक्षा का मार्ग क्यों अपनाया। जवाब में उन्होंने कहा कि साधु जीवन की प्रत्येक प्रवृति आत्मसाधना के लक्ष्य से होती है। लेकिन प्रत्येक प्रवृति में अनायास ही व्यापक रूप से परोपकार गूंथा हुआ है। प्रत्यक्ष रूप से साधु भले ही अस्पताल में जाकर मरीजों की सेवा न करते हो लेकिन अपने परिचय में आने वालों को साधु आहार संयम, व्यसन त्याग, स्वावलंबी एवं नियमित जीवन शैली का उपदेश देकर उन्हें ऐसी स्थिति में ला देते है कि वे बीमार ही न पड़े और अस्पताल जाने का कारण ही खड़ा न हो। इसी प्रकार से अन्य मुमुक्षुओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अंतर-बाह्य विश्व पर आधारित गच्छाधिपति आचार्य श्री युगभूषणसूरीश्वरजी की परिकल्पना विजय प्रस्थान के नौ सोपानों की रोचक प्रस्तुति राहुल कपूर जैन द्वारा दी गई, जो दर्शकों को खूब भाई। प्रस्तुति द्वारा यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि भीतरी दुनिया में जीतने वाला ही सच्चा विजेता है। अंत में कल्याण मित्र परिवार एवं कार्यक्रम के प्रायोजकों द्वारा दीक्षार्थियों का बहुमान किया गया। कार्यक्रम के आयोजक कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अशोक सेठ ने बताया कि हर वर्ष सैकड़ों युवक-युवतियां भौतिक चाकाचौंध से प्रभावित हुए बिना सच्चे सुख की प्राप्ति के लिए भगवान महावीर के बताए हुए दीक्षा धर्म को स्वीकार कर अन्यों को भी कल्याण के मार्ग पर आरूढ़ होने की प्रेरणा देते हैं।

आध्यात्मिकता से परिपूर्ण रहा यह चातुर्मास: डॉ. वरुणमुनि

चातुर्मास सानंद संपन्नता के पश्चात प्रथम मंगलमय विहार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित उप प्रवर्तक पंकजमुनि का आध्यात्मिकता से परिपूर्ण यशस्वी चातुर्मास सानंद सम्पन्न हुआ। संत वृन्द चातुर्मास पश्चात प्रथम मंगलमय विहार कर चेतन रेदासनी के निवास स्थान पर पहुंचे। प्रथम विहार के पूर्व डॉ. वरुणमुनि ने इस चातुर्मास के अपने अंतिम उद्बोधन में कहा कि आप सभी की सेवा इस चातुर्मास में सराहनीय रही। आपकी धर्म के प्रति श्रद्धा अनुमोदनीय है। इस चातुर्मास में आपने जो तप त्याग की आराधना की वह अनुकरणीय है। राजाजीनगर श्री संघ की बहुत बहुत अनुमोदना करते हुए गौरवमय चातुर्मास की परिपूर्णता पर सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। श्री संघ के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यगण व अनेक श्रद्धालुगण प्रथम विहार यात्रा में शामिल हुए। श्री त्रिशला महिला मंडल, श्री त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल, जिनेश्वर युवा, महावीर जैन पाठशाला के सदस्यों की भी उपस्थिति रही। रेदासनी निवास स्थान पर संघ की ओर से परिवार की अनुमोदना की गई। इस अवसर पर मोक्षद्वार के संपादक गौतमचंद ओस्तवाल ने अपने विचार रखे। रेदासनी परिवार की ओर से रश्मि रेदासनी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। दिलकुश बाफना ने भजन प्रस्तुत किया। चेतन रेदासनी ने सभी का आभार ज्ञापित किया। संघ अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर व अन्य पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। रुपेशमुनि द्वारा नवकार मंत्र जाप, गुरु आरती एवं पंकजमुनि द्वारा मंगलपाठ प्रदान किया। संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने संचालन किया।

थाना गांव का प्रथम स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मदारिया क्षेत्र में स्थित थाना गांव का प्रथम स्नेह मिलन कनकपूरा स्थित स्काईब्ल्यू रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तीन बसों के माध्यम से 150 सदस्य वहां पहुंचे। प्रातः अल्पाहार की व्यवस्था के पश्चात ऐंकर बिंदु मेहता द्वारा विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर, बच्चों के लिए बलून गेम्स एवं पुरुषों के लिए भी अनेक गेम्स का आयोजन किया गया। क्रिकेट स्विमिंग आदि मनोरंजन से युवाओं ने इस अवसर का आनंद लिया। पूरे दिन सभी सदस्यों ने आनंद एवं उत्साह के साथ वक्त को बिताया। सम्मान समारोह में नेमीचंद दलाल ने सभी का स्वागत करते हुए सभी के सहयोग के लिए उनका अभिनंदन व उत्साह वर्धन किया। अंत में अभिनंदन के साथ आभार व्यक्त करते हुए सभी को रिटर्न गिफ्ट दिये गये। इस अवसर पर नेमीचन्द कटारिया, रतनलाल दलाल, सुनील कटारिया व अन्य ने अपने विचार और सुझाव रखते हुए कहा कि स्नेह मिलन का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाना चाहिए। स्नेह मिलन में आगामी सेवा कार्यो पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर थाना के सभी गणमान्य सदस्य सपरिवार अपनी बहन बेटियों के साथ उपस्थित रहे। इस आयोजन में महावीर मेहर, अनिल कटारिया, नवरत्न मेहर, सुरेंद्र मेहर, राकेश मेहर, मुकेश मेहर, गौरव मेहर व अन्य का विशेष सहयोग रहा। संचालन एवं आभार नेमीचंद दलाल ने किया।

संतत्रय के जन्म, दीक्षा एवं पुण्यतिथि समारोह की सफलता पर जताया आभार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक बेंगलूरु के तत्वावधान में वीवीपूरम स्थित महावीर धर्मशाला में संतत्रय की जन्म, दीक्षा एवं पुण्यतिथि का आयोजन तप, त्याग एवं प्रेरणात्मक संदेश के साथ भव्यता से संपन्न हुआ। सद्गुरुनाथ संतश्री गणेश लाल जी की 145वीं जन्म जयंती, आचार्य सम्राट श्री जयमल जी की 293वीं दीक्षा एवं दक्षिण केसरी संत श्री मिश्रीमल जी की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर महानगर में विभिन्न श्रीसंघ में चातुर्मासार्थ विराजित साधुजी साध्वीजी ने अपनी प्रभावी सानिध्यता प्रदान कर बड़ी

संख्या में श्रावक श्राविकाओं को आशीर्वाद प्रदान किया। समिति के चेयरमैन गौतम चंद धारीवाल ने कहा कि आयोजन की संपूर्ण सफलता में समस्त साधु साध्वीवृंद की उपस्थिति से ही यह सफल हो पाया। साथ ही समस्त चारित्र आत्माओं को साधुवाद प्रकट किया। कार्यक्रम के संपूर्ण लाभार्थी रहे जिन शासन सेवा रत्न रणजीतमल, जितेंद्र कुमार आगम कुमार कानूंगा परिवार का भी साधुवाद आभार व्यक्त किया। विहार सेवार्थी दानवीर युवारत्न ललित कानूंगा द्वारा भी समिति के सेवाभावी प्रकल्प में सहयोग प्रदान करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही धारीवाल ने बेंगलूरु सेंट्रल श्री संघ के समस्त कार्यकाणिी, पदाधिकारियों द्वारा महावीर धर्मशाला के स्थान एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में सहर्ष सहयोग प्रदान करने हेतु भी आभार व्यक्त किया, जिसका श्रेय भी उन्होंने बेंगलूरु सेंट्रल के सरलमना, सेवानिष्ठ महामंत्री महेंद्र मुणोत को दिया। कर्नाटक एवं बेंगलूरु के श्री संघ के अध्यक्ष, मंत्री अनेक समिति एवं विभिन्न जैन संस्थाओं के पदाधिकारी का आभार मानते हैं, जिन्होंने अपना अमूल्य समय जिन शासन की शोभा में देकर अपना पुण्य भी ऊर्जावान किया। धारीवाल ने समिति के अध्यक्ष किरनचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल बाफना, सह मंत्री महेंद्र कुमार मेहता सहित समस्त मार्गदर्शकों, कार्यकारिणी सदस्यगणों का भी आभार व्यक्त किया।

कॉफी विथ जीतो प्रोग्राम का आयोजन

सदस्य संस्था की होते हैं ताकत : विजय सिंघवी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर ने अपने (ए-टू-डी) शुरुआती वर्णमाला के नाम के सदस्यों के लिए राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में आपसी संवाद हेतु कॉफी विथ जीतो कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के पश्चात दीप प्रज्वलित कर हुआ। विषय प्रस्तुति देते हुए महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा की कॉफी विथ जीतो यह एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य सदस्यों में आपसी संबंध, व्यापारिक तालमेल एवं नेटवर्किंग बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि सदस्य संस्था की ताकत होते है। आज पूरे विश्व में जीतो की 73 इकाइयों के जरिए 17500 सदस्य से ज्यादा सदस्य जुड़े हुए है, जो विभिन्न आयामों के जरिए अपनी सेवाए दे रहे है। चैप्टर चेयरमैन विमल कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कॉफी विथ जीतो सभी सदस्यों से मिलने का संकल्प, आपसी मेल मिलाप, नए सदस्यों को जोड़ने के साथ-साथ, सबका साथ-सबका विकास मूल मंत्र है। उन्होंने बताया की यह हमारा एक परिवार है और हम चाहते है, व्यवसायिक दृष्टि से एक साथ जुड़े और जीतो के जितने भी चीफ पैट्रन और पैट्रन सदस्य है, उनके साथ विशेष चर्चा-परिचर्चा हो। एपेक्स के निर्देशक नरेन्द्र सामर ने बताया यह जीतो की विशेषता है, पंथवाद से अलग यहाँ सभी जैनी एक मंच पर है, हम सभी को अपने कर्तत्व से इसका ब्रांड एंबेसडर बनना है। एपेक्स के पूर्व वाइस चेयरमैन पारस भंडारी ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए अपने जोशीले अंदाज से बताया की जीतो अपनी जैन एकता का प्रतीक है, जहां चार पीढ़ी एक साथ काम करती है और अगर हम व्यवहार और व्यापार में कुछ हासिल करना चाहते है तो उसका माध्यम जीतो है। उन्होंने सभी आयामों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी और बताया कि जैन धर्म पर जो लक्ष्मी का वरदान है वो और किसी धर्म पर नहीं है। यहाँ सीखने के लिए भी बहुत कुछ है। मूल मंत्र यही है कि सीखो, कमाओ और लक्ष्मी का सदुपयोग करो। इस सशक्त मंच पर जीतो बड़े से बड़े व्यापारी भी किसी बड़ी हस्ती से कम नहीं। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में परिवार कम हो रहे है, त्यौहार फीके पड़ रहे है, इस पर ध्यान देते हुए सभी को आगे बढ़ना है, जिनशासन की सेवा और रक्षा करनी है। उपस्थित सभी सदस्यों ने मंच पर अपना व्यावसायिक, आध्यात्मिक, सामाजिक परिचय दिया। कार्यक्रम के संयोजक प्रीतेश जैन ने सभी का आभार ज्ञापित किया। सह-संयोजक मदन मुणोत के साथ-साथ अंकित, पंकज, दिनेश लोढ़ा का विशेष सहयोग रहा। मंत्री अशोक भंडारी, पंकज जैन, मीडिया प्रभारी अरविंद टपरवात, कार्यकारणी सदस्य विनोद नंदावत, अरुण नाहर, शेखर जैन, दिनेश खिवेंसरा, नितेश गांधी, रमेश दक, राकेश पोखरणा, महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, यूथ विंग के अध्यक्ष अनीश भोजानी की गरिमामय उपस्थिति रही।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीरवी समाज ट्रस्ट एच.एस.आर लेआऊट का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को वडेर भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम आईमाताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर हुई। संस्था के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया ने सभी का स्वागत करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी। बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संस्था के सचिव लक्ष्मण राम आगलेचा ने कहा कि स्नेह मिलन एक दूसरे को आपसी प्रेम व भाईचारे को जोड़ने का काम करती है। इस अवसर पर समस्त कार्यकारिणी सदस्य, पदाधिकारी, महिला मंडल व नवयुवक मण्डल के अध्यक्ष महेंद्र राठौड़ और सचिव मदन राठौड़ उपस्थित रहे।

बिजली गिरने से एक लड़के की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ जिले में अपने घर के बाहर बैठे 14 वर्षीय एक लड़के की बिजली गिरने से मौत हो गई।

पुलिस ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार शाम को दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुक के केडिला गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि सुबोध को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव 29 दिसम्बर को

निमंत्रण पत्रिका का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में आगामी 29 दिसम्बर को बेल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के प्रिन्सेस श्राइन के सभागार में बाबा गंगाराम पंचदेव मंदिर झुंझनु के स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले रविवार को प्रातः 11 बजे रिचमंड रोड स्थित आदर्श हिमलटन होटल के सभागार में

समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया, मदन अग्रवाल के साथ निमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया। तत्पश्चात गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि इस मनोकामना पूर्ति महोत्सव में कोलकाता के गायक केशव मधुकर एवं राकेश बावलिया द्वारा बाबा गंगाराम की लीलाओं पर आधारित भव्य नृत्य नाटिका मधुर भजनों की प्रस्तुति होगी। इस अवसर पर पंकज गोयल, योगेंद्र गर्ग, आशीष गुप्ता, विक्रम अग्रवाल, गणेश मित्तल, संजय तायल, बिपीन राम अग्रवाल, किशोर अग्रवाल, नरेश गुप्ता सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का भरोसा दिलाया। गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि विष्णु अवतार बाबा गंगाराम मनोकामना पूर्ति अभिषेक दोपहर 2.15 बजे से 101 जोड़ों द्वारा निशुल्क किया जाएगा। पहले आओ पहले पावो के आधार पर अपना नाम लिखवा सकते है। 16 और 17 अप्रैल 2025 को झुंझुनु में पंचदेव मंदिर में स्वर्ण जयंती महोत्सव का आयोजन होगा जो भी भक्त भाग लेने के इच्छुक हो अपना नाम भी समिति के अध्यक्ष को लिखवा सकते हैं। मनीष अग्रवाल ने बैठक समापन पर सभी का धन्यवाद किया।

गृह मंत्री जी परमेश्वर ने जमीर अहमद के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के दिए संकेत

कुमारस्वामी को काला कहने का मामला

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने अप्रत्यक्ष रूप से अपने कैबिनेट सहयोगी बी जेड जमीर अहमद खान के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के संकेत दिए। मैसूरु में सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वे विधानसभा उपचुनाव के लिए चन्नपट्टना में एक अभियान के दौरान जमीर अहमद द्वारा केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी को काला कहने और मुसलमानों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पूरे परिवार को खरीदने के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। परमेश्वर ने कहा, केपी-सीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने खुद कहा है कि जमीर का बयान पार्टी के लिए बोझ है। उन्होंने कहा कुछ पार्टी नेताओं ने कहा है कि जमीर के बयान का उपचुनाव पर थोड़ा असर पड़ेगा। अगर केपीसीसी अध्यक्ष इस मुद्दे को पार्टी की अनुशासन समिति को रिपोर्ट करते हैं, तो इसके अध्यक्ष रहीम खान जमीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई कर सकते हैं। इससे पहले, मैं एआईसीसी की अनुशासन समिति का सदस्य था। उन्होंने कहा हम नेताओं को, चाहे उनका कद कुछ भी हो, नोटिस जारी करते थे, अगर वे पार्टी के लिए हानिकारक बयान देते थे। जरूरत पड़ने पर हम उन्हें निलंबित भी करते थे। बसवराज बोम्मई सरकार के खिलाफ 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप में लोकायुक्त द्वारा भाजपा को क्लीन चिट दिए जाने के बारे में परमेश्वर ने कहा हम आरोपों की फिर से जांच करने के लिए तैयार हैं। हमने कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केम्पन्ना द्वारा लिखे गए पत्र के आधार पर इस मुद्दे पर लड़ाई लड़ी। हमें यह देखने की जरूरत है कि लोकायुक्त किस आधार पर दावा करते हैं कि कोई सबूत नहीं है। हम पहले लोकायुक्त की रिपोर्ट पढ़ेंगे।

फिर हम इस पर फैसला लेंगे। मुख्यमंत्री के बदलाव के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा कि भाजपा सिद्धरामैया से ईर्ष्या करती है। इसलिए भाजपा नेता तारीखों का उल्लेख करते हैं, जब मुख्यमंत्री को बदला जाएगा। कांग्रेस में हम इस तरह के मामलों पर कभी चर्चा नहीं करते। अगर वे मुख्यमंत्री की जांच करना चाहते हैं, तो उन्हें करने दें। उन्हें ईडी या सीबीआई का इस्तेमाल करने दें। सिद्धरामैया के इस बयान के बारे में कि अगर उनका नेतृत्व बदल दिया जाता है, तो लोग चुप नहीं रहेंगे, उन्होंने पूछा क्या यह स्वाभाविक नहीं है? अगर उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए जाते हैं, तो लोग क्या करेंगे? खासकर, मैसूरु के लोग क्या करेंगे? इससे पहले कर्नाटक में भाजपा ने रविवार को दावा किया कि लोकायुक्त जांच ने पार्टी की पिछली सरकार को 40 प्रतिशत कमीशन के आरोपों से मुक्त कर दिया है, और कांग्रेस द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि यह साबित हो गया है कि 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप कांग्रेस के टूल किट का हिस्सा था। 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान, तत्कालीन विपक्षी कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार को घेरने के लिए कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप को एक प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था, जिसे चुनाव में भगवा पार्टी की हार का एक कारण माना जाता है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा यह साबित हो गया है कि भाजपा के खिलाफ लगाया गया 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप झूठा है। हम इससे बाहर आ चुके हैं।

छह साल तक ठेकेदार के रूप में काम नहीं किया

कांग्रेस ने (तत्कालीन) राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष केम्पन्ना और उपाध्यक्ष को अपने टूल किट के रूप में इस्तेमाल करते हुए आरोप लगाया था कि सरकार 40 प्रतिशत कमीशन ले रही है। इसके आधार पर मामला दर्ज किया गया और अब सच्चाई सामने आ गई है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ठेकेदार (आर अंबिकापति), जिन्होंने तत्कालीन सरकार के खिलाफ आरोप लगाए थे और कमीशन देने का दावा किया था, वास्तव में उन्होंने छह साल तक ठेकेदार के रूप में काम ही नहीं किया था। उन्होंने आरोप लगाया इसलिए यह ठेकेदार और अन्य बेरोजगार ठेकेदार कांग्रेस के टूल किट का हिस्सा बन गए और बसवराज बोम्मई सरकार के खिलाफ आरोप लगाए और हमें 40 प्रतिशत सरकार कहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमसे आरोपों के बारे में पूछा, आज वे खुश हैं कि यह फर्जी था और कांग्रेस और सिद्धरामैया (तत्कालीन विपक्ष के नेता) का टूल किट था। कांग्रेस सरकार द्वारा सत्ता में आने के बाद पिछले सोलह महीनों में आरोपों को साबित नहीं कर पाने की ओर इशारा करते हुए अशोक ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय में दस्तावेज जमा नहीं किए हैं, जहां मामला चल रहा है। अब लोकायुक्त ने यह कहते हुए क्लीन चिट दे दी है कि जब किसी ने छह साल तक ठेकेदार के रूप में काम नहीं किया है, तो कमीशन देने का सवाल ही कहां है।

मोदी की लूट वाली टिप्पणी का मामला

टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा करने की बना रहे योजना: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि सरकार राज्य के खिलाफ पीएम मोदी की लूट वाली टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा दायर करने की योजना बना रही है। बेंगलूरु में कनकदास जयंती समारोह में भाग लेने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने कहा पीएम मोदी झूठ बोल रहे हैं। यह वोट पाने के लिए लोगों को गुमराह करने के लिए है। हम कानूनी पहलुओं की जांच करेंगे। हम इसके खिलाफ मुकदमा दायर करने की योजना बना रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में महाराष्ट्र में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस कर्नाटक में लोगों को लूट रही है और कथित तौर पर पैसे का इस्तेमाल महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के लिए किया जा रहा है। कर्नाटक में कांग्रेस ने झूठ बोला और लोगों से वोट देने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार बनाई और अपने वादे पूरे नहीं कर पाए। इसके बजाय, वे कर्नाटक में जबरन वसूली अभियान चला रहे हैं। कर्नाटक में हर दूसरे दिन घोटाले उजागर हो रहे हैं। इसका मतलब है कि कांग्रेस दिनदहाड़े लोगों को लूट रही है। उन्होंने कहा कांग्रेस कथित तौर पर महाराष्ट्र में चुनाव लड़ने के लिए उसी पैसे का इस्तेमाल कर रही है। अगर हमें महाराष्ट्र को बचाना है, तो हमें कांग्रेस को दूर रखना होगा। इससे पहले, सीएम सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार चुनावी राज्य महाराष्ट्र में झूठे विज्ञापन जारी करने के लिए भाजपा के खिलाफ मामला दर्ज करेगी कि प्रमुख गारंटी योजनाओं को कर्नाटक में लागू नहीं किया गया।

कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही भाजपा: विधायक रवि गनीगा

जल्द ही सबूत जारी करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस विधायक रवि गनीगा ने कहा है कि भाजपा राज्य में सत्तारूढ़ सरकार को गिराने के लिए कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है।

उन्होंने कहा कि उनके पास इस संबंध में सबूत हैं, जिन्हें जल्द ही जारी किया जाएगा। सोमवार को मांड्या में मीडिया से बात करते हुए रवि गनीगा ने कहा कि कर्नाटक में सरकार बनाने की हताशा में भाजपा ने कांग्रेस विधायकों को 100 करोड़ रुपये की पेशकश शुरू कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया भाजपा नेता जेल जाने से डर रहे हैं, क्योंकि उनसे जुड़े एक के बाद एक घोटाले सामने आ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से होटलों,

हवाई अड्डों और गेस्ट हाउसों में बात की है। भाजपा नेताओं ने कित्तूर विधायक बाबू (बाबासाहेब पाटिल) और चिकमंगलूर विधायक एच.डी. थम्मैया को लुभाने का प्रयास किया है। हमारे पास ऑडियो, वीडियो रिकॉर्ड, सीसीटीवी रिकॉर्ड के सबूत हैं। विधायक रवि गनीगा ने कहा मैं जल्द ही भाजपा द्वारा चलाए गए ऑपरेशन लोटस से संबंधित दस्तावेज जारी करूंगा। भाजपा किसी भी कीमत पर कांग्रेस सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। भाजपा के पास पिछले कार्यकाल में सत्ता में रहते हुए कमाया गया पैसा है। केंद्र सरकार के पास भी बहुत पैसा है और वे अपनी सरकार बनाने के लिए आवश्यक 60 विधायकों को खरीदने का प्रयास कर रहे हैं। वे विधायकों को बड़े-बड़े ऑफर दे रहे हैं और उनमें से 30 को मंत्री पद की पेशकश की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता उनसे यहां तक कह रहे हैं कि वे सिर्फ अपनी सरकार बनाना चाहते हैं और उनके नेताओं को पदों की ज्यादा परवाह नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें भाजपा से कोई ऑफर मिला है, तो विधायक रवि गनीगा ने कहा कि वे उन्हें नहीं छुएंगे क्योंकि उन्हें पता है कि वे सब कुछ उजागर कर देंगे। मैं अपने दोस्तों और सहयोगियों से जानकारी और अपडेट प्राप्त कर रहा हूं।

गृह मंत्री ने भाजपा पर फिर लगाया विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में एक बार फिर विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला उठा है। इस बार यह आरोप कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री और कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर की तरफ से लगाया गया है। उन्होंने कहा भाजपा अभी भी विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है।

वह ऐसा करती रहती है। यह सच भी हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह करोड़ों में हो रहा है। अगर हमें सही दस्तावेज मिलते हैं तो हम इस मामले की जांच करेंगे। अगर रिकॉर्ड्स मिलें तो क्यों न जांच की जाए? भाजपा को ऑपरेशन लोटस के लिए जाना जाता है। वे इसमें एक्सपर्ट हैं। गृह मंत्री की तरफ से यह आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब कुछ दिन पहले ही राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भी विधायकों की खरीद फरोख्त को लेकर बयान दिया था। सिद्धरामैया का दावा था कि भाजपा ने उनकी सरकार को गिराने के

लिए 50 विधायकों को खरीदने की साजिश रची थी। विधायकों को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इस पर भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता को चुनौती दी है कि वह अपने दावों को साबित करें।

हालांकि, सिद्धरामैया अपने दावे पर बने रहे थे। उन्होंने कहा था मैंने वही कहा जो उन्होंने पहले किया था। मैंने कहा कि उन्होंने 50 करोड़ रुपये की पेशकश करके सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की, जिसमें वे सफल नहीं हुए। मैसूरु में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम सिद्धरामैया ने कहा था कि किसी तरह सिद्धरामैया सरकार को गिराने के लिए भाजपा ने 50 विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की। उनके पास इतना पैसा कहां से आया? क्या पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने पैसे छापे? यह सब घूस का पैसा था। सीएम ने कहा था कि भाजपा नेताओं ने करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस बार हमारे किसी भी विधायक ने उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं किया।

इसलिए उन्होंने किसी तरह इस सरकार को हटाने के लिए अभियान शुरू किया है और वे विधायकों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज करा रहे हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने सीएम सिद्धरामैया के उन आरोपों का खंडन किया कि भाजपा सत्ता में आने के लिए खरीद-फरोख्त का प्रयास कर रही है। सिद्धारमैया को अपने पद का महत्व समझना चाहिए और जिम्मेदारी से बयान देना चाहिए। उन्हें सिर्फ राजनीति के लिए सनसनीखेज बयान नहीं देने चाहिए। उनका यह आरोप लगाने का क्या मतलब है कि भाजपा कांग्रेस विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है? क्या वे भेड़, बकरी या गधे हैं जिन्हें खरीदा और बेचा जा सकता है?

क्या किसी कांग्रेस विधायक ने यह आरोप लगाया है कि भाजपा के किसी व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया है? क्या सीएम को कोई समझ है जब वे कहते हैं कि भाजपा 50 विधायकों को खरीदने के लिए 50 करोड़ खर्च करने को तैयार है? क्या उन्हें एहसास है कि यह लगभग 2,500 करोड़ है? क्या किसी ने किसी एजेंट का नाम बताया है जिसने विधायक को खरीदने के लिए 50 करोड़ की पेशकश की हो? ऐसे आरोप बेबुनियाद और निराधार हैं।

सीएम ने कर्नाटक को नाबार्ड की ओर से दिए जाने वाले फंड को घटाने को लेकर केंद्र पर निशाना साधा

5,600 करोड़ से घटाकर 2,340 करोड़ करने का आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केंद्र पर राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से दिए जाने वाले फंड को 58 प्रतिशत घटाकर 2023-24 में 5,600 करोड़ रुपये से घटाकर 2024-25 में 2,340 करोड़ रुपये करने का आरोप लगाया है, जिससे किसानों के कर्ज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यहां सोमवार को हरिदास और द्वैत वेदांत के दार्शनिक कनक दास (1509-1606) की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे

कर्नाटक को दिए जाने वाले नाबार्ड फंड को कम करके किसानों के साथ अन्याय न करें। नाबार्ड राज्य द्वारा संचालित सहकारी समितियों को 4 प्रतिशत ब्याज पर ऋण दे रहा है, और सहकारी समितियाँ किसानों को पैसा उधार देती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। उन्होंने अपर भद्रा परियोजना को धन देने से इनकार करने के लिए सीतारमण की आलोचना की, जिसकी घोषणा 2023-24 के केंद्रीय बजट में की गई थी। उन्होंने दावा किया कि 5,300 करोड़ की राशि की घोषणा की गई थी, लेकिन केंद्र ने अभी तक राज्य को धन जारी नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र से धन मांगने के बजाय केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और प्रहलाद जोशी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की आलोचना कर रहे हैं। कुमारस्वामी के इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि राज्य सरकार ने सरकारी खजाने पर बोझ कम करने के लिए लाभार्थियों के पात्र बीपीएल कार्ड रद्द करने का फैसला किया है, मुख्यमंत्री ने कहा, हम बीपीएल कार्ड लाभार्थियों के पूल से अपात्र व्यक्तियों को हटाने के लिए उपाय कर रहे हैं। इस कदम से पात्र लाभार्थियों को सभी लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। हम अन्न भाग्य योजना को लागू करके गरीबों की मदद कर रहे हैं। क्या भाजपा और जद (एस) सरकारों ने गरीबों के लिए अन्न भाग्य योजना लागू की? सिद्धरामैया ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान, कांग्रेस सरकार ने अन्न भाग्य योजना को लागू किया था। क्या गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश में भाजपा सरकारों ने गारंटी लागू की? क्या कुमारस्वामी सरकार ने गारंटी लागू की? गारंटी पर बोलने का कुमारस्वामी को क्या नैतिक अधिकार है? कर्नाटक केंद्रीय पूल में 4.50 लाख करोड़ का वार्षिक कर चुका रहा है। लेकिन हमें 59,000 - 60,000 करोड़ वापस मिल रहे हैं। इसका मतलब है कि हर 100 में से सिर्फ 14 ही हमें वापस मिलते हैं।

घाटप्रभा नदी में मछली पकड़ते समय 3 लोगों के डूबने की आशंका

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। हुक्केरी तालुक के बेनकनकोली गांव के पास घाटप्रभा नदी के बैकवाटर में मछली पकड़ने गए दो नाबालिग लड़कों सहित तीन लोगों के डूबने की आशंका है। उनकी पहचान लक्ष्मण राम अंबाली (49) और उनके बेटों रमेश और यल्लप्पा (12) के रूप में हुई है।

लक्ष्मण अपने बेटों रमेश और यल्लप्पा के साथ रविवार शाम को मछली पकड़ने गए थे और उन्होंने अपनी बाइक पुराने पुल पर खड़ी कर दी थी, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिवार के सदस्यों ने पुलिस को सूचना दी। सोमवार को राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीम ने उनके शवों की तलाश के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। यमकनमराडी पुलिस जांच कर रही है।

भाजपा ने एक साल पहले मुझसे पार्टी बदलने के लिए किया था संपर्क: बाबासाहेब पाटिल

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। विधायक बाबासाहेब पाटिल ने कहा कि करीब एक साल पहले भाजपा के राज्य नेताओं ने उनसे पार्टी बदलने के लिए संपर्क किया था, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस सरकार अस्थिर है और मुझे

सरकार में कैबिनेट पद दिया जाएगा, लेकिन कोई पैसा नहीं दिया गया। मैंने उनके प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और इसे उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार के संज्ञान में भी लाया। पाटिल ने सोमवार को चन्नम्मा कित्तूर तालुक के नेगिनहाल गांव में संवाददाताओं से कहा कि वह भाजपा के किसी भी प्रलोभन या प्रस्ताव में नहीं फंसेंगे। राज्य के लोगों ने कांग्रेस को राज्य में शासन करने के लिए जनादेश दिया है और मेरे जैसे पहली बार चुनाव लड़ने वाले लोग पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध हैं। सरकार ने कित्तूर विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए धन जारी किया है और आने वाले दिनों में और अधिक धन देने का आश्वासन दिया है। मैं किसी के भी ऐसे किसी प्रलोभन में नहीं फंसूंगा, खासकर पैसे के लिए। करीब एक साल पहले, राज्य के भाजपा नेताओं ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान मुझे कांग्रेस छोड़ने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन मैंने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया था। उसके बाद उनमें से किसी ने भी मुझसे संपर्क नहीं किया और न ही मैं पार्टी छोड़ने में दिलचस्पी रखता था। उन्होंने कहा कि मैं मांड्या विधायक रवि गनीगा के इस बयान से अनभिज्ञ था कि चिकमंगलूरु के साथ तिम्मैया को भी भाजपा द्वारा 100-100 करोड़ रुपये का लालच दिया जा रहा है। पाटिल ने कहा कि जब से कांग्रेस सत्ता में आई है, तब से सरकार को अस्थिर करने की कोशिशें चल रही हैं और कार्यकाल पूरा होने तक ये जारी रहेंगी। हम ऐसी हरकतों से वाकिफ हैं, लेकिन पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे।

श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्ति एवं चालीसा का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री ब्यावर संघ के तत्वावधान में श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव भक्ति एवं चालीसा का भव्य आयोजन श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी आराधना भवन बसवनगुड़ी में किया गया।

भक्ति एवं चालीसा कार्यक्रम में श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक के समस्त सदस्यों द्वारा परमात्मा पार्श्वनाथ एवं भैरव देव की भक्ति में सुरीले गीत एवं चालीसा प्रस्तुत किया गया। खचाखच भरे हाल में बेंगलूरु की अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। भक्ति में गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी प्रियस्वर्णांजना श्री जी ने अपनी निश्रा प्रदान की। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने गुरुदेव, गुरुवर्या श्री जी और समस्त उप-स्थित जनों का स्वागत किया। गुरुदेव ने नाकोड़ा भैरव देव की प्रतिमा की इतिहास और चालीसा की रचना करने वाले खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी के बारे में विस्तार से बताया और उपाध्याय प्रवर श्री मनितप्रभ सागर जी की प्रभु महावीर को समर्पित सुन्दर रचना प्रभुवर जीवन सवेरा करो' का संगान करके उपस्थित जनसमूह को झूमने पर मजबूर कर दिया। गुरुदेव ने बहुत ही सुरीले अन्दाज में नाकोड़ा भैरव चालीसा का भी पाठ किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन प्रकाश कंवर रेखचन्द डाकलिया परिवार, रश्मि चेतन रेदासनी परिवार, विनोद कुमार, अमित कुमार डांगी परिवार, पुष्पा देवी सज्जनराज कोठारी परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान साधर्मिक भक्ति का लाभ भी लिया गया। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी एवं नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस का बहुमान श्री ब्यावर संघ युवा शाखा कार्यकारिणी द्वारा किया गया। श्री ब्यावर संघ के महामंत्री अरविंद कोठारी, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, विनीत जैन, नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस के समन्वयक सुशील बाफना, अध्यक्ष वंशराज बोहरा, महामंत्री रोहित नाहटा एवं अन्य गणमान्यों की उपस्थिति में लाभार्थियों का बहुमान किया गया। कार्यक्रम में ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिवेंसरा, अध्यक्ष पदम बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, ब्यावर युवा शाखा के उपाध्यक्ष विकास खटोड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी के साथ समस्त कार्यकारिणी सदस्य और श्री नाकोड़ा जैन कॉन्फ्रेंस परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में परमात्मा पार्श्वनाथ, पद्मावती माता और नाकोड़ा भैरव देव की आरती उतारी गई। पधारे हुए समस्त सदस्यों का धन्यवाद महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने व्यक्त किया।

कोई भी राशन कार्ड रद्द नहीं किया जाएगा : मंत्री के एच मुनियप्पा

कुंडापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के एच मुनियप्पा ने आश्वासन दिया कि राज्य में बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) कार्डों के चल रहे संशोधन के बीच कोई भी राशन कार्ड रद्द नहीं किया जाएगा।

यहां रविवार शाम को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, जहां 14 कोरगा परिवारों को हेगगुंडजेबारजीवा शेट्टी चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से नवनिर्मित घर मिले, मुनियप्पा ने स्पष्ट किया कि कार्डों को अपडेट करने के लिए कुछ दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है, लेकिन हर पात्र व्यक्ति को अपना राशन मिलना जारी रहेगा। मंत्री ने बताया कि नई प्रणाली के तहत, आयकर का भुगतान करने वाले या समृद्ध जीवन शैली जीने वाले लोगों के बीपीएल कार्ड को एपीएल (गरीबी रेखा से ऊपर) के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी का भी राशन कार्ड नहीं जाएगा। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि इस प्रक्रिया का

उद्देश्य केवल अयोग्य कार्डों को खत्म करना है। ऋण के लिए आयकर प्रमाण-पत्रों के बारे में पत्रकारों द्वारा उठाई गई चिंताओं को संबोधित करते हुए, मुनियप्पा ने पुष्टि की कि आवश्यक संशोधनों के बाद वास्तविक लाभार्थियों को बीपीएल कार्ड प्राप्त होंगे। उन्होंने आगे जोर दिया कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देगी, और जरूरतमंद लोगों के लिए एक सप्ताह के भीतर नए कार्ड जारी किए जाएंगे। कर्नाटक में वर्तमान में 80 प्रतिशत से अधिक आबादी बीपीएल श्रेणी में है, जबकि अन्य दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा लगभग 50 प्रतिशत है। 2.95 लाख बीपीएल कार्डों में से 2.6 लाख को पहले ही संशोधित किया जा चुका है। मंत्री मुनियप्पा ने आश्वासन दिया कि शेष 35,000 कार्डों को जल्द ही अपडेट किया जाएगा और उसके बाद पात्र लाभार्थियों को नए कार्ड जारी किए जाएंगे। सरकार भविष्य में जनता के लिए बिना किसी समस्या के सुचारू वितरण सुनिश्चित करेगी।

जीटी मॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में चाय बिस्कुट टीम बनी चैंपियन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के मागड़ी रोड स्थित जीटी मॉल के रस एरेना में शनिवार रात जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर एवं महिला विंग कमेटी की क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नॉर्थ चैप्टर मैनेजिंग कमेटी की 3 टीमों नॉर्थ धुरंधर, रंगीलो रोमियस और चाय बिस्कुट ने भाग लिया। फाइनल नॉर्थ धुरंधर और चाय बिस्कुट के बीच खेला गया। नॉर्थ धुरंधर को 49 रन का लक्ष्य दिया गया। अंतिम ओवर में जीत के लिए मात्र 7 रन चाहिए थे, नॉर्थ धुरंधर के अरविन्द टपरावत ने नपी तुली गेंदबाजी की बदौलत मात्र 5 रन देकर अपनी टीम को जीत दिलाई और खिताब पर कब्जा किया। महिला विंग की दो टीमों पर्पल और ग्रीन टीम के बीच बेस्ट ऑफ थ्री के मुकाबले में पर्पल टीम ने

2/1 से बाजी मारी। टीम पर्पल की ओर से तनुजा मेहता ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा इस प्रकार के आयोजन हमारे अगले 2 वर्ष के कार्यकाल के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होंगे। हम खुलकर एक दूसरे से बात कर अपनी सोच को साझा कर सकते है, तो वही नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा यह एक कमेटी के मेंबर्स को और नजदीक लाने का प्रयास है। ऐसे आयोजन से कमेटी सदस्यों के बीच प्यार समन्वय बढ़ता है। रिश्ते और मजबूत होते है। उन्होंने महिला विंग की तारीफ करते हुए कहा की जब तक महिला विंग की भागीदार नहीं हो तो रोशनी और चमक नहीं आती। मीडिया प्रभारी अरविंद टपरावात ने बखूबी कमेंट्री 6 के द्वारा सभी का मनोरंजन किया। स्पोर्ट्स कन्वीनर शेखर चोणेदिया ने प्रतियोगिता का पूरा कार्यभार संभाला और अंत में सभी का आभार प्रेषित किया।

जमीर अहमद खान की आलोचना की

नागरिक समाज में ऐसी टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी पर नस्लवादी टिप्पणी करने के लिए आवास और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान की आलोचना कर कहा कि नागरिक समाज में ऐसी टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं हैं। यहां सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बोम्मई ने कहा हर कोई सम्मान का हकदार है, चाहे वह अमीर हो या गरीब। कोई भी दूसरे व्यक्ति को नीचा नहीं दिखा सकता। जागरूक लोग कभी भी इस तरह के बयान नहीं देंगे। कर्नाटक के आवास और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान ने कुछ दिनों पहले केंद्रीय मंत्री एचडी

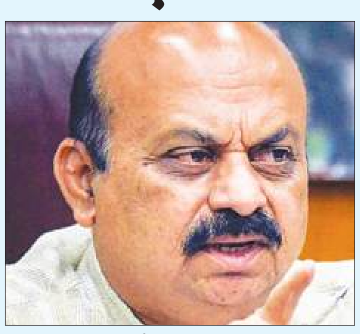

कुमारस्वामी को काला कुमारस्वामी कहकर संबोधित करके विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि कुछ घंटों बाद उन्होंने माफी मांगते हुए कहा हम दोनों बहुत करीब हैं। वह मुझे प्यार से कुल्ला (छोटा) कहकर बुलाते थे और मैं उन्हें करियाना (काला, कालिया) कहकर बुलाता था। जिसके बाद कुमारस्वामी ने कहा था कि क्या आपको लगता है कि मैं ऐसी पृष्ठभूमि से आया हूं कि मंत्री जमीर को छोटा कहूं और वह मुझे करिया (काला, काला) कहें? उनके शब्द उनकी संस्कृति को दर्शाते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेता दावा कर रहे हैं कि हम करीब थे और नस्लवादी टिप्पणी कोई बड़ी बात नहीं है। अगर उनमें कोई शर्म है, तो उन्हें पता होना चाहिए कि हम करीब थे, यह निकटता राजनीति से ऊपर थी और यह व्यक्तिगत स्तर पर नहीं थी। उन्होंने कांग्रेस के उन मंत्रियों की भी आलोचना की, जो जमीर द्वारा उन पर किए गए नस्लवादी कटाक्ष का मौन या खुले तौर पर समर्थन कर रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा मुख्य रूप से यह उनका निजी मामला है। मंत्री जमीर को इस तरह नहीं बोलना चाहिए था। गोरी या काली त्वचा का भेद सही नहीं है। उन्हें इस बारे में नहीं बोलना चाहिए था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैं कह रहा हूं कि मंत्री जमीर ने जो कहा वह गलत है। जब लोकायुक्त की रिपोर्ट में पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस के 40 प्रतिशत भ्रष्टाचार के आर-ोपों को खारिज करने के बारे में पूछा गया तो बसवराज बोम्मई ने विस्तार से टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बोम्मई ने कहा मैं अभी इस मामले पर बात नहीं करूंगा। हमारे प्रदेश अध्यक्ष और विपक्षी नेता पहले ही इस पर बात कर चुके हैं। मैं 23 नवंबर को उपचुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद जवाब दूंगा।

सीएसटी मेंगलूरु एक्सप्रेस में यात्री के सूटकेस से 63 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुंबई से उडुपी जा रही ट्रेन में यात्रा करते समय एक परिवार ने 63 लाख रुपये मूल्य के 900 ग्राम सोने के आभूषण खो दिए। मुंबई निवासी अविनाश ने शिकायत में कहा कि वह अपने परिवार के साथ 15 नवंबर को मुंबई से सीएसटी मेंगलूरु एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12133, कोच नंबर एस3) में सवार हुए थे और उन्होंने कपड़े और सोने के आभूषणों से भरे चार सूटकेस को बिना ठीक से लॉक किए, केवल जिप लॉक का उपयोग करके अपनी सीट के नीचे रख दिया था। 16 नवंबर को इंद्राली रेलवे स्टेशन पहुंचने पर, वे घर लौट आए और शाम को बैग खोले, तो पाया कि दो सूटकेस से सोने के आभूषण गायब थे। शिकायतकर्ता को संदेह है कि चोरी पनवेल और कंकावली रेलवे स्टेशनों के बीच कहीं हुई है। शिकायत के आधार पर, मणिपाल पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 303 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक अलग मामले में,

एक होम नर्स पर उडुपी में एक घर से 31,17,100 रुपये के सोने और हीरे के गहने चुराने का आरोप लगाया गया है, जहां वह काम करता था। बडागुबेट्टू के प्रसाद (57) ने एक शिकायत में कहा कि उन्होंने 15 दिन पहले अपने बुजुर्ग पिता की देखभाल के लिए उडुपी के पार्कला में दीक्षा होम हेल्थ केयर के माध्यम से सिद्दप्पा के कोडली को होम नर्स के रूप में काम पर रखा था। 17 नवंबर को सुबह 9:15 बजे से दोपहर 1:15 बजे के बीच, सिद्दप्पा के कोडली ने कथित तौर पर हॉल में एक ग्लास रैक से छह ग्राम वजन की हीरे की बालियों की एक जोड़ी चुरा ली, जिसकी कीमत लगभग 43,800 रुपये थी। साथ ही शिकायतकर्ता के बेडरूम में एक गुप्त लॉकर से लगभग 427 ग्राम वजन के सोने और हीरे के गहने चुरा लिए, जिनकी कीमत 31,17,100 रुपये थी। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में धारा 306 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

108 मां भगवती की आरतियों की रखी गई श्रृंखला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भगवती मानव कल्याण संगठन शाखा बेंगलूरु द्वारा लोक कल्याण हेतु भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय महासचिव सिद्धाश्रम रत्न अजय अवस्थी के निर्देशक एवं धर्म सम्राट श्री शक्तिपुत्र जी के संरक्षण में 108 आरतियों की श्रृंखला रखी गई है, जो लोगों के घरों में निशुल्क करवाई जा रही है।

बेंगलूरु शाखा सचिव लवकेश सिंह दिखित ने बताया कि मां की आरती के माध्यम से लोगों को सनातन धर्म के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

लोगों को नशे मांस से मुक्त चरित्रवान किया जा रहा है। इस अनुष्ठान में मां भगवती जगत

जननी जगदंबा की सूक्ष्म उपस्थिति रहती है, जिसका प्रभाव है कि लोग अवगुणों से मुक्त हो जाते हैं। इसी क्रम में अश्वत नगर सर्यापलिया उत्तर भारतीय दुर्गा मंदिर में मनीता सिह द्वारा तृतीय मां की आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का संचालक टीम प्रमुख पूजा द्वारा किया गया। गुरुदेव का जय कारा सुधा पाल एवं मां का जयकारा संजय कुमार द्वारा लगाया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था सह सचिव शनि सुमन, दीपू कुमार सिंह, अंजलि एवं नेहा ने संभाली। उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए लवकेश सिंह ने बताया कि वर्तमान का समय सामान्य नहीं है। अगर आप कलि काल के प्रभाव से बचना चाहते हैं, अपने बच्चों को अव-गुणों से मुक्त रखना चाहते हैं, तो आपको मां के शरण में जाना ही होगा। हर काल में जब देवताओं को कोई रास्ता नहीं मिलता तब सभी देवी देवता मिलकर माता भगवती जगत जननी जगदंबा का गुणगान करते हैं। वर्तमान में भी चहु ओर अनीति अन्याय अधर्म है। लोग भगवान की प्रतीक्षा कर रहे हैं लेकिन भगवान तो भक्तों के लिए आते हैं, समाज को भक्त बनना पड़ेगा।

महाराष्ट्र के लोग 175 से अधिक सीटों के साथ एमवीए को चुनेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महाराष्ट्र चुनाव के करीब आने के साथ, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने सोमवार को आगामी राज्य चुनावों में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की जीत पर भरोसा जताया। महाराष्ट्र के लातूर में पत्रकारों से बात करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य के लोग 175 से अधिक सीटों के साथ एमवीए को चुनेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा महाराष्ट्र में, हमें विश्वास है कि कांग्रेस भारी बहुमत के साथ सत्ता में आएगी। राज्य के लोग 175 सीटों के साथ एमवीए को चुनेंगे। हम सरकार बनाएंगे। उन्होंने सत्ता में आने के बाद सुशासन देने की बात कही। महाराष्ट्र के सीएम पद को लेकर एमवीए गठबंधन में दरार की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा किसी भी मुद्दे पर कोई विवाद नहीं है, पार्टी नतीजों के बाद सीएम चेहरे पर चर्चा होगी।

इससे पहले राज्य सरकार की गारंटी योजनाओं पर हमले को न केवल निर्दयी, गलत जानकारी वाला और भ्रामक, बल्कि गरीबों के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील बताते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि इन योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया गया है क्योंकि पात्र लोगों को सीधे लाभ मिलता है, जिसमें किसी भी तरह की लीकेज या अनुचित व्यवहार की कोई गुंजाइश नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा इसके लागू होने के एक साल के भीतर, मानव विकास सूचकांक 0.7 तक बढ़ गया है और कमजोर जिलों में कुपोषण की दर में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। अर्थव्यवस्था में

महिलाओं की भागीदारी में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। युवाओं के बीच कुशल रोजगार में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस ने भाजपा पर महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में गारंटी पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है। ये कार्यक्रम सिर्फ चुनाव की पूर्व संध्या पर किए जाने वाले एक और उपहार नहीं थे। इनकी (गारंटियों की) शुरुआत ने विकास के विकास-केंद्रित मॉडल से कल्याण-केंद्रित मॉडल की ओर एक निर्णायक बदलाव को चिह्नित किया है। गारंटी योजनाओं को संभवतः दुनिया का सबसे बड़ा कल्याणकारी वितरण कार्यक्रम बताते हुए उन्होंने कहा कि ये योजनाएं - जिनकी कुल लागत लगभग 56,000 करोड़ है - बिना किसी रुकावट के क्रियान्वित की जा रही हैं, और पिरामिड के निचले हिस्से में आर्थिक ऊर्जा पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बजट में गारंटी के लिए आवंटन 15 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि इसे कर्नाटक के विकास में क्षेत्रीय असंतुलन के अलावा लगातार बढ़ती कीमतों, बेरोजगारी और कृषि संकट के आलोक में देखा जाना चाहिए। उनके द्वारा प्रदान किए गए आँकड़ों के अनुसार, गृह लक्ष्मी योजना के मासिक 2,000 के माध्यम से लगभग 1.22 करोड़ महिलाओं को स्थिर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि 1.64 करोड़ परिवार गृह ज्योति के लाभार्थी हैं, और 1.24 करोड़ परिवार अन्न भाग्य के लाभार्थी हैं। गारंटी पर हमले को कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीति से प्रेरित आर-ोप करार देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने शक्ति योजना पर 8,000 करोड़ खर्च किए हैं, जिसके तहत 326 करोड़ से अधिक बस यात्राएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्येक लाभार्थी को 200 की बचत हुई। कई गरीब लोग मंदिरों और रिश्तेदारों के पास जाने लगे हैं और यह दर्शाता है कि इन महिलाओं के लिए इन सभी वर्षों में महंगी राज्य परिवहन बसों में यात्रा करना कितना विलासितापूर्ण था।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

स्कूल बंद करने का आदेश दिल्ली सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने एनसीआर के राज्यों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एन-सीआर में 12वीं तक से सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर के राज्यों को सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। वहीं शीर्ष न्यायालय ने इस दौरान दिल्ली सरकार से भी सवाल किया है कि उन्होंने बढ़ते प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए क्या किया है?

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है, उच्चतम न्यायालय ने कहा, प्रदूषण स्तर में खतरनाक बढ़ोत्तरी को देखते हुए सीएक्यूएम ने जीआरएपी के तमाम चरणों को लागू करने के बजाय मौसम की स्थिति में सुधार का इंतजार किया। उच्चतम न्यायालय ने जीआरएपी के तहत प्रदूषण नियंत्रण उपाय लागू करने को लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से कहा कि कुछ तत्परता की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान सख्त निर्देश दिया कि बिना कोर्ट से पूछे जीआरएसपी-4 के प्रतिबंध न हटाएं जाएं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीआर के सभी राज्यों को जीआरएपी (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के चरण 4 को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, कोर्ट ने एनसीआर के सभी राज्यों को तुरंत टीमें गठित करने का आदेश दिया है जो जीआरएपी चरण 4 के तहत आवश्यक कार्यों की निगरानी करेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एनसीआर के सभी राज्यों से कहा है कि वे जीआरएपी-4 में बताए गए कदमों पर तुरंत फैसला लें और इसे अगली सुनवाई से पहले अदालत के सामने प्रस्तुत करें। इसके अलावा दिल्ली और एनसीआर के राज्यों को एक शिकायत निवारण तंत्र बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि जीआरएपी-4 के नियमों के उल्लंघन की रिपोर्ट दी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि जीआरएपी-4 तब तक जारी रहेगा, जब तक कोर्ट आगे कोई आदेश न दे, भले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 से नीचे आ जाए। राज्य और केंद्र सरकारों को अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह सरकारों का संवैधानिक दायित्व है कि नागरिक प्रदूषण-मुक्त वातावरण में रहें। शीर्ष न्यायालय ने जीआरएपी-3 और जीआरएपी-4 के सभी प्रावधानों के अलावा सरकार को निर्देश दिया है कि स्थिति सामान्य करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं।

वहीं याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को अभी भी अन्य कक्षाओं के विपरीत स्कूलों में उपस्थित होना पड़ रहा है और अनुरोध किया कि इन कक्षाओं को भी बंद किया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीआर के सभी राज्य तत्काल निर्णय लें कि 12वीं कक्षा तक के सभी छात्रों की कक्षाएं बंद की जाएं।

राजनीतिक दलों को अभी भी परेशान कर रहा अनुच्छेद 370 का जिन्न

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 18 नवंबर।

पांच साल से अधिक का समय गुजर गया है पर अनुच्छेद 370 का जिन्न प्रदेश के राजनीतिक दलों का पीछा नहीं छोड़ रहा है। केंद्र शासित प्रदेश की पहली प्रदेश सरकार द्वारा इस संबंधी विधानसभा में पारित प्रस्ताव पर मचा हुआ हो हल्ला अब आपसी आरोप प्रत्यारोपों में बदल गया है क्योंकि प्रस्ताव में शब्दों की बाजीगारी सभी को उलझा गई है।

हाल ही में विधानसभा में पारित प्रस्ताव को लेकर पीडीपी और सज्जाद लोन की अगुवाई वाली पीपुल्स कांफ्रेंस समेत विभिन्न दलों की ओर से बढ़ते दबाव के बीच नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टी अपने घोषणापत्र का पूरी भावना से पालन कर रही है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमारा घो-षणापत्र लोगों के सामने है और हम इसका पूरी भावना से पालन कर रहे हैं। कांग्रेस द्वारा यह दावा किए जाने के बारे में कि प्रस्ताव अनुच्छेद 370 के लिए नहीं बल्कि राज्य के दर्जे के लिए है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अपनी मजबूरियां हैं। महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों से पहले पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य लोगों के हमले का सामना कर रही है।

इससे पहले, दिन में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि नेकां को प्रस्ताव पर सफाई देनी चाहिए, चाहे वह अनुच्छेद 370 के बारे में हो या राज्य के दर्जे के बारे में। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में बहुत अस्पष्टता है क्योंकि कांग्रेस का कहना है कि यह केवल राज्य के दर्जे के बारे में है।

उनसे पहले, पीपुल्स कांफ्रेंस प्रमुख सज्जाद लोन ने भी कहा था कि प्रस्ताव आधे-अधूरे मन से लाया गया है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती का कहना था कि कांग्रेस का यह बयान कि विधानसभा में पारित प्रस्ताव राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए था, इस प्रस्ताव पर गंभीर संदेह पैदा करता है और नेशनल कांफ्रेंस को इस पर तुरंत स्पष्टीकरण देना चाहिए।

महबूबा कहती हैं कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा यह बयान कि विधानसभा में पारित प्रस्ताव केवल राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए था, इस पर पहले से ही चल रही अस्पष्टता को और बढ़ा देता है। पीडीपी प्रमुख के शब्दों में नेकां को अपने पक्ष में 50 सदस्य होने के बावजूद सबसे पहले केंद्र के 5 अगस्त, 2019 के कदम की निंदा करनी चाहिए थी। हमने सबसे पहले दावा किया था कि प्रस्ताव अस्पष्ट था और इसे इस तरह से पेश किया गया जैसे कि एनसी इसे पेश करने में संकोच कर रही थी। चूंकि प्रस्ताव अस्पष्टता से भरा है और इसमें कोई स्पष्टता नहीं है, इसलिए नेकां को यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्रस्ताव केवल राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए है या अनुच्छेद 370 के लिए।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर पीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने हाल ही में कहा था कि विधानसभा में पारित प्रस्ताव राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए था। उनके बयान के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रमुख मलिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अनुच्छेद 370 एक बंद अध्याय है।

चुनावों में 1000 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, सामग्री जब्त: आयोग

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

चुनावों में मतदाताओं को प्रलोभन देने के हथकंडों पर रोक के लिए चुनाव आयोग की सख्ती के बीच प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र और झारखंड दोनों विधान सभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनावों के प्रचार अभियान के दौरान 1082 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब और अन्य सामग्री जब्त की हैं।

आयोग ने सोमावार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि इस बार महाराष्ट्र और झारखंड में कुल जब्ती 2019 की तुलना में सात गुना अधिक हुई है। दोनों राज्यों में प्रचार अभियान आज शाम पांच बजे थम गया। इस समय 14 राज्यों में उपचुनाव भी चल रहे हैं। आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया है, चुनाव आयोग के तहत प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में 1082.2 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, ड्रग्स, मुफ्त उपहार और अन्य प्रलोभन की वस्तुओं को जब्त किया है। महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपये की

जब्ती की गयी है जो इन राज्यों में 2019 के विधानसभा चुनावों के दौरान की गई जब्ती से सात गुना अधिक है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में, महाराष्ट्र में 103.61 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गयी थी, जबकि झारखंड में जब्त राशि 18.76 करोड़ रुपये थी। जो इस बार जब्त नकदी क्रमश: 153.48 करोड़ रुपये और 14.84 करोड़ रुपये बतायी गयी है।

आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार महाराष्ट्र में इस बार 71.13 करोड़ रुपये की शराब, 72.14 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं,282.49 की महंगी धातुएं तथा 80.94 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए। झारखंड में इस बार 7.84 करोड़ रुपये की शराब, 14.84 करोड़ रुपये की मादक पदार्थ, 8.38 की महंगी धातुएं तथा 152.22 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए। इस दौरान 14 राज्यों में उपचुनाव के प्रचार अभियान 13.65 करोड़ रुपये की नकदी 40.86 करोड़ रुपये की शराब 36.59 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं 11.21 की महंगी धातुएं 121.60 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान सहित कुल 223.91 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और सामान जब्त किए गए।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने प्रवर्तन एजेंसियों, केंद्रीय पर्यवेक्षकों की बैठकों और पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकों के दौरान लगातार चुनावों में धनबल की भूमिका पर अंकुश लगाने पर जोर दिया है।

सनातनियों को कट्टर हिंदू बनाएंगे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

छतरपुर, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 21-29 नवंबर तक 165 किमी की सनातन हिंदू एकता पदयात्रा करेंगे। उन्होंने जात-पात मिटाकर हिंदुओं को एकजुट करने का लक्ष्य बताया। यात्रा में फूलमाला त्याग और धर्मध्वज का सम्मान होगा। उन्होंने सनातन बोर्ड बनाने और वक्फ बोर्ड की हरकतों की जांच की मांग की।

बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 21 नवंबर से 29 नवंबर तक 165 किलोमीटर लंबी पदयात्रा के लिए निकल रहे हैं। सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा बागेश्वर धाम से रामराजा सरकार की नगरी ओरछा तक जाएगी। इस दौरान बाबा बागेश्वर अपने चिर-परिचित अंदाज में बातें करते नजर आए। उन्होंने हिंदुओं को एक करने की बात कही। मंदिरों ने हर समाज का पुजारी होने, सनातन बोर्ड गठित करने जैसी बातें भी कहीं। उन्होंने यात्रा के दौरान फूलमाला और खड़ाऊ नहीं पहनने का संकल्प भी लिया।

गौरतलब है कि शहर के पन्ना रोड पर स्थित निजी होटल में पत्रकारों से चर्चा करते हुए

महाराजश्री ने कहा कि विभिन्न पंथों में बटे सनातन हिन्दुओं को कट्टर हिन्दू बनाने के लिए यह एकता यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने कहा कि हम मिशन और विजन लेकर चल रहे हैं। सब हिन्दू जात-पात का भेद खत्म करें यही हमारा यात्रा का मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि राष्ट्र ध्वज और धर्मध्वज दोनों का बराबर सम्मान है। उन्होंने राष्ट्रगान के साथ पदयात्रा शुरू करने की बात कही।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि इस सनातन यात्रा सब धर्मों के लोग हो शामिल हो सकते हैं। इसके लिए हम किसी को न्यौता देने नहीं जा रहे। क्योंकि जब धर्मयुद्ध होता है तो बुलाया नहीं जाता, जिसका जमीर जिंदा होता है, वो खुद आता है। दूसरे धर्मों के लोगों के शामिल होने की बात पर शास्त्री ने कहा कि उनको लगता है कि हम कार्य अच्छा कर रहे हैं तो उनको भी भागीदारी करना चाहिए, क्योंकि देश तो उनका भी है। क्योंकि इस देश में रहने वाले इस्लामी और ईसाई समाज के लोग पहले हिंदू ही थे, बाद में वह कन्वर्ट हो गए। किसी भी धर्म के लोगों को यात्रा के लिए पीले चावल नहीं देंगे। बाबा ने अपने अंदाज में कहा कि आओ तो वेलकम, जाओ तो भीड़ कम।

बागेश्वर बाबा ने कहा कि हम भारत का हाल बांग्लादेश जैसा नहीं होने देंगे। हम हिंदुओं को जगाएंगे। शास्त्री ने वक्फ बोर्ड पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि 2005 तक तक बोर्ड के पास महज कुछ हजार एकड़ जमीन थी, आज साढ़े आठ लाख एकड़ जमीन हो गई। फिर भी हिंदू चुप बैठा है, हिंदू कायर बना बैठा है। सोया हुआ हिंदू है। कौन सोया हुआ हिंदू है, जो 500 सालों से रामजी के मंदिर के लिए कोर्ट में लड़ रहा था। वो भी वोट देते हैं, हम भी वोट देते हैं। या तो सनातन बोर्ड बनाइए या वक्फ बोर्फ हटाइए। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मीडिया के माध्यम से आम जनमानस को अवगत कराना चाहा है कि किसी भी पदयात्रा में फूलमाला का इस्तेमाल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपनी हिंदुओं को जगाने की यात्रा निकाल रहे हैं न कि कोई शोभायात्रा, अगर फूलमाला में ढंक जाएंगे तो हमारी बात कौन सुनेगा। उन्होंने कहा कि सभी सनातनप्रेमी फूलमाला में पैसे खर्च करने के बजाय अन्य संसाधनों में लगाएं। जितनी भी उनकी यात्राएं होंगी उन सभी में फूलमाला का त्याग रहेगा। छोटे बच्चे, वृद्ध और बीमार लोगों को यात्रा से दूर रहने का आग्रह किया गया। महाराजश्री ने कहा कि हमें स्वागत नहीं हमें सभी हिन्दुओं को एकजुट करने की भिक्षा दें। सभी यात्रियों से थाली, लोटा और एक गर्म रजाई साथ लेकर चलने का भी उन्होंने आग्रह किया।

महाराजश्री ने कहा कि यह पदयात्रा 29 नवंबर को रामराजा सरकार के चरणों में पहुंचेगी और यहीं यात्रा का विराम होगा। रामराजा सरकार को यात्रा के माध्यम से पहुंचकर ध्वज समर्पित करना है ताकि यह धर्मध्वजा लहराती रहे। उन्होंने बताया कि जगद्गुरु तुलसी पीठाधीश्वर रामभद्राचार्य जी भगवां ध्वज दिखाकर यात्रा प्रारंभ करेंगे। इस यात्रा में मलूक पीठाधीश्वर पूज्य राजेन्द्र दास महाराज, जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज, हनुमानगढ़ी के महंत राजूदास महाराज, इन्द्रेश जी महाराज, सुदामा कुटी के सुतीक्ष्ण दास जी, संजीव कृष्ण ठाकुर, अनुरुद्धाचार्य महाराज, जगतगुरु बल्लभाचार्य महाराज, गोरीलाल कुंज के महंत पूज्य किशोर दास महाराज शामिल होंगे। वहीं फिल्म, संगीत सहित अन्य क्षेत्रों से भी लोगों के शामिल होने की सूचनाएं हैं।

महाराष्ट्र, झारखंड में प्रचार अभियान थमा, मतदान कल

नयी दिल्ली , 18 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कुल 288 और झारखंड विधानसभा के लिए दूसरे चरण की 38 सीटों पर चुनाव के लिए सोमवार शाम पांच बजे सार्वजनिक प्रचार अभियान थम गया।

दोनों राज्यों में मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और अधिकांश सीटों पर शाम छह बजे तक वोट डाले जायेंगे। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस जैसे प्रमुख राष्ट्रीय दलों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों, शिव सेना और शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) के अलावा समाजवादी पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मस्लमीन (एआईएमआईएम) के स्टार प्रचारकों और अन्य क्षेत्रीय नेताओं ने धुंआधार रैलियां निकाली एवं प्रचार किया।

भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। भाजपा के साथ महायुति गठबंधन के प्रचार में शिव सेना के नेता एवं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राकांपा के नेता एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दिन-रात एक किया।

कांग्रेस के ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा प्रदेश पार्टी अध्यक्ष नाना पटोले और अन्य नेताओं ने बड़ी रैलियां की और एमवीए के दिग्गज प्रचारकों में पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मोर्चा संभाले रखा। कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने प्रचार के दौरान एक-दूसरे पर विभाजनकारी राजनीति करने और संविधान का तिरस्कार करने का आरोप लगाया तथा तल्खियां इतनी बढ़ गयी की दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गयी।

सार्वजनिक चुनाव प्रचार का दौर समाप्त होने के बाद उम्मीदवार और उनके समर्थक निजी संपर्क के माध्यम से समर्थन जुटाने में लग गये हैं।

प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और महायुति और महाविकास आघाड़ी दोनों ही गठबंधन के नेताओं की आज कई बड़ी रैलियां कीं।

चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावी मैदान में 3771 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे है। राज्य की 288 सीटों में से अनुसूचित जाति के लिए 29 और अनुसूचित जनजाति के लिए 25 सीटें आरक्षित हैं। राज्य में कुल 9,70,25,119 मतदाताओं को नाम पंजीकृत हैं। जिनमें 5,00,22,739 पुरुष, 4,69,96,279 महिला तथा 6031 उभयलिंगी मतदाता हैं। इसके अलावा 1,16,355 सेवा मतदाता, 01 जनवरी और 01 जुलाई 2024 के बीच 18 से 19 वर्ष की आयु वाले 20,93,206 युवा मतदाताओं का नाम पंजीकृत किया गया है जो इस बार पहली बार मतदान करेंगे। इसके अलावा 6,36,278 दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के 12,43,192 मतदाता मताधिकार को इस्तेमाल करेंगे।महाराष्ट्र में इसबार मतदाताओं के मतदान के लिए 1,011,186 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। पिछली विधानसभा के चुनाव में आयोग ने 96,653 मतदान केन्द्र बनाये गये थे।

झारखंड में 81 सीटों वाली विधानसभा के पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान 13 नवंबर को संपन् हुआ था। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले इंडिया समूह और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बीच है। आदिवासी बहुल झारखंड में दोनों गठबंधनों के प्रचार अभियान में आदिवासियों से जुड़े मुद्दों का बोलबाला रहा। भाजपा के नेतृत्व में राजग ने 15 नवंबर को आदिवासी नायक बिरसा मुंडा के जयंती पर जनजातिय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये इस समुदाय के मतदाताओं को लुभाने का जोरदार प्रयास किया।

राजग ने बंगाल से सटे आदिवासी इलाकों में आबादी के स्वरूप में बदलाव का भी मुद्दा उठाया। जबकि इंडिया समूह के स्टार प्रचारकों ने भाजपा पर महंगाई, बेरोजगारी और केन्द्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया । झारखंड के दूसरे एवं अंतिम चरण में 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। इस चरण के मतदान में ज्यादातर सीटें संताल प्रमंडल और कोयलांचल क्षेत्रों की हैं।

दूसरे चरण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रबींन्द्रनाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो, वर्तमान मंत्री इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, बेबी देवी की किस्मत को फैसला होगा। दूसरे चरण में जरमुंडी, महगामा, पोड़ैयाहाट सहित 17 सीटों पर भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी।

चुनाव आयोग के मुताबिक झारखंड के दूसरे चरण में 528 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। इन प्रत्याशियों में 472 पुरुष और 55 महिला के अलावा एक उभयलिंग भी चुनाव मैदान में उतरा है। इस चरण में कुल 14,218 बूथों में से 2,414 शहरी और 11,804 ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गये हैं। दूसरे चरण की 38 सीटों के लिए कुल 1.23 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों के किस्मत का पिटारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद करेंगे।

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के अलावा 15 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर भी बुधवार को उपचुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर वोटिंग करवाई जाएगी, जिसमें गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, करहल और कुंदरकी शामिल हैं. इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबक नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा और बरनाला सीटें हैं। इसके अलावा केरल की पलक्कड़ और उत्तराखंड की केदारनाथ सीट है और महाराष्ट्र के नांदेड़ लोकसभा सीट पर भी वोटिंग होगी। इन सभी सीटों पर भी उपचुनाव के लिए आज प्रचार थम गया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

महाकुंभ 2025 : कुंभ क्षेत्र में अखाड़ों के बसावट की प्रकिया शुरू

पहले दिन 10 अखाड़ों को किया गया भूमि का आवंटन

अखाड़ों की उपस्थिति से कुंभ क्षेत्र में बढ़ी रौनक

प्रयागराज, 18 नवंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में होने जा रहे सनातन परंपरा के सबसे बड़े समागम महाकुंभ 2025 में कुंभ क्षेत्र में साधु संतों की चहल पहल बढ़नी शुरू हो गई है।

महाकुंभ में जन आस्था के सबसे बड़े आकर्षण अखाड़ों की बसावट की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सीएम योगी के निर्देश पर कुंभ मेला प्रशासन ने अखाड़ों के संतों की सहमति से कुंभ क्षेत्र में छावनी बसाने के लिए भूमि आवंटित करनी शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी की दिव्य और भव्य महाकुंभ के आयोजन की परिकल्पना ने कुंभ क्षेत्र में आकार लेना प्रारंभ कर दिया है। इस दिशा के सबसे पहले कदम सनातन संस्कृति के प्रतीक अखाड़ों को भूमि आवंटन की प्रकिया शुरू हो गई। कुंभ क्षेत्र में आज संन्यासी और उदासीन अखाड़ों के संतों को अपनी छावनी लगाने के लिए कुंभ मेला प्रशासन की तरफ से भूमि का आवंटन शुरू कर दिया गया। अपर कुंभ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि आवंटन के पहले दिन साधु संतों की सहमति से दस अखाड़ों की कुंभ क्षेत्र में जमीन का आवंटन किया गया है।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी का कहना है कि पहले दिन संन्यासी और उदासीन अखाड़ों के लिए भूमि आवंटित की गई। प्रशासन के सहयोग से अब यहां भूमि पूजन की प्रकिया पूरी करने के बाद अन्य परंपराएं पूरी की जाएंगी। सभी अखाड़ों में भूमि आवंटन की सहमति बनने के साथ ही कुंभ मेला प्रशासन के अधिकारियों की टीम अखाड़ों के साधु संतों के साथ कुंभ मेला क्षेत्र में अखाड़ा सेक्टर पहुंची। यहां मेला प्रशासन की तरफ से अखाड़ों को उनकी भूमि को दिखाया गया जहां उनकी छावनी लगनी है। पूरी तरह समतल भूमि पर अखाड़ों ने अपनी अपनी भूमि का सीमांकन किया। इसके उपरांत कुंभ क्षेत्र में खूंटा गाड़ने की परम्परा पूरी की गई। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी बताते है कि मेला क्षेत्र में भूमि सीमांकन के साथ ही अखाड़ों ने अपने खूंटे गाड़ दिए हैं अब अखाड़ों के सभी कार्यक्रम इसी भूमि से संपादित होंगे। श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के सचिव महंत जमुना पुरी का कहना है कि कुंभ की स्थापित परंपरा के अनुसार ही मेला प्रशासन से हमें भूमि प्राप्त हुई है। अब अखाड़े की पूर्व नियोजित योजना के अनुसार बसावट का कार्य पूरा होगा।

मेला प्राधिकरण की तरफ से 18 और 19 नवम्बर को अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन की योजना बनी थी। उसी के अनुरूप सोमवार की श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण के मुख्यालय में मेला प्रशासन और अखाड़ों के बीच एक समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ही मेला क्षेत्र में अखाड़ों के लिए भूमि आवंटन पर अंतिम मुहर लगी। बैठक समापन के बाद अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया, हम सभी 13 अखाड़े एकजुट हैं और मेला प्रशासन जो जमीन हमें देगा, हम उस पर तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमारा मेला है, हमारे मुख्यमंत्री योगी जी हैं। जहां-जहां जमीन हमें आवंटित होगी, हम खुशी से वहां निशान लगाएंगे। महंत रवींद्र पुरी ने कहा, बैठक में सभी की समस्याएं सुनी गईं जिनका हल निकाल लिया गया है। इस बैठक में 10 अखाड़ों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बाकी तीन अखाड़ों से भी हमारी बात हुई है। हम सब एक हैं। हमने प्रशासन से जमीन और सुविधाएं बढ़ाने की बात कही थी जिसे प्रशासन ने मान ली है। आज दस अखाड़ों को भूमि का आवंटन किया गया। शेष तीन वैष्णव अखाड़ों को 19 नवंबर को भूमि आवंटन होगा।

महाकुंभ में 7 हजार बसों के अलावा 550 शटल बसें चलेंगी

लखनऊ/प्रयागराज, 18 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में यूपी परिवहन निगम महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के लिए 07 हजार बसें संचालित करेगा। परिवहन निगम प्रदेश के सभी महत्वपूर्ण स्थानों से सुगम, सस्ती एवं आरामदायक बस सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

महाकुंभ मेला में सड़क मार्ग से पूर्वांचल से अधिक संख्या में तीर्थयात्री आते हैं। इसके दृष्टिगत पूर्वांचल के छोटे-छोटे कस्बों से मेला स्थल को जोड़ते हुए बसों के संचालन की योजना परिवहन निगम ने तैयार की है। महिला एवं वृद्ध तीर्थयात्रियों को विशेष सुविधा प्रदान करने की योजना बनाई गई है।

परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि महाकुंभ मेला 2025 के दौरान मुख्य स्नान 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 के बीच पड़ रहे हैं, जिसमें मौनी अमावस्या का शाही स्नान 29 जनवरी एवं बसंत पंचमी का शाही स्नान 03 फरवरी, 2025 को है। महाकुंभ 2025 के दौरान लगभग 6800 परिवहन बसें एवं लगभग 200 वातानुकूलित बसों का संचालन किए जाने की योजना है।

प्रथम चरण में 12 जनवरी से 23 जनवरी तक द्वितीय चरण में 24 जनवरी से 07 फरवरी तक एवं तीसरे चरण में 08 फरवरी से 27 फरवरी तक तीन चरणों में महाकुंभ मेले में संचालन को बाटा गया है। निगम के कुल 19 क्षेत्रों से लगभग 165 मार्गों पर निगम की बसों का संचालन किया जाएगा। एमडी ने बताया कि बसों के अतिरिक्त 550 शटल बसें विभिन्न स्थाई एवं अस्थाई बस स्टेशनों एवं विभिन्न मार्गों पर निर्धारित वाहन पार्किंग स्थलों से संगम तट के निकट स्थित भारद्वाज पार्क एवं भारत स्काउट गाइड कालेज बैक रोड तक तथा लेप्रोसी बस स्टेशन व अंधावा बस स्टेशन तक संचालित किए जाने की योजना है। मुख्य स्नान पर्व पर शश्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ बढ़ने के कारण शास्त्रीपुल, फाफामऊ पुल एवं यमुना पुल यातायात हेतु प्रतिबंधित रहने की स्थिति में शहर के बाहर कुल 08 अस्थाई बस स्टेशन गठित किये जायेंगे, जिसमें झूसी बस स्टेशन, दुर्जनपुर बस स्टेशन, सरस्वतीगेट बस स्टेशन, नेहरू पार्क बस स्टेशन, बेली कछार बस स्टेशन, बेला कछार बस स्टेशन, सरस्वती हाइटेक सिटी मेनू एवं लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन हैं। झूंसी बस स्टेशन से दोहरी घाट, बड़हलगंज, गोला, उरूवा, खजनी, सीकरीगंज, गोरखपुर मार्ग, आजमगढ़-बलिया-मऊ व सम्बद्ध मार्ग के लिए बसों का संचालन किया जायेगा। दुर्जनपुर बस स्टेशन का उपयोग झूसी बस स्टेशन की बसों का संचालन मेला प्रशासन द्वारा रोके जाने पर किया जाएगा। इसी प्रकार सरस्वतीगेट बस स्टेशन से बदलापुर, शाहगंज, टांडा व सम्बद्ध मार्ग एवं वाराणसी एवं संबद्ध मार्ग के लिए बसों का संचालन किया जायेगा, नेहरू पार्क बस स्टेशन से कानपुर एवं कौशाम्बी को संबद्ध मार्ग के लिए, बेला कछार बस स्टेशन से रायबरेली लखनऊ व संबद्ध मार्ग एवं फैजाबाद, अयोध्या, गोण्डा, बस्ती, बहराइच व संबद्ध मार्ग के लिए, सरस्वती हाइटेक सिटी नैनी से विन्ध्यांचल, मिर्जापुर, शक्तिनगर व संबद्ध मार्ग के लिए, लैप्रोसी मिशन बस स्टेशन से बांदा-चित्रकूट व संबद्ध मार्ग एवं रीवा-सीधी व संबद्ध मार्ग के लिए संचालन किया जाएगा। नेहरू पार्क बस स्टेशन पर बसों का संचालन मेला प्रशासन द्वारा रोके जाने पर बसों का संचालन बेली कछार बस स्टेशन से किया जाएगा।

अखाड़ा परिषद की बड़ी मांग और बड़ा बयान

महाकुंभ में मुसलमानों का प्रवेश वर्जित हो

संतों का धर्म हो सकता है भ्रष्ट

प्रयागराज, 18 नवंबर (एजेंसियां)। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने महाकुंभ को लेकर बड़ी मांग की है और बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि महाकुंभ में मुसलमानों का प्रवेश वर्जित किया जाना चाहिए। उनको खाने-पीने के सामानों का दुकान लगाने की अनुमति न दी जाए। वह थूक या पेशाब मिलाकर साधु-संन्यासी, संत और तपस्वियों का धर्म भ्रष्ट कर सकते हैं। महाकुंभ में पूरे देश से बड़े-बड़े महात्मा और तपस्वी आ रहे हैं। थूक जिहाद के माध्यम से मुसलमान साधु-संन्यासियों का धर्म भ्रष्ट करने का प्रयास कर सकते हैं और खाने-पीने की चीजों में मिलावट कर सकते हैं। अखाड़ा परिषद की बैठक के बाद रवींद्र पुरी सोमवार को मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि क्या कोई गैर मुसलमान या हिंदू मक्का जा सकता है या वहां पर दुकान लगा सकता है। यदि नहीं तो यहां भी मुसलमानों को प्रवेश नहीं मिलना चाहिए।

क्योंकि महाकुंभ सनातन धर्म का सबसे बड़ा समागम और महापर्व है।

यहां पर माहौल बिगाड़ने के लिए गैर सनातन धर्म से ताल्लुक रखने वाले खास तौर पर मुस्लिम खाने पीने के सामानों में पेशाब या थूक मिला सकते हैं, जैसा कि कई प्रदेशों में हो चुका है। इससे सनातन धर्मावलंबियों का धर्म भ्रष्ट हो सकता है। इसका पता चलने पर साधु-संत ऐसे लोगों को मार सकते हैं, जिसका पूरे देश-विदेश में गलत संदेश जाएगा। इस तरह की स्थिति पैदा ही न हो इससे बेहतर है कि मुसमानों को महाकुंभ में भोजन, नाश्ता, जूस या अन्य खाने पीने के सामानों का दुकान लगाने की अनुमति न दी जाए।

महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि महाकुंभ में पूरे देश से संत, महात्मा और तपस्वी आ रहे हैं। प्रसाद, चाय, काफी, मिठाई या अन्य खाद्य पदार्थ में कोई ऐसा चीज मिलाई जा सकती है जिससे कि उनका धर्म भ्रष्ट हो जाए। इसका पता चलने पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कई प्रदेशों में इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं और सोशल मीडिया पर इस तरह का वीडियो भी वायरल हो चुके हैं। इससे सबक लेते हुए सतर्क रहने और बैन लगाने की जरूत है। कहा कि मुसलमान ठेकेदारी करें, दूसरे सामानों का दुकान लगाएं लेकिन खाने पीने के सामानों को बेचने की अनुमति उन्हें न दी जाए।

महाकुंभ में होगा अद्भुत और लुप्त प्राय पक्षियों का भी संगम

प्रयागराज, 18 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ में विलुप्त प्राय और दुर्लभ पक्षियों का भी संगम होने जा रहा है। बड़ी संख्या में विदेशी मेहमान संगम तट पर पहुंच चुके हैं और दुनिया में सबसे तेज रफ्तार में उड़ने वाले पेरेग्रीन का इंतजार किया जा रहा है। पक्षियों की निगरानी वाइल्ड लाइफ की टीम कर रही है।

अद्भुत महाकुंभ का साक्षी बनने लुप्त प्राय इंडियन स्कीमर का 150 जोड़ा यहां आ चुका है। संगम की रेती पर रंग बिरंगे इन मेहमानों की कलरव गंगा मइया की कल कल से मिलकर अलौकिक राग छेड़ रही है। इसी बर्ड साउंड थेरेपी के लिए देश विदेश से लोग आने लगे हैं। अभी दुनिया में सबसे तेज उड़ान वाले पेरेग्रीन फाल्कन का भी इंतजार किया जा रहा है। जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से तेज रफ्तार वाला यह पक्षी 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार में हवा से बातें करता है। संगम क्षेत्र में यह अलौकिक दृश्य प्रदेश में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों को बढ़ावा दे रहा है। वन विभाग भी इस अवसर को महाकुंभ से पूर्व बर्ड फेस्टिवल आयोजित कर

सेलिब्रेट करने जा रहा है।

प्रयागराज में वन विभाग के आईटी हेड आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि महाकुंभ से पहले ही बड़ी संख्या में अप्रवासी पक्षी प्रयागराज आ रहे हैं। इनके साथ लुप्तप्राय इंडियन स्कीमर और साइबेरियन सारस भी बड़ी संख्या में हैं। इतनी बड़ी तादात में आने वाले देशी और विदेशी पक्षियों की गणना के लिए वाइल्डलाइफ की टीम लगाई गई है जो दिनरात इन पक्षियों की विशेष निगरानी कर रही है। वाइल्डलाइफ के सामुदायिक अधिकारी केपी उपाध्याय ने बताया कि दुनिया भर में लुप्त प्राय इंडियन स्कीमर करीब 150 से अधिक के जोड़ों में संगम किनारे आ चुकी हैं। यह प्रदूषण को रोकने में काफी हद तक मददगार होती है। यही नहीं ये पानी की शुद्धता को बढ़ाने का भी काम करती हैं।

महाकुंभ की शुरुआत से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में संगम किनारे पहुंचे ये पक्षी देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। इंडियन स्कीमर फिलहाल रेत के टीले पर सुबह शाम आपको टहलते हुए आसानी से दिख जाते हैं।

यहां मां गंगा के किनारे शेड्यूल वन की इंडियन स्कीमर, साइबेरियन, ब्लैक क्रेन, सारस जैसी 90 से अधिक प्रजातियों के पक्षी फिलहाल महाकुंभ के स्वागत के लिए आ गए हैं। अभी दो साल पहले प्रयागराज में पेरेग्रीन फाल्कन को भी देखा जा चुका है जिसके महाकुंभ के दौरान पहुंचने की उम्मीद की जा रही है।

यह दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी है, जिसकी रफ्तार जापान और चीन की बुलेट ट्रेन से भी अधिक मानी जाती है। यह 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भी अधिक तीव्र गति से उड़ने में सक्षम है। इनके अलावा विभिन्न प्रकार के देशी और विदेशी पक्षी संगम को मुफीद मानते हुए महाकुंभ की शोभा बढ़ाने आ चुके हैं। इनमें साइबेरिया, मंगोलिया, अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से ये विदेशी मेहमान महाकुंभ का आनंद बढ़ाने के लिए आए हैं।

पक्षी वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रयागराज में बड़ी संख्या में पहुंच चुके इंडियन स्कीमर बहुत ही ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। यह अपने अंडों को बचाने के लिए तरह-तरह के इंतजाम करते हैं। सबसे खास बात यह है कि ये अधिकतर तीन ही अंडे देते हैं। मादा जब अपने पंखों से अंडों को ढक कर उनकी रखवाली करती है तो नर अपने पंखों में पानी भरने जाता है। नर जब वापस लौटता है तो अपने भीगे पंखों से अंडों को नमी देता है। फिर मादा को भेजता है अपने पंखों को नम करने के लिए। भारत में इन्हें पनचीरा भी कहा जाता है, क्योंकि यह पानी को चीरते हुए आगे बढ़ते हैं। इनकी एक चोंच छोटी तो दूसरी बड़ी होती है। साइबेरियन पक्षी गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर टापू को अपना निवास बनाते हैं। इन पक्षियों का आना सर्दियों की शुरुआत का संकेत है। साइबेरिया, मंगोलिया और अफगानिस्तान समेत 10 से अधिक देशों से पहुंचे ये साइबेरियन पक्षी महाकुंभ तक यहां वक्त बिताएंगे।

दुनिया में सबसे तेज गति से उड़ने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन भी महाकुंभ के दौरान संगम तट पर देखा जा सकता है। ये बाज की ही एक प्रजाति है। इसकी उड़ान की रफ्तार 300 किलोमीटर प्रति घंटे से भी अधिक होती है। इसे रॉकेट बर्ड भी कहते हैं। यह आम तौर पर उत्तरी अमेरिका में मिलता है। इसीलिए इसको जापान और अमेरिका की बुलेट ट्रेन से भी ज्यादा तेज उड़ने वाला पक्षी माना जाता है। पक्षी वैज्ञानिकों के अनुसार वर्ष 2022 में इसे संगम के किनारे देखा गया था। माना जा रहा है कि महाकुंभ तक यह संगम की शोभा को बढ़ाएगा।

गोंडा में 286 मदरसे-मकतब एटीएस और आईबी की रडार पर

गोंडा, 18 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में अवैध तौर पर संचालित हो रहे अवैध मकबतों और मदरसों को मिलने वाली फंडिंग के खिलाफ इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ने अपनी जांच शुरू कर दी है। इस जांच में आईबी का साथ उत्तर प्रदेश पुलिस की आतंकवाद निरोधक टीम (एटीएस) भी दे रही है। ये मदरसे और मकतब मान्यता न होने की वजह से जांच के दायरे में हैं। इन्हें मिलने वाली फंडिंग से लेकर इसमें पढ़ने-पढ़ाने वालों को लेकर भी पड़ताल होगी।

जिले में 286 मकतब और अवैध तौर पर चल रहे 19 मदरसे रडार पर हैं। इस क्रम में इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी गोंडा के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग पहुंचे। यहां उन्होंने मौजूद अधिकारी से राज्य में चल रहे 286 मकतबों और बिना मान्यता के संचालित 19 मदरसों की लिस्ट ली। अब खुफ़िया विभाग इन मकतबों और मदरसों में मिलने वाले पैसों के स्रोत जानने में जुटा हुआ है। इसे चलाने वालों से यह भी पूछा जाएगा कि उन्होंने संचालन के लिए सरकारी मान्यता क्यों नहीं ली।

उत्तर प्रदेश पुलिस की एटीएस पहले से ही इस दिशा में जांच कर रही थी। अब इसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो के भी शामिल होने से जांच में तेजी आई है और कई नए खुलासों की संभावना है।

इन टीमों को शासन द्वारा जरूरी दिशा निर्देश भी मिले हैं। जांच के बाद रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाएगी। शासन प्राप्त बिंदुओं के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करेगा। गोंडा जिले के जिला समाज कल्याण अधिकारी रमेश चंद्र को भी शासन ने जांच में सहयोग का निर्देश दिया है।

गोंडा के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रमेश चंद्र ने मीडिया से बताया कि जांच एजेंसियों द्वारा मांगे गए कागजात उपलब्ध करवा दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा मदरसे और मकतबों के संचालकों को भी साफ निर्देश दिया गया है कि वो जांच में सहयोग करें। इन संचालकों से पूछताछ की लिस्ट में मकतब-मदरसे कब से और कैसे चलाए जा रहे आदि प्रश्न शामिल हैं। इनको चंदा देने वालों की भी लिस्ट बनाई गई है जिनसे बाद में पूछताछ की जा सकती है। इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों का भी आंकड़ा जुटाया जा रहा है।

संपादकीय

बुलडोजर पर न्याय का हथौड़ा

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है। इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन-प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है। जो कालांतर लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा।

> कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा।

सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए

भारत की पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने की मांग

ललित गर्ग

> पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में शामिल करने की मांग वाली एक याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया था। यह मांग बिल्कुल प्रासंगिक एवं भारत के पारंपरिक चिकित्सा को प्रोत्साहन देने का सराहनीय प्रयास है। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। आज जबकि देश में लाइफ़स्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेज़ी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये पारंपरिक चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इज़ाफ़ा हुआ है। सरकार को पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए काम करते हुए एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की समृद्ध एवं शक्तिशाली परम्पराओं यानी योग, आयुर्वेद आदि को बल दे रहे हैं। वे आधुनिक चिकित्सा को सस्ता एवं जनसुलभ बनाने के लिये भी योजनाएं ला रहे हैं। इन्हीं सन्दर्भों में सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों दायर इस याचिका में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग समयोचित एवं सूझबूझभरा प्रयास है। ऐसा करने से जहां एक बड़ी आबादी को सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगी, वहीं पारंपरिक चिकित्सा को भी बढ़ावा मिलेगा। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति जैसे कि आयुर्वेद और योग दूसरी पद्धतियों के मुकाबले सस्ती एवं सुगम हैं। इसके लिए ज्यादा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत नहीं पड़ती। मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे के जरिये ही इन्हें भी लागू किया जा सकता है। इससे न सरकार पर ज्यादा बोझ आएगा और न जनता पर, बल्कि स्वास्थ्य बीमा का विस्तार होने से देश की कुल चिकित्सा लागत में कमी ही आएगी। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना या आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। लगभग 55 करोड़ लोग इसके दायरे में आते हैं। लेकिन एक बड़ी आबादी अब भी इसके लाभ से छूटी हुई है। पारंपरिक चिकित्सा और भी लोगों को जोड़ सकती है। इसको तेजी से विकसित कर व्यक्ति-व्यक्ति एवं घर-घर पहुंचाया जा सकता है। पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पूरी दुनिया में ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए सरकार ने काम शुरु कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिलकर यह भी देखा जा रहा है कि किस तरह से भारत का

पारंपरिक ज्ञान दुनिया को सेहतमंद रखने में योगदान दे सकता है। इस दिशा में रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान दिया जा रहा है। याचिका में उठाई गई मांग को पूरा करके सरकार अपने काम को ही आगे बढ़ाएगी एवं दुनिया के लिये एक स्वास्थ्य उजाला करेगी। दुनिया में आयुर्वेद एवं योग दोनों की मांग बढ़ रही है। बाजार की दृष्टि से देखें, तो इसकी ग्रोथ रेट 15 प्रतिशत से अधिक है। साल 2014 में आयुष का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 2.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। अमेरिका और यूरोप समेत 100 से अधिक देशों में भारत के हर्बल प्रॉडक्ट एवं आयुर्वेद इलाज पहुंच रहा है। आयुष्मान भारत के तहत इसे लाने से इसमें और तेजी आएगी। मांग बढ़ेगी तो जाहिर है कि उत्पादन भी बढ़ाना होगा। इससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बनेंगे, आर्थिक प्रगति होगी। भारत के आयुर्वेद का दुनिया बाजार बनेगी। इससे निश्चित ही भारत के दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने को बल मिलेगा। आयुर्वेद को दुनिया भर में स्वीकृत सबसे पुरानी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में से एक माना जाता है। आयुर्वेद में, पौधों, खनिजों, पशुओं से प्राप्त उत्पादों, आहार, व्यायाम, संयमित जीवनशैली और प्राकृतिक जीवन को शामिल किया जाता है। आयुर्वेद की शुरुआती अवधारणाएं अथर्ववेद में बताई गई हैं। इस पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में प्राचीन ज्ञान का अभी भी पूरी तरह से पता नहीं लगाया गया है। विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के समृद्ध ज्ञान के संगम से हर्बल दवा खोज प्रक्रिया में नए रास्ते खुल सकते हैं। इन प्रणालियों के सैद्धांतिक सिद्धांतों के बीच अंतर और समानता की समझ की कमी, पौधों पर आधारित दवाओं की खोज में अन्य बाधाओं के अलावा उनके अभिसरण की दिशा में सबसे बड़ी बाधा है। इस समीक्षा का उद्देश्य आयुर्वेद के सदियों पुराने इतिहास और बुनियादी सिद्धांतों को सामने लाना है। इससे नवोदित विद्वानों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों को पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करने, समानताओं को मजबूत करने और ऐसी औषधीय प्रणालियों की वैश्विक स्वीकृति और सामंजस्य की चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति सदियों से आज तक जीवित और समृद्ध रही है। इस प्रकृति आधारित चिकित्सा के विशाल ज्ञान, मानव शरीर की संरचना और प्रकृति के साथ कार्य करने के संबंध और ब्रह्मांड के तत्व में समन्वय में कार्य करते हैं और जीवित प्राणियों को प्रभावित करते हैं, के साथ यह प्रणाली आने वाले युगों में भी समृद्ध होने की संभावनाओं को ही उजागर कर रही है। शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा अभी भी कई रास्ते तलाशे जाने बाकी हैं ताकि इस ज्यादा सुरक्षित, कारगर एवं कम खर्चीली पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को जीवंत बनाकर स्वास्थ्य की चुनौतियों को कमतर किया जा सके। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में से हर साल लगभग 58 लाख लोगों की मौत होती है। इनसे बचाव में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति कारगर साबित हो सकती है। केंद्र ने कुछ अरसा पहले ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी शामिल करने की मंजूरी दी थी। पारंपरिक चिकित्सा बढ़ती बुजुर्ग आबादी की जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर सकती है। आयुर्वेद दवाओं के साथ-साथ असाध्य बीमारियों को दूर करने में सहज, प्रकृतिमय और चिन्तामुक्त जीवन, शुद्ध वातावरण, शुद्ध हवा-पानी, सात्विक-संतुलित आहार और भरपूर मेहनत को बल दिया जाता है। महानगरों की भाग-दौड़ भरी जिन्दगी में आदमी मात्र मशीन बनकर रह गया है। अपने स्वास्थ्य के बारे सोचने एवं समझने का समय भी उसके पास नहीं है। विकास की तीव्र गति से उपजी अति तनावपूर्ण जीवनशैली एवं प्रतिस्पर्धाओं ने चिन्ता एवं तनावों को जन्म दिया है, जो आधुनिक बीमारियों को बढ़ाते हैं। अनेक अनुसंधान एवं शोध में बताया गया है कि ध्यान एवं योग करने वाले व्यक्तियों की मनोविज्ञान में असाधारण रूप से परिवर्तन होता है। ऐसे व्यक्तियों में घबराहट, उत्तेजना, मानसिक तनाव, उग्रता, मनोकायिक बीमारियां, स्वार्थपरता और विकारों में कमी पाई गयी हैं तथा आत्मविश्वास, सहनशक्ति, स्थिरता, कार्यदक्षता, विनोदप्रियता, एकाग्रता आदि गुणों में वृद्धि देखी गयी है। ये ध्यान-साधना एवं योग में प्रत्यक्ष लाभ अनुभूत किये गये हैं जो तरह-तरह की बीमारियों पर नियंत्रण का सशक्त माध्यम है।

दृष्टि कोण

कई आदिवासी समुदायों के अस्तित्व पर संकट

झारखंड के विधानसभा चुनाव में संथाल क्षेत्र में आदिवासी आबादी कम होना बड़ा मुद्दा है। वास्तव में पूरे देश में ही प्रत्येक आदिवासी समुदाय की संख्या घट रही है। झारखंड की 70 फीसदी आबादी 33 आदिवासी समुदायों की है। यहां पिछले कई वर्षों से 10 ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी बढ़ नहीं रही है। ये आदिवासी आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से कमजोर तो हैं ही, साथ ही इनके विलुप्त होने का खतरा भी है। ऐसा ही संकट बस्तर इलाके में भी है। देश भर की दो-तिहाई आदिवासी जनजाति मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है, जिनकी आबादी लगातार कम होने के आंकड़े हैं। याद करना होगा कि अंडमान निकोबार और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बीते चार दशकों में कई जनजातियां लुप्त हो गईं। एक जनजाति के साथ उसकी भाषा-बोली, मिथक, मान्यताएं, संस्कार, भोजन, आदिम ज्ञान सब कुछ लुप्त हो जाता है। झारखंड में आदिम जनजातियों की संख्या वर्ष 2011 में घटकर दो लाख 92 हजार रह गई। ये जनजातियां हैं— कंवर, बंजारा, बथुडी, बिझिया, कोल, गौरेत, कॉड, किसान, गोंड और कोरा। इसके अलावा माल्तो-पहाड़िया, बिरहोर, असुर, बैगा भी ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी में लगातार गिरावट आ रही है। राज्य सरकार ने इन्हें पीवीजीटी श्रेणी में रखा है। एक बात आश्चर्यजनक है कि मुंडा, उरांव, संताल जैसे आदिवासी समुदाय जो कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर आगे आ गए, जिनका अपना मध्य वर्ग उभर कर आया, उनकी जनगणना में आंकड़े देश के जनगणना विस्तार के अनुरूप ही हैं। बस्तर में गौंड, दोरले, धुरबे आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। कोरिया, सरगूजा, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सभी जिलों में आदिवासी आबादी तेजी से घटी है। आम आदिवासी की जितनी भी पुरानी कथाएं हैं, उनमें उनके सुदूर क्षेत्रों से पलायन और एकांतवास का मूल कारण है कि वे शांतिप्रिय तथा किसी से युद्ध नहीं चाहते थे। आज भी वे नक्सलवादी हिंसा और प्रतिहिंसा से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में पलायन करते रहे हैं। बस्तर के बासागुड़ को ही लें, एक शानदार बस्ती थी, तीन हजार की आबादी वाला। इधर सलवा जुड़ुम ने जोर मारा और उधर नक्सलियों ने हिंसा की तो आधी से ज्यादा आबादी भागकर तेलंगाना के चेरला के जंगलों में चली गई। अकेले सुकमा जिले से पुराने हिंसा दौर में पलायन किए 15 हजार परिवारों में से आधे भी नहीं लौटे। एक और भयावह बात है कि परिवार कल्याण के आंकड़े पूरे करने के लिए कई बार इन मजबूर लोगों को कुछ पैसे का लालच देकर नसबंदी कर दी जाती है। मध्य प्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं, जिनकी आबादी डेढ़ करोड़ के आसपास है। यहां भी बड़े समूह तो प्रगति कर रहे हैं लेकिन कई आदिवासी समूह विलुप्त होने के कगार पर हैं। इनमें भील-भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा (59.939 लाख) है। इसके बाद गोंड समुदाय की जनसंख्या 50.931 लाख, कोल आदिवासियों की जनसंख्या 11.676 लाख, कोरकू आदिवासियों की जनसंख्या 7.308 लाख और सहरिया आदिवासियों की आबादी 6.149 लाख है। इनकी जनसंख्या वृद्धि दर, बाल मृत्यु दर में कमी आदि में खासा सुधार है, लेकिन दूसरी तरफ बिरहुल या बिरहोर आदिवासी समुदाय की जनसंख्या केवल 52 है। कोंध समूह (मुख्यतः ओडिशा में रहने वाले) की जनसंख्या 109, परजा की जनसंख्या 137 और सौंता समूह की जनसंख्या 190 है। असल में इनका समुदाय बहुत छोटा है और इनके विवाह संबंध बहुत छोटे समूह में ही होते रहते हैं। अतः जैनेटिक कारणों से भी वंश-वृद्धि न होने की एक संभावना है। देश की करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी अपने पारंपरिक आवास से बाहर निकलकर निवास कर रही है। किसानी या जंगल उत्पादों पर अपना जीवनयापन करने वाली जनजातियों के प्राकृतिक संसाधन कम हो गए, इसके चलते उनका पलायन हुआ।

कुछ अलग

ट्रंप के नगीने विवेक रामास्वामी के मंसूबे

वैसे तो यह 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' जैसी हकीकत है। फिर भी हम खुश हो सकते हैं कि केरल से गए एक भारतवंशी की दूसरी पीढ़ी के एक शख्स को, अमेरिका में बड़े बदलावों की जिम्मेदारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी है। उन्हें दुनिया में क्रांतिकारी औद्योगिक बदलावों के लिये चर्चित स्पेसएक्स,एक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क के समकक्ष यह जिम्मेदारी दी गई है। वही एलन मस्क जो चुनाव के अंतिम चरण में हर रोज एक लाख डॉलर ट्रंप के पक्ष में हवा बनाने के लिये खर्च कर रहे थे। सरकार गठन से पहले विवेक रामास्वामी को मस्क के साथ डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएन्सी यानी डीओजीई का मुखिया बनाया है। निश्चित रूप से यह महत्वपूर्ण जगह इस भारतवंशी विवेक रामास्वामी ने कड़ी मेहनत और अपनी योग्यता के आधार पर बनायी है। लेकिन इस खुशी के साथ एक विडंबना यह भी है कि वे प्रवासियों के अमेरिका में आने के खिलाफ हैं। विवेक उस एच-1बी वीजा प्रोग्राम को खत्म करना चाहते हैं, जिसके बूते तमाम भारतीय प्रतिभाएं अपनी योग्यता से अमेरिका को सारी दुनिया में महका रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रामास्वामी की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें देशभक्त अमेरिकी की संज्ञा दी। हकीकत में वे कट्टर अमेरिकी राष्ट्रवादी हैं। जिसके लिये उन्हें भारत का नुकसान करने में कोई परहेज नहीं होगा। यही वजह है कि इस बड़ी भूमिका मिलने के बाद उन्होंने तत्काल टिप्पणी भी की, कि हम नरमी से पेश नहीं आने वाले। वे ट्रंप की मंशा को आक्रामकता के साथ लागू करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। दरअसल, डीओजीई की भूमिका उन विभागों को खत्म करने या उनमें आमूल-चूल बदलाव करने की है, जो समय के साथ अप्रासंगिक हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इन विभागों में शिक्षा के साथ-साथ एफबीआई भी शामिल है। रिपब्लिकन में यह धारणा बन चुकी है कि विगत पांच सालों में एफबीआई डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ काम करती रही है। रिपब्लिकनों का पांचवां हिस्सा भी ऐसा ही मानता है। ऐसी ही कई सरकारी विभागों तथा एजेंसियों को खत्म करने की दलील रामास्वामी देते रहे हैं। जिसका लक्ष्य है नौकरशाही के अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाकर अर्थव्यवस्था को संबल देना । साथ ही वे कई अन्य संघीय विभागों को भी मौजूदा समय में अनुपयोगी मानते हैं। वे परमाणु नियामक, घरेलू राजस्व सेवा, शिक्षा विभाग व एफबीआई को बंद करने की वकालत करते रहे हैं। निस्संदेह, अरबपति रामास्वामी की उपलब्धियां चौंकाने वाली हैं। सात अरब डॉलर की बायोटेक कंपनी रोयवेंट साइंसेज के संस्थापक रामास्वामी ने बायो टेक्नॉलाजी के जरिये अरबों रुपये कमाये। उनका परिवार कभी केरल से अमेरिका गया था। उनके इंजीनियर पिता वी गणपति रामास्वामी ने नेशनल इंस्टीट्यूट, कालीकट से इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री हासिल की थी। पिता ने अमेरिका में इंजीनियर के तौर पर और मां ने मनोचिकित्सक के तौर पर कार्य किया। विवेक का जन्म केरल मूल के भारतीय माता-पिता के घर ओहायो में हुआ। वे ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में सर्जन और असिस्टेंट प्रोफेसर पत्नी अपूर्वा व दो बेटों के साथ कोलंबस में रहते हैं। रामास्वामी के व्यक्तित्व के कई आयाम हैं। वे राजनीति में आने से पहले बहुचर्चित पुस्तकों के लेखक भी रहे। वे अपने को प्रबल अमेरिकी राष्ट्रवादी बताते हैं और अपने सपने पूरे करने के लिये एक सांस्कृतिक आंदोलन की जरूरत भी बताते हैं। जिसके लिये वे 'सेव अमेरिका' अभियान की अगुवाई करते हैं जो डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी नारे से मेल भी खाता है।

देश दुनिया से

जलवायु और स्वास्थ्य नीतियों में तारतम्य का वक्त

अज़रबैजान के बाकू में जलवायु वार्ता का वार्षिक दौर खतरे की घंटी के साथ शुरू हुआ है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपने वार्षिक आकलन में बताया है कि 2024 सबसे गर्म साल रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रहा है, जिसमें जनवरी और सितंबर के बीच वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का पारा औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर से लगभग 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक के आसपास मंडराता रहा। यह एक गंभीर खतरा है क्योंकि यह इजाफा उस 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम सीमा से ऊपर है, जिसे वैज्ञानिकों ने तय किया था और विश्व समुदाय ने उत्सर्जन में कमी लाकर इसको इस हद से नीचा रखने के लिए सहमति बनाई थी। पेरिस समझौते का लक्ष्य औद्योगीकरण से पहले रहे स्तर की तुलना में धरती की सतह के औसत वैश्विक तापमान में वृद्धि को दीर्घकाल में 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने और ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे बढ़ाना था। जबकि इस वर्ष ला नीना प्रभाव के कारण गर्मी में बढ़ोतरी हो सकती है। इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड घनत्व निरंतर बढ़ रहा है जो तापमान वृद्धि का कारण बनती है। तापमान वृद्धि से अतिवृष्टि और बाढ़, तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात, जानलेवा गर्मी, सूखा और जंगल की आग जैसे भयावह परिणामों के अलावा अनेक गहरे प्रभाव पड़ रहे हैं। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने व्याख्या की है : 'जलवायु आपदा स्वास्थ्य को नुकसान, असमानता में बढ़ोतरी और सतत विकास को हानि पहुंचा रही है, यह शांति की नींव को भी हिला रही है'। फंड, उपायों पर अमल और जलवायु वार्ताओं के परिणाम चाहे जो भी हों, दुनिया के सामने यह संकट मुंह बाए खड़ा है। जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर प्रभाव व्यापक होता है। स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन पर हालिया रिपोर्ट 'द लैंसेट काउंटडाउन' बताती है :'हर देश में अब लोगों को अपने स्वास्थ्य और अस्तित्व पर बने खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जलवायु संकट बढ़ रहे हैं'। सेहत पर प्रभाव डालने वाले कारकों में अब बढ़ती गर्मी प्रमुख वजह है, वर्ष 2023 में लोगों को औसतन 50 से अधिक दिनों तक लगातार प्रचंड गर्मी झेलनी पड़ी, जबकि मौसम में आए बदलावों से पहले ऐसा नहीं होता था। इसके परिणामवश 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में जितने लोगों की मौतें हुई, वे 1990 के दशक के औसत से 167 प्रतिशत अधिक हैं। सर्वेक्षण में पाया कि 31 देशों ने कम-से-कम 100 दिनों से अधिक अवधि के लिए स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बनी गर्मी भुगती, जलवायु परिवर्तन के बिना ऐसा होने की उम्मीद न होती। गर्मी के असर से शारीरिक गतिविधि और नींद की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, जिससे शारीरिक-मानसिक सेहत प्रभावित हो रही है। जो कर्मचारी खुले में या गैर-ठंडे बाहरी वातावरण में काम करते हैं, उन्हें स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है और उनकी उत्पादकता प्रभावित होती है। यह बहुत बड़ा नुकसान है क्योंकि विश्व स्तर पर लगभग 1.6 बिलियन लोग यानि कामकाजी आयु वर्ग की 25.9 प्रतिशत हिस्सा खुले में काम करता है। इसमें कृषि मज़दूर, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर कार्यरत और अनौपचारिक क्षेत्र में लगे लोग शामिल हैं। स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का अन्य बड़ा असर यह होगा कि इससे जल-जनित, मच्छर-जनित, खानपान-जनित और वायु-जनित रोगों का प्रसार बढ़ने का खतरा है। बढ़ता तापमान, अतिशयी बारिश एवं सूखा, भूमि उपयोग में बदलाव और मानवीय गतिविधियां इस जोखिम में इजाफा करते हैं। उदाहरणार्थ पिछले 20 सालों में विश्व में डेंगू का प्रकोप बढ़ा है। 2023 में, एडीज एजिप्टी जैसे मच्छर का और अधिक इलाकों में फैलाव होने के कारण दुनियाभर में डेंगू के लगभग पचास लाख मामले सामने आए। तापमान वृद्धि के साथ हाल के दशकों में मलेरिया फैलने वाली अवधि भी बढ़ी है। दुनिया का 17 प्रतिशत अतिरिक्त भूभाग पी-फाल्सीपेरम जैसे मलेरिया परजीवियों के फलने-फूलने के अनुकूल हो गया है। जलाशयों के तापमान और लवणता में परिवर्तन के चलते जल जनित रोगों का संक्रमण अधिक फैल रहा है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती और जलवायु परिवर्तन धीमा करने को निर्णायक कदम उठाने पर राजनेताओं और नीति निर्माताओं में आम सहमति बनने का दुनिया अनिश्चित काल तक इंतजार नहीं कर सकती। वार्षिक जलवायु परिवर्तन वार्ताएं अपने-अपने राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय आर्थिक हितों की रक्षा सुनिश्चित रखने के प्रयास बनकर रह गई हैं, और ऐसे पैंतरे अपनाए जाते हैं जिससे काम जल्दी होने की बजाय लटका रहे। इसलिए रास्ता यही कि लचीला जलवायु संबंधी तंत्र बने और उस पर अमल हो। हालांकि यह करना भी एक चुनौती है, उदाहरणार्थ, एयर-कंडीशनिंग जैसा उपाय अपनाना गर्मी के बढ़ते प्रकोप का स्थायी हल नहीं। यह महंगा व ऊर्जा की भारी खपत करने वाला है ,गर्मी के उत्सर्जन में योगदान करता है। इससे शहरी क्षेत्रों में, वाणिज्यिक और आवासीय भवनों में एयर-कंडीशनर के अत्यधिक उपयोग से बना 'हीट आइलैंड' बढ़ता है। इसलिए, हमें अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ नवीकरणीय कम ऊर्जा खपत वाली शीतलन तकनीकों द्वारा संचालित एयर-कंडीशनिंग चाहिये। डेंगू जैसी चुनौतियों के लिए, हमें जोखिम कम करने, एकीकृत मच्छर नियंत्रण उपायों और स्वास्थ्य प्रणालियों को अधिक प्रतिक्रियाशील बनाने पर जोर देने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी अपने उत्सर्जन में कटौती करनी होगी – वर्तमान में, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा 5 प्रतिशत है। डब्ल्यूएचओ ने कॉप-29 सम्मेलन से पहले जारी की रिपोर्ट में बताया है कि स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए शहरों पर ध्यान देना आवश्यक है। शहरी नीतियां कुछ ऐसी बनाई जाती हैं जिनका असर वायु गुणवत्ता, परिवहन, ऊर्जा उपयोग, शहरी डिज़ाइन, हरित क्षेत्र, आवास और भोजन की पहुंच पर होता है और यह आगे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। इसलिए, कम कार्बन और स्वच्छ ऊर्जा प्रणालियों वाले बदलाव लाने में देरी मानव स्वास्थ्य के लिए बड़ी हानि है। स्वास्थ्य पर जलवायु बदलावों का असर कम करने वाले तमाम उपायों पर काम करने की गाड़ी आखिर में आकर नई व्यवस्था और बेहतर विकल्प अपनाने पर होने वाले खर्च पर आकर अटक जाती है।

आप का नजरिया

चंडीगढ़ की कसक

अभी भी चंडीगढ़ के लोग विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि शहर की फिजा में इतना ज़हर घुल चुका है कि एक्यूआई चार सौ का आंकड़ा पार कर गया। सिटी ब्यूटीफुल के उपनाम से विख्यात इस शहर को किसकी नज़र लगी, शहर के बाशिंदे अब तक समझ नहीं पा रहे हैं। लोग बताते नहीं थकते कि ऐसा मंजर उन्होंने जिंदगी में पहली बार देखा है। कभी लोग इस शहर की खूबसूरती और स्वास्थ्यवर्धक आबोहवा की कसमें खाया करते थे। पं. जवाहर लाल नेहरू के सपनों का शहर, जिसे तत्कालीन पंजाब के मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरो ने रात-दिन एक करके हकीकत बनाया। फिर फ्रांस के नामचीन वास्तुकार ली कार्बूजिए ने अपनी भारतीय टीम के साथ मिलकर उस सपने को साकार किया। भरपूर हरियाली और योजनाबद्ध तरीके से बने शहर में ऐसा कुछ नहीं दिखता जो भयावह प्रदूषण का सबब बने। विस्तृत सुखना झील, इसके पर्यावरण व सौंदर्य को निखारती है और आबोहवा को शुद्ध करती है। इस शहर को तीन प्रदेशों की राजधानी होने का दर्जा हासिल है। पंजाब व हरियाणा के साथ खुद केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ की भी राजधानी है। ऐसे में जब सिटी ब्यूटीफुल के लोगों ने अखबारों में चंडीगढ़ के एक्यूआई लेवल के चार सौ पार करने का समाचार पढ़ा तो उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। एक शहर जिसके सौंदर्य व आबोहवा की शान में पंजाबी गीतों में तमाम कसीदे पढ़े जाते थे, उसे यकायक ये क्या हो गया। शासन प्रशासन के लिये भी यह एक नई चुनौती थी। ऐसी स्थिति पहले कभी उसके सामने आई भी नहीं थी। नौकरशाह भी हतप्रभ थे कि किया क्या जाए। इस ज़हरीली फिजा में प्रत्यक्ष तौर पर शहर की भूमिका भी तो नहीं थी। यहां न तो ऐसी कोई इंडस्ट्री थी और न ही थर्मल प्लांट आदि, जिन पर तत्काल कार्रवाई होती। एक सुनियोजित-व्यवस्थित शहर व जागरूक नागरिक और साथ में सचेत तंत्र। वैसे आधुनिक सभ्यता की विसंगतियां तो जरूर थीं जो तापमान बढ़ाने में किसी हद तक भूमिका निभाती हैं। बहरहाल, समय के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा बदला जरूर है जो इस शहर की आबोहवा में दखल देता है। कभी चंडीगढ़ को बाबुओं का शहर कहा जाता था। बदलते वक्त के साथ कारों का हुजूम जरूर यातायात और पार्किंग की समस्या खड़ी करता है। लेकिन उसकी एक्यूआई लेवल को चार सौ पार पहुंचाने में इतनी बड़ी भूमिका भी नहीं रही। वैसे तो आधुनिक जीवनशैली के चलते एसी, फ्रिज, कार और निकटवर्ती इलाकों में अंधाधुंध निर्माण कार्यों में तेजी ने हमारे पर्यावरण पर हर शहर की तरह असर तो डाला है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हमें जो भूमिका पर्यावरण संरक्षण हेतु निभानी चाहिए, वो हम नहीं निभाते हैं। यूं तो चंडीगढ़ का मूल स्वरूप बरकरार है। कुछ सेक्टर नये जुड़े हैं, लेकिन सुनियोजित तरीके से ही उनका विस्तार हुआ। चंडीगढ़ के निर्धारित स्वरूप के चलते इसके अधिक विस्तार की गुंजाइश भी नहीं है, लेकिन इसके चारों ओर तमाम छोटे-बड़े शहरों का विस्तार हुआ है। घनी आबादी कहीं न कहीं चंडीगढ़ पर दबाव जरूर बनाती है। लेकिन यह स्थिति उतनी विकट नहीं है कि शहर का एक्यूआई लेवल चार सौ पार करे।

प्रचंड ने नेपाल की ओली सरकार के जल्द गिरने का किया दावा, खुद को बताया पीएम इन वेटिंग

काठमांडू, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

सत्ता से हटने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल प्रचंड ने अगले आम चुनाव तक सत्ता की राजनीति में वापसी नहीं करने और विपक्ष में रहने की बात कही थी, लेकिन तीन महीने के बाद ही अपनी बात से पलटते हुए उन्होंने खुद को पीएम इन वेटिंग बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पूरी तरह असफल बताते हुए उनकी सरकार के जल्द ही अपदस्थ होने का दावा किया है।

माओवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सोमवार को प्रचंड ने कहा कि ओली के कारण नेपाल की विदेश नीति पूरी तरह से असंतुलित हो गई है। प्रचंड ने कहा कि चार महीने के भीतर ओली सरकार ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर खास कर भारत, चीन और अमेरिका के विश्वास को खो दिया है।

प्रचंड ने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ओली सरकार की अवधि अब कुछ ही दिनों की है और जल्द ही यह सरकार अपने कारण ही गिरने वाली है। माओवादी अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह से सत्तारूढ़ गठबंधन दलों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है, उससे यह सरकार कब गिर जाए वह कहा नहीं जा सकता है।

प्रचंड ने ओली पर संसद विघटन करने की फिर से साजिश करने की आशंका भी जताई है। माओवादी अध्यक्ष ने सिर्फ सरकार गिरने की बात नहीं कही, बल्कि अगली सरकार के बारे में भी खुल कर बोला है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के नेता होने के नाते वो ही पीएम इन वेटिंग हैं और अगली बनने वाली सरकार का नेतृत्व वो ही करने वाले हैं।

नेपाली कांग्रेस के साथ पहले भी सत्ता साझेदारी का अनुभव होने की बात कहते हुए प्रचंड ने कहा कि ओली के व्यवहार और सत्ता संचालन के तरीके से तंग आने बाद कांग्रेस के नेता उनके ही पास आने वाले हैं, क्योंकि उनके पास ही ओली को सत्ता से हटाने वाला जादुई आंकड़ा है।

न्यूज़ ब्रीफ

ब्राजील की फर्स्ट लेडी ने ऐसा क्या कह दिया मस्क के खिलाफ.......गर्मा दिया माहौल

ब्राजीलिया। जी 20 के कार्यक्रम में ब्राजील की फर्स्ट लेडी जान्जा लूला डी सिल्वा ने नियंत्रण की आवश्यकता पर अरबपति एलॉन मस्क के खिलाफ तीखे शब्दों का इस्तेमाल किया। इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और सोशल मीडिया पर बहस को गर्मा दिया है। जान्जा, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा की पत्नी हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि यह मस्क है, और फिर उन्होंने मजाकिया अंदाज में जोड़ा, मैं तुमसे नहीं डरती, फज यू, मस्क। यह घटना तब हुई जब वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स द्वारा फैलाए जा रहे फेक न्यूज और गलत सूचनाओं के खतरे पर बोल रही थीं। मस्क ने टिप्पणी का जवाब हल्के-फुल्के अंदाज में दिया। उन्होंने जान्जा के बयान का वीडियो शेयर कर हंसी के इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। इसके अलावा, उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ब्राजील में वह अगला चुनाव हारने जा रही हैं। ब्राजील में मस्क के एक्स को एक माह के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस पर फेक न्यूज को बढ़ावा देने और देश के लोकतंत्र के लिए खतरा बनने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद मस्क ने एक्स के एल्गोरिदम को पारदर्शी बनाने की कोशिश में कई पोस्ट किए, लेकिन ब्राजील में इसे लेकर विवाद कम नहीं हुआ। इस बयान ने सोशल मीडिया की जिम्मेदारी और फ्री स्पीच की सीमाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है। ब्राजील में मस्क और उनके प्लेटफॉर्म के खिलाफ पहले से ही नाराजगी है, इसके बाद जान्जा का यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित कर रहा है।

स्टारमर ने कहा- पुतिन से बात करने की कोई योजना नहीं

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर का कहना है कि उनकी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत करने की कोई योजना फिलहाल नहीं है। यह बयान उन्होंने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ द्वारा पुतिन से टेलीफोन पर की गई बातचीत पर प्रतिक्रिया देते हुए दिया। यहां बताते चलें कि जर्मन चांसलर स्कोल्ज़ और पुतिन के बीच की बातचीत जर्मनी की पहल पर हुई थी। क्रेमलिन और बर्लिन दोनों ने शुक्रवार को इस संवाद की पुष्टि भी कर दी है। एक बातचीत के दौरान ब्रिटेन के पीएम स्टारमर ने कहा कि यह चांसलर स्कोल्ज़ का मामला है कि वे किससे बात करते हैं। मेरी पुतिन से बात करने की कोई योजना नहीं है। गौरतलब है कि ब्रिटेन लंबे समय से रूस के प्रति कड़ा रुख अपनाए हुए है। यूक्रेन संघर्ष के बाद ब्रिटेन ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए और यूक्रेन को सैन्य सहायता भी प्रदान की। प्रधानमंत्री स्टारमर का यह बयान उसी नीति के अनुरूप माना जा रहा है। पुतिन-स्कोल्ज़ की बातचीत क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के अनुसार, पुतिन और स्कोल्ज़ के बीच बातचीत व्यावसायिक, विस्तृत और स्पष्ट रही। यह वार्ता वर्तमान वैश्विक मुद्दों और रूस-यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर हुई।

पूर्वी लंदन में कार में मृत पाई गई महिला के भारतीय मूल के पति की तलाश

लंदन। नॉर्थ हेम्पटनशायर पुलिस ने रविवार को कॉर्बी में रहने वाली 24 वर्षीय हर्षिता ब्रेला की हत्या के आरोप में मुख्य संदिग्ध के रूप में उसके पति पंकज लांबा को नामित किया। भारतीय मूल के पंकज लांबा की पुलिस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तलाश कर रही है। हर्षिता का शव पूर्वी लंदन में कार की डिग्गी में मिला था। सीएच इंस्पेक्टर पॉल कैश ने केटरिंग में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जांच के दौरान पूछताछ से यह संदेह और मजबूत हुआ कि हर्षिता की इस महीने की शुरुआत में नॉर्थम्पटनशायर में उसके पति पंकज लांबा ने ही हत्या की। संदेह है कि लांबा ने कार से हर्षिता के शव को नॉर्थम्पटनशायर से इलफोर्ड पहुंचाया। इसके बाद वह देश छोड़कर भाग गया। गुरुवार तड़के ब्रिस्बेन रोड, इलफर्ड पर एक कार की डिग्गी के अंदर ब्रेला का शव पाए जाने के बाद हत्या की जांच शुरू की गई थी। कैश ने कहा कि अगर किसी ने संदिग्ध को देखा है या उसके पास कोई जानकारी है तो वह पुलिस को सूचना दे। यह सूचना हर्षिता को न्याय दिलाने में मदद कर सकती है। उन्होंने अपराध संख्या ऑपरेशन वेस्टकॉट का हवाला देते हुए 101 पर कॉल करके घटना कक्ष से संपर्क करने का आग्रह किया है। ईस्ट मिडलैंड्स स्पेशल ऑपरेशंस मेजर क्राइम यूनिट के डीसीआई जॉनी कैंपबेल ने रविवार को कहा कि उनकी यूनिट और नॉर्थम्प्टनशायर पुलिस के जासूस ब्रेला की मौत की परिस्थितियों को जानने के लिए कई दिनों तक लगातार चौबीस घंटे काम किया।

पीएम मोदी ब्राजील पहुंचे, जी20 शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

ब्राजीलिया, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

पीएम नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा के दूसरे चरण में सोमवार को ब्राजील पहुंचे, जहां वह जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। मोदी नाइजीरिया की यात्रा पूरी करने के बाद दक्षिण अमेरिकी देश पहुंचे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति बोला अहमद टिनुबू के साथ द्विपक्षीय वार्ता की और भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने अपने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील के शहर रियो डी जेनेरियो पहुंचे। विदेश मंत्रालय ने हवाई अड्डे पर मोदी के स्वागत की तस्वीरें भी साझा की हैं। अपने आगमन की घोषणा करते हुए मोदी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंच गया हूं।

चीन और अमेरिकी राष्ट्रपतियों समेत कई नेताओं से करें मुलाकात

मैं शिखर सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श और विश्व के कई नेताओं के साथ बातचीत करने का इंतजार कर रहा हूं। इससे पहले नाइजीरिया यात्रा के दौरान पीएम मोदी को देश के राष्ट्रीय पुरस्कार 'ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' (जीसीओएन) से सम्मानित किया गया, जिससे वह यह सम्मान पाने वाले दूसरे विदेशी गणमान्य लोगों में शामिल हो गए हैं। यह किसी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 17वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। अब तक ब्रिटेन की दिवंगत महारानी एलिजाबेथ एकमात्र विदेशी हस्ती रहीं जिन्हें 1969 में जीसीओएन से सम्मानित किया गया था। ब्राजील में मोदी 'ट्रोइका' के सदस्य के रूप में 19वें जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के साथ जी20 'ट्रोइका' का हिस्सा है। 'ट्रोइका' में वर्तमान पूर्ववर्ती और अगले जी20 अध्यक्ष शामिल होते हैं और तीनों सदस्य जी20 शिखर सम्मेलन की तैयारी में एक दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। मोदी के साथ चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके अमेरिकी के जो बाइडन भी 18-19 नवंबर को रियो डी जेनेरियो शिखर सम्मेलन में भाग लेने वालों में शामिल हैं। अपनी यात्रा के तीसरे और अंतिम चरण में पीएम मोदी, राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली के निमंत्रण पर 19 से 21 नवंबर तक गुयाना जाएंगे। यह 50 से ज्याया सालों में किसी भारतीय पीएम की गुयाना की पहली यात्रा होगी। मोदी ने शनिवार को नाइजीरिया से प्रस्थान के समय अपने वक्तव्य में कहा था कि इस साल ब्राजील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है। मैं एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के हमारे दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए सार्थक बातचीत की आशा करता हूं। मैं इस मौके पर कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान भी करूंगा। पिछले साल भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान 55 देशों के अफ्रीकी संघ को जी20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करना और यूक्रेन संघर्ष पर गहरे मतभेदों को दूर करते हुए नेताओं की घोषणा तैयार करना इस शिखर सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि रहा।

रूस के खिलाफ यूक्रेन करेगा अमेरिकी मिसाइलों का इस्तेमाल, बाइडेन की हां

वाशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस में हमले के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों के प्रयोग की अनुमति दे दी है। लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति अमेरिका ने यूक्रेन को पहले ही कर दिया है।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इन हथियारों का इस्तेमाल शुरुआत में पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों की रक्षा में रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिकों के खिलाफ किए जाने की संभावना है। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का यह निर्णय संयुक्त राज्य अमेरिका की नीति में एक बड़ा बदलाव है।

इस फैसले ने बाइडेन के सलाहकारों को विभाजित कर दिया है। बाइडेन के रुख में यह बदलाव नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के पदभार संभालने से दो महीने पहले आया है। पहले बाइडेन ने कहा था कि भविष्य में यूक्रेन के समर्थन को सीमित किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि इन लंबी दूरी की मिसाइलों को आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम या एटीएसीएमएस के नाम से जाना जाता है। बाइडेन का यूक्रेन को इनके उपयोग करने की इजाजत देना उत्तर कोरियाई सैनिकों को लड़ाई में लाने के रूस के आश्चर्यजनक फैसले के जवाब में आया है। इस समय रूस की सेना उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ (लगभग 50 हजार सैनिक के साथ) यूक्रेनी ठिकानों पर एक बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। क्रेमलिन का लक्ष्य अगस्त में आक्रमण के दौरान यूक्रेनियों द्वारा जब्त किए गए सभी क्षेत्रों को फिर से हासिल करना है।

कराची में गुटखा माफिया घर छापे के दौरान चोरी, तीन महिला कांस्टेबल गिरफ्तार

कराची, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में गुटखा माफिया से निपटने के लिए स्थापित टास्क फोर्स के दामन पर बड़ा दाग लगा है। कराची में एक गुटखा व्यापारी के यहां छापे के दौरान तीन महिला पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर रकम चोरी करते हुए पकड़ा गया।

छापे के दौरान दो संदिग्धों यूसुफ और हुसैन को गिरफ्तार किया गया। घर से 100 किलोग्राम गुटखा और अन्य सामग्री जब्त की गई। यह छापा ओरंगी में पुलिस उप महानिरीक्षक (डीएसपी) आबिद फजल के नेतृत्व में मारा गया। छापे के बाद पीड़ितों के परिजनों ने घर से बड़ी धनराशि चुराने का आरोप लगाया।

इसके बाद टास्क फोर्स को रोककर तलाशी ली गई। इस दौरान महिला कांस्टेबल माहिरा के पास 16 लाख रुपये मिले, जबकि एक अन्य महिला कांस्टेबल के पास 900 से अधिक रियाल और कुछ दिरहम मिले। अन्य अधिकारियों ने पहचान से बचने के प्रयास में पैसे फेंक दिए। बताया गया है कि गिरफ्तार तीन महिला पुलिसकर्मियों माहिरा, अराम और शाजिया को निलंबित कर दिया गया।

श्रीलंका में नए मंत्रिमंडल का गठन, राष्ट्रपति दिसानायके ने रक्षा और वित्त विभाग अपने पास रखे

कोलंबो, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के गठबंधन नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) की संसदीय चुनाव में हुई प्रचंड जीत के बाद आज सुबह मंत्रिमंडल का गठन किया गया। राष्ट्रपति सचिवालय में हुए समारोह में प्रधानमंत्री सहित 21 मंत्रियों की नियुक्ति हुई। सभी ने राष्ट्रपति के समक्ष शपथ ली। राष्ट्रपति ने रक्षा और वित्त विभाग जैसे कुछ मंत्रालय अपने पास रखे हैं।

22 मंत्रियों की नई कैबिनेट ने आज सुबह राष्ट्रपति सचिवालय में शपथ ली। राष्ट्रपति दिसानायके के पास रक्षा, वित्त, आर्थिक विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या के पास शिक्षा, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक शिक्षा और विजेता हेराथ के पास विदेश मामले, विदेशी रोजगार और पर्यटन विभाग होंगे।

अन्य मंत्रियों में प्रो. चंदना अबेरत्ना (राज्य प्रशासन, प्रांतीय परिषद और स्थानीय सरकार विभाग), हर्षना नानायक्कारा (न्याय और राष्ट्रीय एकता विभाग), सरोजा सवित्री पॉलराज (महिला एवं बाल मामलों के विभाग), केडी लालकंठ (कृषि, पशुधन, भूमि और सिंचाई विभाग), अनुरा करुणाथिलके (शहरी विकास, निर्माण और आवास विभाग), रामलिंगम चन्द्रशेखर (मत्स्य पालन विभाग), उपाली पन्निलेज (ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक अधिकारिता विभाग), सुनील हाडुनेटी (उद्योग और उद्यमिता विकास विभाग), आनंद विजेपाला (सार्वजनिक सुरक्षा और संसदीय मामलों के विभाग), बिमल रथनायके (परिवहन, राजमार्ग, बंदरगाह और नागरिक उड्डयन विभाग), हिनिदुमा सुनील सेनेवी (बुद्ध सासना, धार्मिक और सांस्कृतिक मामलों के विभाग), डॉ. नलिंदा जयतिस्सा (स्वास्थ्य और मास मीडिया विभाग), सामंथा विद्यारत्न (पौधरोपण और सामुदायिक बुनियादी ढांचे विभाग), सुनील कुमारा गमागे (खेल और युवा मामले विभाग), वासंथा समरसिंघे (व्यापार, वाणिज्य, खाद्य सुरक्षा और सहकारी विकास विभाग), प्रो. क्रिसांथा अबेसेना (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग), प्रोफेसर अनिल जयंती फर्नांडो (श्रम विभाग), कुमारा जयकोडी (ऊर्जा विभाग) और डॉ. दम्मिका पटाबेंडी (पर्यावरण विभाग)।

नासा ने अंतरिक्ष से शेयर की सुनीता विलियम्स की तस्वीर, सेहत में दिखा सुधार

वॉशिंगटन, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

सुनीता विलियम्स पिछले छह महीनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसी हुई हैं। वह नासा की प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्हें जून में ही 10 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा के बाद वापस लौटना था, लेकिन उनके अंतरिक्ष यान में आई खराबी के कारण लैंडिंग को टालना पड़ा। इस बीच कुछ दिनों पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सुनीता विलियम्स की एक तस्वीर आई थी, जिसमें वह काफी दुबली-पतली दिखाई दे रही थीं। लेकिन, अब नासा ने उनकी एक और नई तस्वीर जारी की है, जिसने उनके स्वास्थ्य में सुधार दिखा है। सुनीता विलियम्स नई तस्वीर में अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की खिड़की से पृथ्वी को निहारती नजर आ रही हैं। हाल में ही सुनीता विलियम्स ने किबो प्रयोगशाला मॉड्यूल में एस्ट्रोबी रोबोटिक फ्री-फ्लायर की जांच की। इस दौरान उन्होंने गेको जैसे चिपकने वाले पैड से सुसज्जित टेंटेकल जैसी रोबोटिक हैंड इंस्टॉल की। इस इंस्टॉलेशन का

उद्देश्य सैटेलाइट कैप्चर तकनीक का प्रदर्शन करना है, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति है। 61 साल के विल्मोर और 58 साल की सुनीता बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे। इंजीनियर यह अध्ययन कर रहे हैं कि सर्विसिंग या हटाने के लिए अंतरिक्ष की वस्तुओं को कैसे कैप्चर किया जाए। एस्ट्रोबी रोबोट, जो क्यूब के आकार के और टोस्टर के आकार के होते हैं, पृथ्वी पर मौजूद इंजीनियरों द्वारा दूर से नियंत्रित किए जाते हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन या दूसरे सैटेलाइटों के साथ किसी अन्य उपकरणों को जोड़ने या अंतरिक्ष में मुक्त रूप से उड़ने वाली वस्तुओं को कैप्चर करने के लिए सुनीता विलियम्स के लगाए गए रोबोटिक हैंड का इस्तेमाल किया जा सकता है। सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर इसी साल 5 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए परीक्षण मिशन पर रवाना हुए थे। उस वक्त उम्मीद की जा रही थी कि ये दोनों अंतरिक्ष यात्री कुछ ही दिनों में पृथ्वी पर लौट आएंगे। अब उम्मीद की जा रही है कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की नए साल यानी वर्ष 2025 में ही वापसी हो पाएगी।

कंबो ट्रीटमेंट में मेंढक के जहर से किया जाता है इलाज

लंदन। अमेजन के आसपास के देशों में कंबो ट्रीटमेंट पद्धति मरीजों का उपचार किया जाता है। इस पद्धति को लेकर दावा किया जाता है कि यह गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, अल्जाइमर, डिप्रेशन, और बांझपन का इलाज कर सकता है, लेकिन इसके खतरनाक परिणाम भी सामने आए हैं। कंबो ट्रीटमेंट में मरीज को मेंढक के जहर से इलाज किया जाता है। इलाज की शुरुआत में मरीज को एक लीटर पानी या कसावा सूप पिलाया जाता है। इसके कुछ समय बाद, शरीर के कुछ हिस्सों जैसे कंधे, हाथ या गले पर गर्म रॉड से जलन पैदा की जाती है, जिससे फफोले बन जाते हैं। फिर इन फफोलों को नोंच कर, उस पर मेंढक का जहर भर दिया जाता है। इस जहर के शरीर में प्रवेश करने के बाद मरीज की हालत बिगड़ने लगती है। मरीज को उल्टी, दस्त, चक्कर आना, पेट में तेज दर्द, उच्च रक्तचाप, और बार-बार पेशाब आने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। यह स्थिति आमतौर पर 5 मिनट से लेकर 30 मिनट तक रहती है, लेकिन कुछ मरीजों पर इसका असर घंटों तक रहता है। इस इलाज के दौरान मरीज को ठंडा रखने के लिए पास की नदी में लेटने को कहा जाता है, हालांकि दर्द और जहर के प्रभाव से मरीज बेहाल हो जाते हैं और कई बार बेहोश भी हो सकते हैं। इलाज के बाद शरीर से जहर को बाहर निकालने के लिए पानी या चाय पिलाई जाती है, ताकि जहर बाहर निकल सके। हालांकि, कंबो ट्रीटमेंट का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इसके खतरों को लेकर कोई शोध नहीं किया गया है। इस इलाज के समर्थकों का दावा है कि यह इलाज शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालता है और मानसिक स्पष्टता लाता है, साथ ही कई बीमारियों को ठीक कर सकता है। हालांकि, इसे लेकर कई देशों में चेतावनियां दी गई हैं।

यूएसपीएल सीजन 3 : शुभम रंजने होंगे मैरीलैंड मेवरिक्स के कप्तान

फ्लोरिडा, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीज़न 3 के लिए शुभम रंजने मैरीलैंड मेवरिक्स टीम के कप्तान होंगे, जबकि नोस्टुश केनजिगे (नोश) उनके डिप्टी होंगे। मेवरिक्स की टीम अपना पहला मैच अटलांटा ब्लैककैप्स के खिलाफ 22 नवंबर को खेलेगी।

22 नवंबर से शुरू रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मैच कैरोलिना ईगल्स और कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच खेला जाना है, जबकि इसी दिन दूसरा मैच मैरीलैंड मेवरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स के बीच देखने को मिलेगा।

मैरीलैंड मेवरिक्स ने पुणे में जन्मे 30 वर्षीय शुभम रंजने को अपनी टीम की कमान सौंपी है। इस बारे में शुभम ने कहा, किसी भी टीम का नेतृत्व करना हमेशा ही बड़ी बात होती है और यह मेरे लिए भी गर्व का विषय है। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के एक समूह का नेतृत्व करना, खेलों के लिए रणनीति बनाना और अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसके लिए पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

34 टी20 खेल चुके शुभम ने आगे कहा, टीम का नेतृत्व करना अपने आप में बड़ी बात है, ऐसे में खुद की प्रतिभा को दिखाने के साथ ही बाकी साथियों का शत प्रतिशत निकालना और टीम को सफल बनाना भी आपकी ही जिम्मेदारी होती है। फिलहाल टीम पूरी तरह से तैयार है और हमारी निगाह सिर्फ ट्रॉफी पर है।

उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से वैश्विक स्तर पर यूएसपीएल की लोकप्रियता बढ़ रही है उसमें प्रशंसकों और आयोजकों का बहुत बड़ा योगदान है।

मैरीलैंड मावेरिक्स अपना दूसरा मुकाबला 23 नवंबर को कैरोलिना ईगल्स के खिलाफ खेलेगी। लीग के प्रत्येक दिन ट्रिपल-हेडर मुकाबले होंगे, जिससे प्रशंसकों को सिर्फ सेमीफाइनल और फाइनल ही नहीं, बल्कि रोजाना एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। दोनों सेमी-फाइनल मुकाबले 29 नवंबर को निर्धारित हैं, जबकि फाइनल मुकाबला 1 दिसंबर को खेला जाना है।

मैरीलैंड मेवरिक्स की टीम-

नोस्टुश केनजिगे, ड्वेन स्मिथ, नील ब्रूम, नितीश कुमार, रयान स्कॉट, केविन स्टाउट, रुशिल उगरकर, भास्कर यादराम, साद बिन जाफर, साई तेजा मुकामल्ला, शुभम रंजने, एहसान आदिल, फणी तेजा सिम्हाद्री, सुजीत नायक, श्रेयस मोव्वा।

न्यूज़ ब्रीफ

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित की, आमिर अली होंगे कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। पिछले साल भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल, इस आयोजन में महाद्वीप की 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारत, चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड तथा पूल बी में बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान होंगे। हालांकि भारत मेजबान होने के कारण एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में टीम सुल्तान जोहोर कप में हाल ही में मिली सफलता की लय को जारी रखने की कोशिश करेगी, जहां टीम तीसरे स्थान पर रही थी। इंडिया कोल्ट्स की टीम का नेतृत्व आमिर अली करेंगे और उप कप्तान रोहित होंगे। मुख्य कोच और भारत के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, सुल्तान जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहली बार का अनुभव था, फिर भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शानदार जज्बा दिखाया और मैं उनके प्रदर्शन से काफी खुश हूं। टीम उस प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी और जूनियर एशिया कप में सफल प्रदर्शन की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, खिलाड़ी बेंगलुरु के साई में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत कर रहे हैं और हमने डिफेंस में अधिक प्रभावी होने और गोल करने में कुशल होने के लिए अपने खेल में कुछ बदलाव किए हैं।

जीएलडीएफ परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत, विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सहयोग से, नई दिल्ली में 19 से 22 नवंबर, 2024 तक ग्लोबल लर्निंग एंड डेवलपमेंट फ्रेमवर्क (जीएलडीएफ) परिणाम प्रबंधन प्रशिक्षण की मेजबानी करेगा। चार दिवसीय प्रशिक्षण में मालदीव, म्यांमार, नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, उज्बेकिस्तान, वियतनाम, फिलीपींस, ब्रुनेई, किर्गिस्तान और लाओस सहित 10 से अधिक देशों के एंटी-डोपिंग पेशेवर और विशेषज्ञ भाग लेंगे, साथ ही वाडा, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। जीएलडीएफ प्रशिक्षण, वाडा के क्षमता निर्माण ढांचे के तहत एक आवश्यक पहल है। इसे विभिन्न कार्यक्रम क्षेत्रों में एंटी-डोपिंग चिकित्सकों की तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, यह विशेष रूप से परिणाम प्रबंधन पर केंद्रित है।

पश्चिम बंगाल ने जीती चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग टीम चैम्पियनशिप

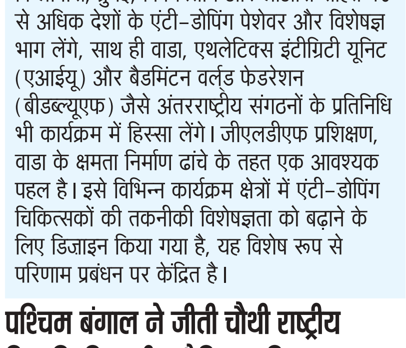

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के तैराकों ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। पश्चिम बंगाल स्विमिंग पूल पर राज करते हुए कुल 151 पदक जीते, जिसमें 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। उपविजेता कर्नाटक ने कुल 50 पदक जीते। इनमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक हैं। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने 13 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य) जीतकर 5वां स्थान प्राप्त किया। मणिपुर को 8 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) के साथ छठा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया।

अबू धाबी टी10 : बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करेंगे शाकिब, डेक्कन ग्लेडिएटर्स के कप्तान होंगे पूरन

अबू धाबी टी10 के आठवें संस्करण के लिए दस टीमों के कप्तान और कोच घोषित

अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से होगा शुरू

अबू धाबी, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

अबू धाबी टी10 का आठवां संस्करण 21 नवंबर से शुरु हो रहा है। इस साल लीग में भाग लेने वाली दस टीमों के कप्तानों और मुख्य कोचों के नाम अब सामने आ गए हैं।

बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन दो साल पहले भी इसी भूमिका में खेलने के बाद एक बार फिर बांग्ला टाइगर्स की अगुआई करने के लिए तैयार हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान यूनिस खान लगातार तीसरे साल भी टाइगर्स के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल जारी रखेंगे।

डेक्कन ग्लेडिएटर्स में एक बार फिर शामिल होने वाले निकोलस पूरन लगातार तीसरी बार टीम की कप्तानी करेंगे। उनकी कप्तानी में ही ग्लेडिएटर्स ने 2022 में अपना दूसरा खिताब जीता था और 2023 के संस्करण में भी फाइनलिस्ट बने थे। कोचिंग नेतृत्व में कोई बदलाव न करते हुए ग्लेडिएटर्स ने मुश्ताक अहमद को अपना मुख्य कोच बनाए रखने का फैसला किया है।

दिल्ली बुल्स की कमान वेस्टइंडीज के टी20 कप्तान रोवमैन पॉवेल को सौंपी गई है, जिन्होंने 2022 में नॉर्दर्न वॉरियर्स की भी कमान संभाली थी। एंडी फ्लावर क्रिस सिल्वरवुड की जगह लेंगे और तीन साल बाद मुख्य कोच के पद पर लौटेंगे।

दो बार की चैंपियन नॉर्दर्न वॉरियर्स को भी अपने नेतृत्व में बदलाव का सामना करना पड़ेगा क्योंकि न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट एंजेलो मैथ्यूज की जगह लेंगे। कोचिंग के मोर्चे पर, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेव व्हाटमोर वॉरियर्स के मुख्य कोच के रूप में शामिल होंगे।

इंग्लिश क्रिकेटर फिल साल्ट इस सीजन में टीम अबू धाबी के कप्तान के रूप में ड्वेन प्रीटोरियस की जगह लेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर मार्क बाउचर मुख्य कोच के रूप में टीम में शामिल होंगे।

मॉरिसविले सैम्प आर्मी का नेतृत्व पाकिस्तान के रोहन मुस्तफा करेंगे, जबकि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर लांस क्लूजनर को इस सीजन में मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई है।

गत चैंपियन न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने अपने सफल कोचिंग-कप्तान जोड़ी में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। इसलिए, कीरोन पोलार्ड और कार्ल क्रो, जो 2022 में अपनी स्थापना के बाद से स्ट्राइकर्स के साथ जुड़े हुए हैं, तीसरी बार टीम का नेतृत्व और प्रशिक्षण जारी रखेंगे। पूर्व श्रीलंकाई सीमित ओवरों के कप्तान थिसारा परेरा लीग के सीज़न 8 के लिए चेन्नई ब्रेव्स जगुआर के कप्तान के रूप में चरित असलांका की जगह लेंगे, जबकि पूर्व श्रीलंकाई तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने इस साल टीम को कोच करने के लिए डगलस ब्राउन की जगह ली है। इस साल अबू धाबी टी10 में पदार्पण करने वाली यूपी नवाब की कमान अफगानिस्तान के स्टार रहमानुल्लाह गुरबाज संभालेंगे। टीम के मुख्य कोच की भूमिका इस साल पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर ओवैस शाह ने संभाली है।

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टूर्नामेंट में अपने डेब्यू के दौरान अजमान बोल्ट्स के लिए कप्तान की भूमिका निभाएंगे, जबकि प्रसिद्ध क्रिकेट कोच ओटिस गिब्सन कोचिंग की भूमिका निभाएंगे।

लीग के आठवें संस्करण में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी शामिल हैं और रोस्टर में दो नई टीमें शामिल हैं, इस साल टूर्नामेंट वाकई कुछ रोमांचक क्रिकेट के साथ प्रशंसकों को आश्चर्यचकित करने वाला है। टूर्नामेंट की शुरुआत टीम अबू धाबी और हाल ही में शामिल अजमान बोल्ट्स के बीच मुकाबले से होगी, जबकि गत चैंपियन न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स एक दिन बाद मॉरिसविले सैम्प आर्मी के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेंगे।

टी10 टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लीग चरण के बाद अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई करेंगी। प्लेऑफ़ चरण 1 दिसंबर को शुरू होगा, जिसमें क्वालीफ़ायर और दो एलिमिनेटर एक ही दिन होंगे। दस टीमों के बीच 12-दिवसीय टूर्नामेंट 2 दिसंबर को समाप्त होगा।

कोकीन का सेवन करने के कारण कीवी तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल पर लगा एक महीने का प्रतिबंध

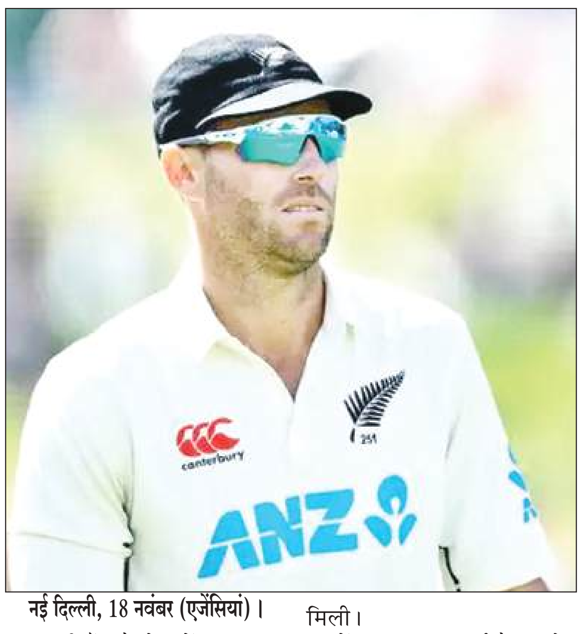

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डग ब्रेसवेल को कोकीन का सेवन करने के कारण एक महीने के लिए क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया है। 34 वर्षीय ब्रेसवेल को इस साल जनवरी में सेंट्रल स्टैग्स और वेलिंगटन के बीच खेले गए टी20 मैच के बाद प्रतिबंधित पदार्थ के लिए पॉजिटिव पाया गया था। ब्रेसवेल ने गेंद से 21 रन देकर 2 विकेट चटकाने के साथ ही बल्ले से सिर्फ 11 गेंदों पर 30 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था।

स्पोर्ट्स इंटीग्रिटी कमीशन ते काहू रौनुई ने ब्रेसवेल पर प्रतिबंध लगाया। हालांकि, यह भी पाया गया कि कोकीन का सेवन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले किया गया था और इसलिए, उसे कम सजा मिली।

गेंदबाज द्वारा पदार्थ के उपयोग को संबोधित करने के लिए एक उपचार कार्यक्रम पूरा करने के बाद सजा जो शुरू में तीन महीने की थी, उसे घटाकर एक महीने कर दिया गया।

एक महीने का निलंबन अप्रैल 2024 तक वापस कर दिया गया और परिणामस्वरूप, गेंदबाज ने पहले ही अपना प्रतिबंध पूरा कर लिया है, जिससे उसे किसी भी समय क्रिकेट खेलना फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है।

ब्रेसवेल आखिरी बार न्यूजीलैंड के लिए मार्च 2023 में वेलिंगटन में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में खेले थे। उन्होंने खेल के तीनों प्रारूपों में देश के लिए 69 प्रदर्शन (28 टेस्ट, 21 वनडे, 20 टी20) खेले हैं।

महिला क्रिकेट : अन्वेष चटर्जी ने की शानदार गेंदबाजी, सुपर स्ट्रीकर ने जीता मैच

लखनऊ, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला क्रिकेट लीग मैच में स्काई को सुपर स्ट्रीकर ने पांच विकेट से हराकर बढ़त बना ली। इस मैच में सुपर स्ट्रीकर की कप्तान अन्वेष चटर्जी ने शानदार गेंदबाजी करती हुई मात्र 31 रन देकर चार विकेट झटकी। स्काई की पूरी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर से पहले 24वें में ही 66 रन बनाकर धाराशायी हो गयी। अपनी टीम में निधि सिंह ने सबसे अधिक 20 रन बनाया। वहीं सलामी बल्लेबाज तथीर फातिमा ने मात्र छह रन बनाये। वहीं शशि ने दो रन, अर्पिता सिंह ने छह रन, चांदनी शर्मा ने एक रन, आकंक्षा व सेजल ने दो-दो रन बनाये, जबकि रामा सिंह शून्य पर पवेलियन लौट गयीं। वहीं सुपर स्ट्रीकर की टीम ने पांच विकेट खोकर 23वें ओवर में ही 69 रन बना लिये और पांच विकेट से मैच को जीत लिया। अपेक्षा त्रिपाठी ने अपनी टीम में सर्वाधिक 18 रन बनाये। वहीं सलामी बल्लेबाज अप्रिता चौधरी ने 13 रन का योगदान दिया। खुशबू और प्रतिमा ने सात-सात रन बनाये।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 : जापान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार भारत

राजगीर, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारत और जापान के बीच रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मंच तैयार है। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और वे 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे।

भारत शानदार फॉर्म में है, 5 मैचों में 15 अंकों के शानदार रिकॉर्ड के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहा। उन्होंने 26 गोल किए हैं और केवल दो खाए हैं। इस बीच, जापान 5 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में चौथे स्थान पर रहा, जिसने छह गोल किए और नौ खाए। उनका आखिरी मुकाबला, 17 नवंबर को भारत के खिलाफ था, जिसे भारतीय टीम ने 3-0 से जीता।

भारतीय कप्तान सलीमा ने सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम के मूड के बारे में बताते हुए कहा, जैसे ही हम बस से उतरते हैं, नेहा सभी को नाचने पर मजबूर कर देती है, और इससे माहौल पूरी तरह बदल जाता है। हम सभी उसके नेतृत्व का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं, भले ही हम उसके करीब न हों, लेकिन यह साधारण कार्य पूरी टीम को उत्साहित करता है। हम मुस्कुराते हुए

मैदान पर उतरते हैं, और परिणाम खुद ही सब कुछ बयां कर देते हैं। जापान एक मजबूत टीम है, और ग्रुप चरण में हमने उनके खिलाफ एक कठिन मैच खेला था, लेकिन हमें अपनी तैयारी और अपने साथियों पर भरोसा है। हम सेमीफाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

मेजबान टीम ने टूर्नामेंट में अब तक सभी सिलेंडरों पर फायर किया है, जिसकी अगुआई दीपिका कर रही हैं, जिन्होंने अब तक पांच मैचों में 10 गोल किए हैं। संगीता कुमारी भी फॉरवर्ड लाइन में सक्रिय रही हैं, जिन्होंने चार गोल किए हैं।

जापान अपने मजबूत डिफेंसिव संगठन के लिए जाना जाता है, जिसने अपने पिछले मुकाबले में भारत को आधे समय तक चुनौती दी थी। और मियू हसेगावा दो गोल के साथ जापान की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं।

मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, पूल मैच अलग तरह के होते हैं और सेमी-फ़ाइनल भी अलग तरह का होता है। सभी टीमें अपनी-अपनी योजनाएँ लेकर आती हैं और हमें जापान से कुछ प्रतिरोध का सामना ज़रूर करना पड़ेगा; वे एक मज़बूत टीम हैं। लेकिन हमें अपना होमवर्क करना होगा, हमें यह पता लगाना होगा कि हम कहाँ ज़्यादा मौके बना सकते हैं। अपने खेल पर ध्यान देना और जिस तरह से हम खेलना चाहते हैं, उस तरह से खेलना ज़्यादा ज़रूरी है। यह सब खेल की एक नई शैली बनाने और ओलंपिक और विश्व कप के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अपने निर्णय लेने में सुधार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। अब तक, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हमें उम्मीद है कि कल भी यही गति जारी रहेगी।

इस प्रतियोगिता का विजेता फाइनल में पहुंचेगा, जहां उसका सामना 20 नवंबर को चीन और मलेशिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

आईओए के सहयोग से ऐतिहासिक खो-खो विश्व कप की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत 13 से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के प्रतिष्ठित आईजीआई स्टेडियम में पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो पारंपरिक खेलों की दुनिया में एक ऐतिहासिक क्षण है। टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने आधिकारिक तौर पर भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की है, और इस आयोजन के लिए अटूट समर्थन का वादा किया है।

केकेएफआई अध्यक्ष सुधांशु मित्तल को दिए गए एक बयान में, आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने खो-खो जैसे स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के लिए एसोसिएशन की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। आईओए ने टूर्नामेंट की दृश्यता बढ़ाने, अधिकतम पहुंच और सफलता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक समर्थन प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है।

आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने कहा, हम अपनी सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने में इस आयोजन के महत्व को पहचानते हैं, और हम टूर्नामेंट की सफलता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय खो-खो महासंघ के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य इस आयोजन को यादगार और प्रभावशाली बनाना है, प्रतिभागियों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करना और दुनिया भर में खो-खो के लिए गहरी प्रशंसा को बढ़ावा देना है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने आईओए के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और टूर्नामेंट में इस साझेदारी से मिली जबरदस्त बढ़त को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, अध्यक्ष पीटी उषा के नेतृत्व में आईओए का समर्थन खो-खो के लिए एक बड़ा बदलाव है। यह सहयोग खो-खो को वैश्विक मानचित्र पर लाने में महत्वपूर्ण है, और हम पहली बार खो-खो विश्व कप की मेजबानी करने के लिए रोमांचित हैं, जो इस खेल के लिए वास्तव में एक ऐतिहासिक आयोजन है।

खो-खो विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी, जिसमें छह महाद्वीपों के 25 शानदार देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। मेजबान भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका सहित एशिया की टीमें अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका और ओशिनिया के प्रतियोगियों के साथ मुकाबला करेंगी। घाना, केन्या, इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश प्रतिभागियों में शामिल होंगे, जो खो-खो की बढ़ती वैश्विक अपील को उजागर करते हैं।

यह बहु-राष्ट्रीय, उच्च-ऊर्जा टूर्नामेंट खो खो को नई ऊंचाइयों पर ले जाने, उत्साह पैदा करने और खेल में दुनिया भर में रुचि जगाने के लिए तैयार है। आईओए के समर्थन के साथ, विश्व कप खेल के इतिहास में एक निर्णायक क्षण बनने के लिए तैयार है, जो एथलीटों और प्रशंसकों को खो खो को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। आने वाले वर्षों में, इस खेल को न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर में और भी अधिक लोकप्रियता मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना चांदी में मामूली तेजी का रुख

नई दिल्ली, 18 नवंबर (एजेंसियां)।

एक दिन की मामूली तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया है। चांदी के भाव में आज मामूली तेजी नजर आ रही है। आज सोना 110 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये से लेकर 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,500 रुपये से लेकर 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 89,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

सर्दी के मौसम में मांग बढ़ने से बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। देश में सर्दी के मौसम में सॉफ्ट आयल की मांग बढ़ने से देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती दिखी। बाजार सूत्रों के मुताबिक सरकार ने खाद्यतेलों के आयात शुल्क में वृद्धि की है, जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दाम मजबूत हो गए हैं। इस बढ़ती मांग के परिणामस्वरुप सरसों की आवक कम हो रही है। हरियाणा में सहकारी संस्थाओं ने ज्यादातर सरसों की खरीद कर ली है, लेकिन इससे आवक में अभी भी कमी है। सूत्रों का कहना है कि सरसों की संभलकर बिक्री की जानी चाहिये ताकि खाद्यतेल बाजार में सभी चीजों का उपलब्धता बना रहे। विदेशों में भी खाद्य तेलों के निर्माण में बढ़ोतरी की वजह से खाद्य तेलों की मांग बढ़ी है। सोयाबीन तेल के भी दाम में सुधार देखा गया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 85 रुपये के सुधार के साथ 6,700-6,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 25 रुपये की तेजी के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 2,310-2,410 रुपये और 2,310-2,435 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। डीओसी की स्थानीय मांग के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,360 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम भी क्रमशः 125 रुपये, 175 रुपये और 75 रुपये बढ़कर क्रमशः 14,650 रुपये, 14,400 रुपये और 10,675 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले सुधार का रुख दिखा। मूंगफली तिलहन का भाव जहां 275 रुपये के सुधार के साथ 6,725-7,000 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 425 रुपये की तेजी के साथ 15,675 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 70 रुपये की तेजी दर्शाता 2,370-2,670 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

आदित्य बिड़ला ग्रुप ने निवेश विनिर्माण क्षमता बढ़ाने 20 अरब डॉलर का किया निवेश

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने अपनी एक बड़ी घोषणा की है, जिसमें 20 अरब डालर का भारी निवेश किया गया है ताकि वह विभिन्न सेक्टर्स में टॉप 2 कंपनियों में से एक बन सके। यह निवेश विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया गया है। ग्रुप की योजना है कि अगले दशक में अपनी सीमेंट उत्पादन क्षमता को 20 करोड़ टन तक बढ़ाएगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पिछले 36 वर्षों में 10 करोड़ टन की क्षमता विकसित की है और अब उसे और बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदित्य बिड़ला ग्रुप का व्यवसाय स्केल और दीर्घकालिक विकास पर आधारित है और वे हर व्यवसाय में नंबर एक या दो बनने की चाहत रखते हैं। उन्होंने अपने व्यवसाय के लंबे समय की दृष्टि से इस निवेश के महत्व को बताया।

बोइंग कंपनी अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली। एयरोस्पेस कंपनी बोइंग आगामी वर्ष में 8 अरब डॉलर का घाटा होने के चलते अपने कर्मचारियों में 10 फीसदी की कटौती कर सकती है, कटौती की घोषणा कंपनी ने हाल ही में की है। इसके परिणामस्वरूप करीब 17000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देने का फैसला किया गया है। यह फैसला मानव संसाधन में सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। कंपनी की यह कदम बढ़ती लागत को कम करने और वित्तीय स्थिति में सुधार करने की कोशिश का हिस्सा है। इसके अलावा बोइंग ने 2027 से 767 और 777एक्स विमानों के उत्पादन में रुकावट की घोषणा की है। यह डिसेशन बोइंग के उद्योग में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल को बनाए रखने के लिए किया गया है। हालांकि कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस कदम को केवल अनिवार्य परिस्थितियों में लिया है और वह परियोजनाओं पर काम जारी रखने की कोशिश कर रही है। कर्मचारियों के संगठनों ने इस कदम की मुख्यता और स्थिति पर प्रभाव का खेमंय रखा है। कंपनी उम्मीद कर रही है कि उनके कठिन फैसलों से लागत को कम करने और वर्कफोर्स को संतुलित करने में मदद मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

माफियागीरी के...

यह विवाद 1902 से जुड़ा हुआ है, जब त्रावणकोर के शाही परिवार ने इस जमीन को एक प्रमुख व्यापारी अब्दुल सत्तार मूसा सैट को लीज पर दिया था। 1950 में मूसा सैट के दामाद मोहम्मद सिद्दीक सैट ने इस जमीन को वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज कर दिया और इसका प्रबंधन कोझिकोड के फारूक कॉलेज की प्रबंध समिति के अध्यक्ष को सौंपा। फारूक कॉलेज ने 1960 के दशक में जमीन पर बसे लोगों को हटाने की कोशिशें शुरू की, जिससे कानूनी लड़ाई छिड़ गई। अंततः कॉलेज प्रबंधन ने लोगों के साथ कोर्ट से बाहर समझौता करने का फैसला किया और बाजार मूल्य पर उन्हें जमीन के टुकड़े बेच दिए। उसके बाद बाकायदा जमीन का स्वामित्व ग्रामीणों के पास चला गय।यह मामला अब एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। भाजपा नेताओं खासकर केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने वक्फ बोर्ड पर ज़्यादा हस्तक्षेप का आरोप लगाया। एक चुनावी रैली में गोपी ने वक्फ के दावों को बर्बर करार दिया और इसे कानूनी उपायों से रोकने का वादा किया। उन्होंने कहा, इस बर्बरता को भारत में रोका जाएगा। सच्चे संविधान को बनाए रखने के लिए यह विधेयक संसद में पारित होगा। भाजपा नेता बी गोपालकृष्णन ने कहा कि सबरीमाला और वेलंकन्नी जैसे धार्मिक स्थलों को भविष्य में इसी तरह के दावों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा का समर्थन करने का आग्रह किया ताकि ऐसे परिणामों को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि वे मुनम्बम के लंबे समय से रह रहे लोगों के साथ खड़े हैं। मुस्लिम नेताओं जैसे समसथा समूह के सदस्यों ने वक्फ बोर्ड की तरफदारी की। ओएम थरुवाना ने निवासियों के लिए न्याय और वक्फ भूमि की बिक्री में शामिल लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की।कुछ समय पहले गुजरात वक्फ बोर्ड ने सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की इमारत पर दावा किया था, क्योंकि दस्तावेज अपडेट नहीं किए गए थे। वक्फ के अनुसार, मुगल काल के दौरान यह इमारत एक सराय थी और हज यात्राओं के लिए उपयोग होती थी। ब्रिटिश शासन के दौरान यह सम्पत्ति ब्रिटिश साम्राज्य की हो गई और आजादी के बाद यह भारत सरकार के अधीन आ गई। दस्तावेजों के अद्यतन न होने के कारण, वक्फ बोर्ड ने दावा किया कि यह सम्पत्ति अब उनकी है।

एक और रोचक मामला गुजरात के द्वारका का है, जहां वक्फ बोर्ड ने देवभूमि द्वारका के बेत द्वारका के दो द्वीपों पर दावा करने के लिए गुजरात उच्च न्यायालय में अर्जी दी थी। अदालत के जज ने यह दावा सुनने से मना कर दिया और वक्फ बोर्ड को अपनी अर्जी में बदलाव के लिए कहा। कोर्ट ने बोर्ड से पूछा कि वक्फ कैसे कृष्ण नगरी की जमीन पर दावा कर सकता है। वहीं, केरल में एक गांव के कई घरों पर भी वक्फ बोर्ड ने दावा ठोक दिया है।वक्फ सम्पत्तियों के संदर्भ में एक और दिलचस्प पहलू यह है कि आपकी हाउसिंग सोसाइटी का कोई फ्लैट मालिक अपनी सम्पत्ति को वक्फ के रूप में दर्ज करा सकता है और वहां मस्जिद बनवा सकता है, बिना अन्य सदस्यों की सहमति के। ऐसा ही मामला सूरत की शिव शक्ति सोसाइटी में हुआ था, जहां एक प्लॉट मालिक ने अपने प्लॉट को गुजरात वक्फ बोर्ड में दर्ज करा दिया और वहां नमाज पढ़नी शुरू कर दी गई। ऐसे में इस तरह का मामला आपकी सोसायटी में भी आ सकता है।

केरल में आम...

इस नोटिस से जमीन मालिकों में गहरी नाराजगी है और उनमें असमंजस की स्थिति भी है। इन लोगों ने अपना वैध स्वामित्व प्रमाणित करने के लिए दशकों पुरानी कानूनी दस्तावेजों और निर्बाध कब्जे का हवाला दिया। इस मामले में हिंदू और मुस्लिम दोनों परिवारों ने अपनी परेशानी जाहिर की। उनका मानना है कि यह उनके भूमि अधिकारों पर अवैध दखल का प्रयास है।नोटिस पाने वालों में तुषारा अजीत कुमार नाम की महिला भी हैं। उनका कहना है कि उनके परिवार ने 1949 से यह जमीन संभाली हुई है। उनके ससुर हवलदार कुंजरमन ने 1940 के दशक में एक ईसाई परिवार से यह जमीन खरीदी थी और उन्होंने इस जमीन के लिए सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए थे। कुंजरमन ने पूरी प्रक्रिया के दौरान दस्तावेजों को अच्छी तरह से संभाला, जिसमें 1949 से लेकर 1960 के दशक के अंत तक के रिकॉर्ड शामिल हैं।

इस जमीन को बाद में उनके छह बच्चों में बांटा गया, जिसमें तुषारा के पति अजीत कुमार भी शामिल हैं। तुषारा ने हाल ही में इस जमीन का एक हिस्सा बेचने की कोशिश की थी, और उन्हें लगता है कि इसी वजह से यह विवाद खड़ा हुआ। तीन सदस्यों वाली थलापुझा हयातुल इस्लाम जमात मस्जिद समिति ने इस बिक्री पर आपत्ति जताई और दावा किया कि यह जमीन वक्फ बोर्ड की है। तुषारा का मानना है कि मस्जिद समिति के इन सदस्यों ने ही मामले को वक्फ बोर्ड तक पहुंचाया। गृहिणी के तौर पर घर संभालने वाली तुषारा ने कहा कि वो इस दावे के खिलाफ मजबूती से खड़ी रहेंगी। उनका कहना था कि यह जमीन तभी ली जा सकती है जब वह जीवित न रहें। उनके बेटे जितुल ने वक्फ अधिनियम और उसके संशोधनों का अध्ययन करना शुरू कर दिया है और परिवार एक वकील के साथ मिलकर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है।इस नोटिस ने केवल गैर-मुस्लिम परिवारों को ही नहीं, बल्कि मुस्लिम परिवारों को भी हैरान कर दिया। 70 वर्षीय हम्सा फैज़ी भी उन्हीं में से एक हैं, जिन्हें नोटिस मिला। हम्सा फैज़ी ने बताया कि उन्होंने 1998 में यह जमीन 50,000 रुपए प्रति सेंट की दर से खरीदी थी और तब से सभी आवश्यक दस्तावेज और टैक्स रिकॉर्ड संभालते आ रहे हैं। यह जमीन पहले सुकीमारन और कृष्णनकुट्टी से खरीदी गई थी, जो कुनहुट्टी अलक्कंडी के बच्चे थे। नोटिस पाने वालों में 70 साल के हमजा फैज़ी कई सालों तक जमात समिति का पद संभाल चुके हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास जमीन के सभी वैध दस्तावेज हैं, फिर भी मुझे नोटिस भेजा गया। फैज़ी का घर साल 1987 में किसी अन्य व्यक्ति ने बनवाया था, जिसे उन्होंने खरीद लिया था। वो दशकों से उसी घर में रह रहे हैं। हालांकि, स्थानीय नेताओं से उन्हें समर्थन की उम्मीद है, लेकिन उन्हें अपनी जमीन के भविष्य को लेकर चिंता है।जमाल के पास 15 सेंट की जमीन है, ने इसे एक चौंकाने वाला अनुभव बताया। वे पिछले 14 साल से इस सम्पत्ति पर रह रहे हैं और उसी जगह पर अपनी दुकान चला रहे हैं। उनके पास भी जमीन के सभी वैध रिकॉर्ड और टैक्स रसीदें हैं। उन्होंने बताया कि कुछ परिवारों के पास केवल 9 सेंट की जमीन है, जो यह दर्शाता है कि यह सम्पत्ति छोटे-छोटे हिस्सों में अलग-अलग मालिकों के पास बंटी हुई है। इस विवादित जमीन पर सात घर और दस दुकानें हैं, जो थलापुझा पुलिस स्टेशन के पास सड़क किनारे स्थित हैं। निवासियों को चिंता है कि वक्फ बोर्ड के दावे उनके जीवन और रोजगार को बुरी तरह से प्रभावित कर सकते हैं।तलापुझा के जमीन मालिक अपने स्वामित्व की वैधता पर जोर देते हैं। उनका कहना है कि उनके पास अपने दावे को साबित करने के लिए दशकों पुरानी दस्तावेज़ी प्रमाण हैं। थविनहाल पंचायत के रिकॉर्ड बताते हैं कि विवादित जमीन पर कम से कम एक इमारत का दस्तावेज 1948 तक का है। अधिकांश निवासियों के पास 1963 में मस्जिद समिति द्वारा उद्धृत किए गए दस्तावेज से पहले के टाइटल डीड हैं। इनमें से कई लोग दूसरे या तीसरे पीढ़ी के मालिक हैं, जिन्होंने नियमित रूप से जमीन का टैक्स चुकाया है और सम्पत्ति रिकॉर्ड में किसी भी वक्फ के दावे का कोई उल्लेख नहीं किया गया था।

हालांकि अब तक केवल पांच परिवारों को नोटिस मिला है, लेकिन लगभग 50 अन्य परिवार जिनके पास इस 4.7 एकड़ विवादित क्षेत्र में छोटे-छोटे जमीन के टुकड़े हैं, वो भी आशंकित हैं कि उन्हें भी जल्द ही ऐसे नोटिस मिल सकते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अगर वक्फ बोर्ड का यह दावा मान्य हो जाता है, तो इसका असर पूरे गांव पर पड़ेगा और लोग अपने घरों और रोजगार को खो सकते हैं।इस विवाद ने स्थानीय नेताओं का भी ध्यान खींचा है। एनडीए उम्मीदवार नव्या हरिदास ने तलापुझा का दौरा कर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उन्हें समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने वक्फ बोर्ड को चेतावनी दी कि वह निजी सम्पत्ति को हड़पने नहीं देंगे। भाजपा ने आरोप लगाया कि वक्फ बोर्ड, वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों से पहले जल्दबाजी में जमीन पर दावे कर रहा है। इस बीच, स्थानीय समुदाय ने एक एक्शन काउंसिल बनाई और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन तथा मंत्री ओआर केलू को ज्ञापन सौंपा। निवासियों ने सरकार से अपने भूमि अधिकारों की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।

इस बार संसद...

बसपा प्रमुख मायावती ने इसका समर्थन किया है।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद सत्र में एक और अहम बिल वक्फ संशोधन अधिनियम-2024 भी पेश किया जाएगा। पिछले सदन के दौरान भी उन्होंने ही इस बिल को संसद के पटल पर रखा था। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि जिस प्रकार से वक्फ बोर्ड देश में सम्पत्तियों पर मनमाना अधिकार जमाता जा रहा है, उससे वक्फ बोर्ड की असीमित शक्तियों पर लगाम लगाना आवश्यक हो गया है।वक्फ संशोधन अधिनियम-2024 वक्फ बोर्डों की पारदर्शिता और जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए है। इस विधेयक पर राजनीतिक दलों के बीच रस्साकशी जारी है। विधेयक में वक्फ की ओर से सम्पत्ति के दावों की जांच करने और बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने की अनिवार्यता पर जोर दिया गया है। इसका मकसद वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाने के साथ महिलाओं को इन बोर्ड में शामिल करना है। सरकार के अनुसार मुस्लिम समुदाय के भीतर से उठ रही मांगों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। हाल ही में कैबिनेट की ओर से समीक्षा किए गए इस विधेयक का उद्देश्य मौजूदा वक्फ अधिनियम के कई खंडों को रद्द करना है। ये रद्दीकरण मुख्य रूप से वक्फ बोर्डों के मनमाने अधिकार को कम करने के उद्देश्य से हैं, जो वर्तमान में उन्हें अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी सम्पत्ति को वक्फ सम्पत्ति के रूप में दावा करने की अनुमति देता है।यह बिल मौजूदा वक्फ कानून में लगभग 40 बदलावों का प्रस्ताव रखता है। इसके तहत वक्फ बोर्डों को सभी सम्पत्ति दावों के लिए अनिवार्य सत्यापन से गुजरना होगा, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्डों की संरचना और कामकाज को बदलने के लिए धारा 9 और 14 में संशोधन करना है, जिसमें महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को शामिल किया गया है। इसके अलावा, विवादों को निपटाने के लिए वक्फ बोर्डों द्वारा दावा की गई सम्पत्तियों का नया सत्यापन किया जाएगा और दुरुपयोग को रोकने के लिए, जिला मजिस्ट्रेट वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी में शामिल हो सकते हैं। यह कानून वक्फ बोर्डों की मनमानी शक्तियों को लेकर व्यापक चिंताओं के कारण लाया जा रहा है।

उपद्रवियों को...

इससे पहले सितंबर के दौरान मणिपुर में जातीय संघर्ष के मद्देनजर, केंद्र सरकार ने सीआरपीएफ की दो नई बटालियनों की तैनाती का निर्देश दिया था। 2,000 से अधिक सीआरपीएफ जवानों को विभिन्न इलाकों में तैनात किया गया। एक बटालियन, वारंगल से और दूसरी लातेहार से रवाना की गई थी। मणिपुर में सीआरपीएफ जवानों को ड्रोन गन प्रदान की गई हैं। इसकी मदद से ड्रोन या मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) को जाम किया जा सकता है। मणिपुर में कुछ माह पहले घुसपैठियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया था। भारत-म्यांमार के बीच 1610 किमी लंबे बॉर्डर को सील करने के मकसद से हैवी फेंसिंग लगाने का काम शुरु किया गया है। इससे घुसपैठ रोकने में मदद मिलेगी।पहले चरण में मोरेह के ऊपर लगभग 10 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाने के अलावा एक अन्य स्थान पर 21 किलोमीटर की सीमा पर, बाड़ लगाने का काम प्रारंभ हो चुका है। सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने लगभग 31 हजार करोड़ रुपए की लागत से भारत-म्यांमार के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा सड़कों के निर्माण के काम को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। भारत सरकार ने भारत और म्यांमार सीमा पर मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को समाप्त कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू लगाए जाने के बीच, मणिपुर सरकार, सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग ने इन जिलों में राज्य विश्वविद्यालयों समेत संस्थानों, कॉलेजों को मंगलवार तक बंद करने की घोषणा की है। यह निर्णय मणिपुर सरकार के गृह विभाग के परामर्श से लिया गया है। मणिपुर में जारी हिंसा के मद्देनजर मणिपुर पुलिस ने इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व दोनों जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है। छह शव मिलने के बाद कर्फ्यू लगाया गया। बढ़ती हिंसा के चलते राज्य सरकार ने सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी हैं। खास तौर पर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के आवास और राजभवन के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, प्रभावित इलाकों में वाहनों की आवाजाही सीमित देखी गई।सचिवालय उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है, कई जिलों में जिला मजिस्ट्रेट की तरफ से लगाए गए कर्फ्यू के मद्देनजर और छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह आदेश दिया जाता है कि मणिपुर सरकार के उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत सभी सरकारी संस्थान/सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज, जिनमें राज्य विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिन जिलों में कर्फ्यू लगाया गया है, वे 18 नवंबर से 19 नवंबर तक दो दिनों के लिए बंद रहेंगे।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस महीने के पहले दो हफ्तों में मणिपुर में हुई हालिया हिंसा से जुड़े तीन प्रमुख मामलों की जांच अपने हाथ में ले ली है, जिसके कारण जानमाल का नुकसान हुआ और सार्वजनिक व्यवस्था में व्यापक व्यवधान हुआ। एजेंसी ने गृह मंत्रालय (एमएचए) की तरफ से हाल ही में जारी निर्देश के बाद मणिपुर पुलिस से ये मामले अपने हाथ में ले लिए क्योंकि तीनों मामलों से जुड़ी हिंसक गतिविधियों के कारण पहाड़ी राज्य में घटनाएं बढ़ गई थीं, जिससे मौतें हुईं और महत्वपूर्ण सामाजिक अशांति हुई।पहला मामला 8 नवंबर, 2024 को जिरीबाम पुलिस स्टेशन में सशस्त्र उग्रवादियों की तरफ से जिरीबाम क्षेत्र में एक महिला की हत्या के संबंध में दर्ज किया गया था। इस बीच, दूसरा मामला 11 नवंबर, 2024 को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जो सशस्त्र उग्रवादियों की तरफ से जिरीबाम के जकुराधोर करोंग में मौजूद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) चौकी (ए-कंपनी, 20वीं बटालियन) पर हमले से जुड़ा था। तीसरा मामला 11 नवंबर, 2024 को बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था, जो बोरोबेकरा क्षेत्र में घरों को जलाने और नागरिकों की हत्या से जुड़ा था।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए सोमवार को भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। नए निर्देशों के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मणिपुर में हुई हिंसा से जुड़े तीन मामलों को अपने हाथ में ले लिया है। इन घटनाओं के कारण कई लोगों की जान गई और सार्वजनिक व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न हुआ। गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी आदेश के बाद एजेंसी ने मणिपुर पुलिस से ये मामले अपने हाथ में ले लिए हैं। तीनों मामलों में एनआईए ने एफआईआर भी दर्ज कर ली है।

राहुल...

240 हेक्टयर के विशाल क्षेत्र में फैली धारावी में लगभग 8 से 10 लाख निवासी हैं और 13,000 से अधिक छोटे व्यवसाय यहां पर चलते हैं। अब आप समझ सकते हैं राहुल गांधी की बौखलाहट की असली वजह।

धारावी मूल रूप से मछुवारों की बस्ती थी, जहां बाद में कुम्भार, चमडे का काम करने वाले, कढाई बुनाई करने वाले आकर रहने लगे और धीरे धीरे यह बस्ती बढ़ती चली गई। धारावी मुंबई के बीच स्थित एक घनी आबादी वाला शहरी इलाका है। कहा जाता है कि धारावी की आबादी ग्रीनलैंड और फिजी से अधिक है और इसमें सर्वाधिक मुस्लिम और उसके बाद अन्य धर्म के लोग रहते हैं। धारावी में पहले दाऊद इब्राहीम की चलती थी, आज भी उसी के गुर्गों की चलती है। धारावी माफियाओं और नेताओं के खजाने का स्रोत है। कहने के लिए यहां रीसाइकलिंग, चमड़े के उत्पाद और मिट्टी के बर्तन तथा कपड़े की कई लघु इकाइयां हैं। लेकिन असलियत में धारावी सारे जरायम धंधे का केंद्र है। अवैध हथियार, जाली नोट, हवाला ट्रेड, मानव तस्करी और वेश्यावृत्ति से लेकर चोरी, पॉकेटमारी तक के सारे धंधे धारावी में होते हैं। अब तो धारावी आतंकी गतिविधियों का भी बड़ा अड्डा बन चुका है। केंद्र सरकार की पुनर्विकास योजना से खास-खास लोगों में छटपटाहट इस वजह से है। खुफिया एजेंसियों की जाने कितनी रिपोर्टें गृह मंत्रालय के दराजों में दफ्न हैं, जिसमें यह बताया जडाता रहा है कि धारावी की झुग्गियों में सारे अपराध पलते हैं। यहां चोर, लुटेरे, हत्यारों के साथ भाड़े के अपराधी बहुतयात में मिलते हैं। यहां की अशिक्षा, गरीबी और मूलभूत सुविधाओं का अभाव सारे अपराध का मूल कारण है। मुंबई के धारावी को एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती कहा जाता है। यहां के जन-जीवन को कई बार हिंदी फिल्मों में दिखाया जा चुका है। कई बार धारावी को केंद्र में रखकर फिल्मों का निर्माण हुआ हैय़ ऑस्कर अवॉर्ड विनर फिल्म स्लमडॉग मिलियनेर इसका प्रमुख उदाहरण है। इसमें धारावी के रहने वाले दो बच्चों को केंद्र में रखकर कहानी बुनी गई है। धारावी में होने वाले अपराध और पुलिसिया कार्रवाई पर आधारित कहानी पर बनी एक नई वेब सीरीज धारावी बैंक चर्चा में है।

बंद पड़े हैं एक...

इससे बैंकों और वित्तीय संस्थानों के कर्ज की वसूली का न्यायाधिकरण का मुख्य काम ही प्रभावित हो रहा है। गौरतलब है कि देश में बैंक एंड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स एक्ट, 1993 के तहत कर्जदारों से कर्ज की वसूली के लिए ऋण वसूली न्यायाधिकरण की स्थापना की गई थी। याचिका के अनुसार, 30 सितंबर 2024 तक 11 डीआरटी बिना पीठासीन अधिकारी के काम कर रहे हैं, इससे उनके मामलों को निपटाने की क्षमता बुरी तरह प्रभावित है। इससे इन न्यायाधिकरणों के गठन का उद्देश्य ही पूरा नहीं हो रहा है।याचिका में मांग की गई है कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय को डीआरटी में पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति और उनके चयन के संबंध में पूरा रिकॉर्ड सुप्रीम कोर्ट में पेश किया जाए। साथ ही समय पर डीआरटी में नियुक्तियां की जाने की भी मांग की गई है ताकि इन न्यायाधिकरणों का काम सुचारू रूप से जारी रहे। साथ ही मांग की गई है कि जो न्यायाधिकरण संचालित नहीं हो रहे हैं, उनके कर्मचारियों को अन्य न्यायाधिकरणों में समायोजित किया जाए। याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी जवाब मांगा है।

आपा छोड़ने के...

मेरा राजनीति में आने का मकसद लोगों की सेवा करना है। लेकिन जिन मूल्यों के लिए आम आदमी पार्टी ज्वाइन की उनका पतन देखा तो मैं दंग रह गया।गहलोत ने कहा, ये सिर्फ मेरी बात नहीं है, हजारों आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता ऐसा सोच रहे हैं। आम आदमी अब कुछ खास आदमी बन चुके हैं। कोई सरकार अगर लगातार केंद्र सरकार से लड़ने में समय निकालेगी तो दिल्ली का विकास कैसे होगा? मेरा जितना समय मंत्री के रूप में निकला, मेरी पूरी कोशिश रही कि मैं बेहतर करूं। आज मैं भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा ताकि दिल्ली का विकास कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ कर सकूं। मैंने अपनी प्रैक्टिस छोड़कर काम शुरू किया और आगे भी करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि आप छोड़ना आसान नहीं था। आप में अब हालात ठीक नहीं है। आप में आत्मविश्वास टूट गया है। पीएम मोदी की नीतियों से प्रभावित हुआ हूं।कैलाश गहलोत ने रविवार को ही आपा की प्राथमिक सदस्यता और मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। कैलाश गहलोत ने 19 फरवरी 2015 को पहली बार दिल्ली सरकार में परिवहन मंत्री के रूप शपथ ली थी। उसके बाद वह लगातार तीन बाद मंत्री बनाए गए। इस्तीफा देने से पहले कैलाश गहलोत ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। केजरीवाल को लिखे पत्र में गहलोत ने कहा कि इस समय आम आदमी पार्टी गंभीर चुनौतियां से गुजर रही है। पार्टी में राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर हावी हो गई हैं, जिससे कई वादे अधूरे रह गए हैं जो पार्टी ने दिल्ली की जनता से किए थे। यमुना को साफ करने का सपना पूरा नहीं हो पाया। यमुना अब पहले से ज्यादा प्रदूषित हो गई। इसके अलावा शीशमहल (मुख्यमंत्री आवास) जैसे कई अजीबोगरीब विवाद सामने आए। इसने पार्टी की छवि खराब हुई। सवाल उठ रहे हैं कि लोग पार्टी पर विश्वास कर रहे हैं। पार्टी लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं।इसने दिल्ली के लोगों को बुनियादी सेवाएं देने की हमारी क्षमता कमजोर हुई। दिल्ली सरकार अपना अधिकांश समय केंद्र से लड़ने में बिताती है जिससे दिल्ली का वास्तविक विकास नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि राजनीतिक यात्रा दिल्ली के लोगों की सेवा करने के लिए शुरू की थी, इसे जारी रखना चाहता हूं। यही कारण है कि आप से अलग हो रहा हूं और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं।

शिवलिंग पर हल्दी सहित ये पांच चीजें करें अर्पित, घर में आएगी सुख समृद्धि

सनातन धर्म में मार्गशीर्ष अमावस्या का बहुत महत्व है। यह 1 दिसंबर 2024 दिन रविवार को पड़ रही है। इस दिन पितरों की पूजा और भगवान शिव की उपासना का महत्व बताया है। किसी व्यक्ति की कुंडली में पितृदोष है, तो इस दिन पितरों का तर्पण करने से शुभ परिणाम मिलते हैं।

धार्मिक मान्यता की मानें तो मार्गशीर्ष अमावस्या पर पितृगण अपने परिवार को सुख, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद देते हैं। इस दिन श्रद्धा के साथ भगवान शिव की उपासना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। इस खास दिन पर शिवलिंग पर कौन सी चीजें चढ़ाने से क्या लाभ मिलता है।

शहद चढ़ाएं

मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन शिवलिंग पर शहद चढ़ाने से भगवान शिव खुश होते हैं। ऐसे में आपको मनचाहा फल प्राप्त होता है। शहद अर्पित करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह उपाय विशेष रूप से पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए किया जाता है।

हल्दी चढ़ाएं

हल्दी का महत्व हिंदू धर्म में बहुत है। आपने जीवन में विफल हैं, तो शिवलिंग पर हल्दी चढ़ाएं। आपके सारे बिगड़े काम बनने लगेंगे। यह आपको ग्रह दोषों से मुक्ति देगा। यह उपाय उन लोगों को करना चाहिए, जो ग्रह की विपरीत स्थिति की वजह से परेशान हैं।

दूध चढ़ाएं

मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से चंद्रमा की स्थिति मजबूत हो जाती है, जिससे मानसिक परेशानियां व चिंताएं दूर हो जाती हैं। इस उपाय को करते वक्त ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप अवश्य करें।

दही चढ़ाएं

धन व समृद्धि की प्राप्ति के लिए शिवलिंग पर दही जरूर चढ़ाना चाहिए। इसको दांपत्य जीवन में सुख व संतान प्राप्ति के लिए भी कर सकते हैं। दही चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, जिससे जीवन में खुशियां और सुख-शांति आती है।

गन्ने का रस चढ़ाएं

शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्याएं दूर होती हैं, जिससे सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। घर में खुशियां आती हैं।

22 नवंबर को मासिक जन्माष्टमी मनाई जाएगी

हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण दिवस मनाया जाता है। वहीं, हर महीने कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। इस शुभ तिथि पर जगत के पालनहार भगवान कृष्ण और राधा रानी की पूजा की जाती है। धार्मिक मत है कि भगवान श्रीकृष्ण के शरणागत रहने वाले साधकों को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही मृत्यु उपरांत उच्च लोक की प्राप्ति होती है।

मासिक जन्माष्टमी शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 22 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 07 मिनट पर होगी। वहीं, अष्टमी तिथि का समापन 23 नवंबर को संध्याकाल 07 बजकर 56 मिनट पर होगा। मासिक जन्माष्टमी पर निशा काल में जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। अतः 22 नवंबर के दिन मासिक जन्माष्टमी मनाई जाएगी।

मासिक जन्माष्टमी शुभ योग

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर एक साथ कई मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इस योग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से साधक को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। साथ ही भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होगा। इस शुभ दिन सबसे पहले रवि योग का निर्माण हो रहा है। इसी समय दुर्लभ ब्रह्म योग का निर्माण हो रहा है। इस शुभ योग का संयोग सुबह 11 बजकर 34 मिनट तक है। इसके बाद इंद्र योग का संयोग है। ज्योतिष ब्रह्म और इंद्र योग को शुभ मानते हैं। इन योग में शुभ कार्य का श्रीगणेश कर सकते हैं।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 50 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 05 बजकर 25 मिनट पर

चंद्रोदय- रात 11 बजकर 41 मिनट पर

चंद्रास्त- देर रात 12 बजकर 35 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 02 मिनट से 05 बजकर 56 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 01 बजकर 53 मिनट से 02 बजकर 35 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 05 बजकर 22 मिनट से 05 बजकर 49 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात्रि 11 बजकर 41 मिनट से 12 बजकर 34 मिनट तक

कब और कैसे हुई वारुणी मदिरा की उत्पत्ति?

समुद्र मंथन की पौराणिक कथा

समुद्र मंथन के नौवें क्रम में वारुणी नाम की मदिरा निकली, जिसे दैत्यों ने सहर्ष ग्रहण कर लिया। जिसकी जो प्रकृति होती है, वह उसे रुचिकर होती है। देवता और दानव दोनों ही अमृत पान के समुद्देश्य से समुद्र मंथन कर रहे थे और जो भी वस्तुएं उसमें से निकल रही थीं, उसे परस्पर बांट ले रहे थे। संसार में स्वभावतः दो प्रवृत्तियां बलवती होती हैं- दैवी प्रवृत्ति और आसुरी प्रवृत्ति। ये दोनों ही प्राणियों की मनोदशा को दर्शाती हैं।

वारुणी एक प्रकार की मदिरा (मादक द्रव) है, जो जल की विकृति है। मादक पदार्थ चाहे जैसा भी हो, वह शरीर और समाज के लिए बहुत ही घातक होता है। भगवत्कृपामृत का यदि पान करना है, तो सबसे पहले मादक वस्तुओं का सेवन छोड़ना ही पड़ेगा। हमारा मन भी समुद्र के समान विशाल है, जिसमें भांति-भांति की लहरें उठती रहती हैं। जो कभी नकारात्मक और कभी सकारात्मक रूप से व्यक्ति को प्रभावित करती हैं।

मादकता किसी भी प्रकार की हो, वह व्यक्ति को आंखों के रहते हुए भी अंधा और बहरा बना देती है। जैसे- पदांध, धनांध और मदांध। जो लोक में उच्च पद पर प्रतिष्ठित होने के बाद भी स्वार्थ और अहंकार के वशीभूत होकर कर्तव्यबोध से च्युत होकर न्याय-अन्याय को महत्व नहीं देता है, उसे पदांध कहते हैं। जो धन-ऐश्वर्यादि को पाकर, दीन-हीन और धनहीन व्यक्ति के प्रति घृणित भाव रखता है, उन पर व्यंगात्मक वाग्बाणों का प्रहार करता है, वह धनांध है। जो बल-शक्ति आदि से संपन्न होकर, दूसरों को डराता-धमकाता या उनका शोषण करता है, उसे मदांध कहते हैं। दैत्यों में उपरोक्त कथित तीनों प्रकार का अंधापन था।

समुद्र मंथन में सर्वप्रथम हलाहल विष निकला और अंत में अमृत। मध्य में अनेकानेक वस्तुएं निकलीं, जो नश्वर जगत की चकाचौंध से प्रभावित थीं। जो मनुष्य संसार के नश्वर भोग पदार्थों में नहीं फंसता है, वही अंत में मोक्ष रूपी अमृतत्व का रसास्वादन कर पाता है, यह विवेक तभी संभव हो सकेगा, जब वह महापुरुषों की सेवा और उनका दुर्लभ सत्संग प्राप्त करेगा। समुद्र मंथन की कथा व्यक्ति को उसके जीवन के मूल समुद्देश्य का बोध कराकर, उसे भगवत्साक्षात्कार रूपी अमृत का मधुर पान कराती है। पृथ्वी पर मानव जीवन तभी सफल माना जाएगा, जब वह संसार के नश्वर भोग पदार्थों की मादकता से स्वयं को बचाकर, सत्कर्मों के द्वारा मोक्ष रूपी अमृतत्व का पान कर ले।

नवम पंचम योग से इन राशियों की बदलेगी फूटी किस्मत, आर्थिक तंगी हो जाएगी दूर

सनातन धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को अति प्रिय है। इस दिन हनुमान जी और ऊर्जा के कारक मंगल देव की पूजा की जाती है। हनुमान जी की पूजा करने से कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होता है। कुंडली में मंगल ग्रह मजबूत होने से जातक को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। इसके साथ ही कार्य में सफलता पाने हेतु आत्मबल प्राप्त होता है। ज्योतिषियों की मानें तो 19 नवंबर के दिन नवम पंचम योग का निर्माण हो रहा है। इस योग के निर्माण से 3 राशि के जातकों को शुभ फल की प्राप्ति होगी। इसके अलावा, सभी बिगड़े कार्य भी संवर जाएंगे।

मेष राशि

मेष राशि के स्वामी मंगल देव हैं और आराध्य हनुमान जी हैं। नवम पंचम योग से मेष राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। इस राशि के जातकों को कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। सभी बिगड़े काम बन जाएंगे। इस राशि में सूर्य देव उच्च के होते हैं। इसके लिए मेष राशि के जातकों पर सूर्य देव की भी कृपा बरसेगी। नवम पंचम योग से मेष राशि को दोगुना फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार में लाभ मिलेगा। धन लाभ के योग बनेंगे। रुके और अटके कार्य पूर्ण हो जाएंगे। रुका हुआ धन भी प्राप्त होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं और आराध्य भगवान विष्णु हैं। नवम पंचम योग से सिंह राशि के जातकों को भी लाभ होगा। इस राशि के जातक कारोबारी स्वभाव के होते हैं। इसके लिए सिंह राशि के जातक कारोबार में सफल होते हैं। सूर्य देव की कृपा से सिंह राशि के जातकों को मनमुताबिक सफलता मिलती है। निवेश से लाभ होगा। कारोबार का विस्तार होगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। नवीन ऊर्जा का संचार होगा। बिगड़े काम बनेंगे। घर पर मेहमानों का आगमन होगा।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए नवम पंचम योग भाग्यशाली साबित होगा। इस राशि में मंगल देव उच्च के होते हैं। इसके लिए हमेशा शुभ फल देते हैं। मंगल देव की कृपा से मकर राशि के जातकों को करियर और कारोबार में विशेष सफलता मिलेगी। इसके साथ ही धन संबंधी परेशानी भी दूर होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। निवेश करने की प्लानिंग कर सकते हैं। जीवन में सुखों का आगमन होगा। कई शुभ कार्य करने की प्लानिंग कर सकते हैं। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी। इस मुलाकात से नवीन मार्ग प्रशस्त होगा।

जल्द वक्री होने जा रहा है बुध, करियर में आएगा बड़ा बदलाव

बुध ग्रह 26 नवंबर 2024 की सुबह 07:39 बजे वृश्चिक राशि में वक्री हो जाएंगे। ज्योतिष में बुध ग्रह को बुद्धि, संवाद, व्यापार और रिश्तों का प्रतिनिधि माना जाता है। बुध का वक्री होना कई राशियों पर खास प्रभाव डाल सकता है, जिससे जीवन के कई पहलुओं में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं।

इस विशेष समय के दौरान कुछ राशियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि कुछ के लिए यह समय अवसरों से भरा होगा। आइए पंडित हर्षित मोहन शर्मा से जानते हैं कि बुध वृश्चिक राशि में वक्री होने से विभिन्न राशियों पर क्या असर पड़ेगा और उन्हें किन उपायों की आवश्यकता हो सकती है।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह तीसरे और छठे भाव का स्वामी है। अब यह आठवें भाव में वक्री हो रहे हैं। इस दौरान कार्यस्थल पर काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप व्यस्त रहेंगे। व्यापार में लाभ और हानि दोनों का सामना करना पड़ सकता है।

आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह समय कठिन हो सकता है। निजी जीवन में रिश्तों में विश्वास की कमी हो सकती है, जिससे आपको अधिक धैर्य की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आंखों और दांतों में समस्या हो सकती है।

उपाय: प्रतिदिन ॐ भौमाय नमः का 19 बार जाप करें।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह दूसरे और पांचवे भाव का स्वामी है। अब यह सातवें भाव में वक्री हो रहे हैं। इस समय आप नए लोगों से मिलेंगे और कुछ दोस्त बनेंगे, लेकिन उनके साथ रिश्तों में उतार-चढ़ाव रह सकते हैं। करियर में औसत परिणाम मिल सकते हैं, लेकिन व्यापार में आपको अच्छा लाभ मिलेगा।

आर्थिक जीवन में यात्राओं से लाभ हो सकता है। निजी जीवन में आपको अपने साथी के साथ सामंजस्य बनाए रखने की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के लिहाज से कमर दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

उपाय: गुरुवार को गुरु ग्रह के लिए यज्ञ/हवन करें।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए बुध पहले और चौथे भाव के स्वामी हैं और अब यह छठे भाव में वक्री हो रहे हैं। इस दौरान घर-परिवार में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। करियर में सहकर्मियों के साथ विवाद होने की संभावना है। व्यापार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और लोन लेने की स्थिति भी बन सकती है।

आर्थिक दृष्टिकोण से खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। निजी जीवन में रिश्तों में तनाव हो सकता है और स्वास्थ्य में पेट और कमर की समस्याएं हो सकती हैं।

उपाय: प्रतिदिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह बारहवें और तीसरे भाव का स्वामी है और अब यह पांचवे भाव में वक्री हो रहे हैं। इस समय आपके ऊपर से भरोसा उठ सकता है, लेकिन आप इसे फिर से हासिल करने में सक्षम हो सकते हैं। करियर में काम का दबाव बढ़ सकता है, जिससे तनाव हो सकता है।

व्यापार में अगर आप शेयर बाजार से जुड़े हैं तो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से खर्चे आय से ज्यादा हो सकते हैं, जिससे तनाव हो सकता है। निजी जीवन में अहंकार से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से संतान के स्वास्थ्य पर खर्च हो सकता है।

उपाय: प्रतिदिन ॐ सोमाय नमः का 21 बार जाप करें।

सिंह राशि

सिंह राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह ग्यारहवें और दूसरे भाव का स्वामी है। अब यह चौथे भाव में वक्री हो रहे हैं। इस दौरान घर-परिवार में समस्याओं को हल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन करियर में नौकरी में बदलाव की संभावना हो सकती है।

व्यापार में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और बिजनेस पार्टनर के साथ भी समस्याएं हो सकती हैं। आर्थिक दृष्टिकोण से पैसे का आनंद लेने में कठिनाई हो सकती है। निजी जीवन में रिश्तों में मधुरता की कमी हो सकती है। स्वास्थ्य में पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है।

उपाय: प्रतिदिन आदित्य हृदयम स्तोत्र का जाप करें।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए बुध ग्रह लग्न और दसवें भाव का स्वामी है और अब यह तीसरे भाव में वक्री हो रहे हैं। इस दौरान काम में प्रयासों के परिणाम में देरी हो सकती है और भाग्य भी कमजोर रह सकता है। करियर में नौकरी में बदलाव की संभावना हो सकती है।

व्यापार में नए प्रयासों से लाभ की संभावना कम है। आर्थिक दृष्टिकोण से, लापरवाही से धन हानि हो सकती है। निजी जीवन में पार्टनर के साथ रिश्तों में कमी हो सकती है। स्वास्थ्य में तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

उपाय: प्रतिदिन ॐ गं गणपतये नमः का 11 बार जाप करें।

तुला राशि

तुला राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके दूसरे भाव में प्रभाव डालेगा। इस दौरान आप बच्चों की प्रगति को लेकर चिंतित रह सकते हैं। करियर में काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, लेकिन ये यात्राएं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरेंगी।

व्यापार में मुनाफा कम हो सकता है और पार्टनरशिप में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। आर्थिक जीवन में भी आप अपनी कमाई बचाने में असमर्थ हो सकते हैं। रिश्तों में संतुलन बनाए रखने के लिए साथी की बातों को ध्यान से सुनें। स्वास्थ्य के लिहाज से, आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है।

उपाय: प्रतिदिन ॐ गुरवे नमः का 21 बार जाप करें।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके लग्न भाव में प्रभाव डालेगा। इस दौरान उन्हें अपने प्रयासों में बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन अंत में सफलता मिल सकती है। करियर में नौकरी बदलने का विचार हो सकता है।

व्यापार में अपेक्षित लाभ नहीं मिल सकता और योजनाओं में गिरावट देखने को मिल सकती है। आर्थिक दृष्टिकोण से, धन कमाने में परेशानियां आ सकती हैं। रिश्तों में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, इसलिए आपको संयम और परिपक्वता की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य में सिरदर्द और कपकपी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

उपाय: प्रतिदिन ॐ हनुमते नमः का 11 बार जाप करें।

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके बारहवें भाव में प्रभाव डालेगा। इस समय लंबी यात्राओं के दौरान समस्याएं आ सकती हैं और महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचना चाहिए। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से समस्या हो सकती है, जिनकी जलन आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती है।

व्यापार में भी साझेदार से सहयोग की कमी हो सकती है। आर्थिक जीवन में आय के अवसर कम हो सकते हैं और खर्चों में वृद्धि हो सकती है। रिश्तों में अहंकार से बचें, अन्यथा यह आपके संबंधों को प्रभावित कर सकता है। स्वास्थ्य में मोटापे की संभावना बढ़ सकती है।

उपाय: प्रतिदिन ॐ राहवे नमः का 22 बार जाप करें।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके ग्यारहवें भाव में प्रभाव डालेगा। इस दौरान आपको काम में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, और आपकी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है। नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं।

व्यापार में अच्छे लाभ की संभावना है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी आपको भाग्य का साथ मिलेगा। निजी जीवन में, आप अपने पार्टनर के साथ अच्छे संबंध बनाए रखेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से, आप ऊर्जावान और फिट महसूस करेंगे।

उपाय: प्रतिदिन ॐ शिव ॐ शिव ॐ का 22 बार जाप करें।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके दसवें भाव में प्रभाव डालेगा। इस दौरान कार्य के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है, लेकिन अच्छे कर्म करना जरूरी होगा। करियर में आप पेशेवर तरीके से काम करेंगे और सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

व्यापार में शेयर बाजार से अच्छे लाभ की संभावना है, और पैतृक संपत्ति से भी लाभ हो सकता है। आर्थिक जीवन में इस समय अत्यधिक लाभ मिलने की संभावना है। रिश्तों में आपसी तालमेल अच्छा रहेगा और स्वास्थ्य भी फिट रहेगा।

उपाय: प्रतिदिन ॐ केतवे नमः का 22 बार जाप करें।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए बुध का वक्री होना उनके नौवें भाव में प्रभाव डालेगा। इस दौरान आपको जीवन में सुख-सुविधाओं की कमी महसूस हो सकती है और भाग्य का साथ भी कम रहेगा। संपत्ति से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। करियर में कार्यों की योजना पेशेवर तरीके से बनानी चाहिए, ताकि सफलता मिल सके। व्यापार में बाधाएं आ सकती हैं और लाभ कम हो सकता है।

आर्थिक जीवन में भी समस्याएं आ सकती हैं, जिससे आप धन संभालने में मुश्किल महसूस करेंगे। निजी जीवन में रिश्तों में खुशियों की कमी हो सकती है। यात्रा करते समय सावधानी बरतें, क्योंकि दुर्घटनाओं की संभावना हो सकती है।

उपाय: प्रतिदिन ॐ शनैश्चराय नमः का 44 बार जाप करें।

पुष्पा 2: द रूल का धांसू ट्रेलर रिलीज

भारतीय सिनेमा की सफल फिल्मों में से एक पुष्पा के दूसरे भाग पुष्पा 2 का इंतजार दर्शकों को बेसब्री से है। साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड वाले भी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।माना जा रहा है कि पुष्पा 2 बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों के रिकॉर्ड धराशायी कर देगी।अल्लू की इस फिल्म से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें हैं। अब उनकी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।ट्रेलर देख लगता है कि अल्लू अर्जुन दोबारा पर्दे पर धमाका करने वाले हैं। उनके लुक से लेकर डायलॉग तक, ध्यान खींच रहे हैं।अल्लू की एंट्री देख रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह यकीनन अल्लू के प्रशंसकों के लिए एक बड़ा तोहफा है।अल्लू ने अपनी अदाकारी से एक बार फिर दिल जीत लिया है। उनका एक-एक सीन देखने लायक है। अल्लू का स्टाइल और उनकी डायलॉगबाजी इतनी शानदार है कि स्क्रीन से नजरें हटाने का मन नहीं करेगा।पुष्पा 2 का ट्रेलर 17 नवंबर की शाम 6 बजे बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में रिलीज किया गया। इस दौरान पुष्पा टीम के कई सितारों ने खूब धमकाचौकड़ी मचाई, वहीं इवेंट में भोजपुरी एक्ट्रेस अकांक्षा सिंह की धमाकेदार परफॉर्मेंस ने भी लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया।ट्रेलर लॉन्च के लिए भव्य तैयारियां की गई थीं। जैसे ही अल्लू अपनी टीम के साथ बिहार पहुंचे, उनका जोरदार स्वागत किया गया।पुष्पा: 2 के निर्देशन की कमान भी सुकुमार संभाल रहे हैं। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला इस फिल्म के आइटम नंबर पर अल्लू के साथ डांस करती नजर आएंगी।पुष्पा: द रूल के गाने किसिक में श्रीलीला को डांस करते हुए देखा जाएगा। फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।पुष्पा में अल्लू के स्टाइल से लेकर उनके डायलॉग भी लोगों की जुबां पर चढ़ गए थे। इस फिल्म के जरिए पहली बार अल्लू उर्फ पुष्पा और रश्मिका मंदाना उर्फ श्रीवल्ली की जोड़ी बनी थी।फिल्म में अल्लू चंदन तस्कर बने थे। 170 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था।इस फिल्म के लिए अल्लू को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला था।

क्रॉप टॉप पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने शेयर की फोटो

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपनी बेहद ही हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं।मोनालिसा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स की फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान स्लीवलेस क्रॉप टॉप और डेनिम जींस पहनी हुई थी, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही थीं।ओपन हेयर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं मोनालिसा कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देती हुई अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कई यूजर्स ने कॉमेंट्स करते हुए अपने रिएक्शंस दिए हैं। एक यूजर ने लिखा है- सो ब्यूटिफुल। दूसरे यूजर ने लिखा है स्टनिंग।

ये काली काली आंखें के दूसरे सीजन का हुआ ऐलान

नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक क्राइम थ्रिलर सीरीज ये काली काली आंखें अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी गई है। साथ ही एक दिलचस्प पोस्टर भी जारी किया, जिसमें ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह और श्वेता त्रिपाठी नजर आ रही हैं। वहीं इस बार सीरीज में नए सदस्य गुरमीत चौधरी भी नजर आ रहे हैं। क्राइम थ्रिलर सीरीज ये काली काली आंखें 2 का प्रीमियर 22 नवंबर को होगा। साइड नोट में लिखा, कहानी में आ रहा है एक नया मोड़, नए चेहरे और कुछ पुराने राज। ये काली काली आंखें सीजन 2 इस 22 नवंबर को आ रहा है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर! घोषणा के बाद, प्रशंसकों के लगातार कमेंट आ रहे हैं। कई प्रशंसकों ने सीरीज में अभिनेताओं की वापसी के लिए अपना उत्साह जाहिर किया, तो वहीं कुछ प्रशंसकों ने इस सीरीज में गुरमीत चौधरी के जुड़ने की बात पर अपनी उत्सुकता जाहिर की है।सिद्धार्थ सेनगुप्ता निर्देशित इस दूसरे सीजन में, ताहिर राज भसीन विक्रांत सिंह चौहान के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगे। वहीं आंचल सिंह पूर्वा अवस्थी और श्वेता त्रिपाठी शिखा के रूप में नजर आएंगी। इसके अलावा, सौरभ शुक्ला और अरुणोदय सिंह भी अपनी शानदार परफॉरमेंस देने के लिए वापस आएंगे।

वीकेंड पर भी नहीं दिखा कंगुवा का क्रेज

साउथ सुपरस्टार सूर्या की कंगुवा ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर ओपनिंग की लेकिन उसके बाद दूसरे और तीसरे दिन कमाई डबल डिजिट में लानें में भी फिल्म को संघर्ष करना पड़ा। सूर्या, बॉबी देओल, दिशा पटानी जैसे सितारों से सजी कंगुवा ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 24 करोड़ रूपये के साछ खाता खोला। दूसरे दिन फिल्म ने फिल्म ने 9।25 करोड़ रुपये कमाए। आइए जानते हैं कंगुवा का तीसरे दिन का कलेक्शन।सूर्या की कंगुवा के लिए वीकेंड इतना खास नहीं रहा हालांकि अभी रविवार बाकी है लेकिन जबरदस्त ओपनिंग के बाद भी सूर्या की फिल्म तीन दिन के बाद भी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का आंकड़ा छूने में नाकाम रही। पैन इंडिया फिल्म, अच्छी खासी स्टारकास्ट और 300 करोड़ के भारी बजट के साथ बनी कंगुवा ने तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 9।50 करोड़ की कमाई की है। तीसरे दिन के कलेक्शन को मिलाकर कंगुवा की टोटल घरेलू कमाई 42।75 करोड़ रही। उम्मीद है कि फिल्म रविवार के कलेक्शन के साथ 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी।भले ही घरेलू कलेक्शन में कंगुवा पीछे हो लेकिन वर्ल्डवाइड कलेक्शन फिल्म का शानदार है। पहले दिन कंगुवा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 58।62 रहा वहीं कंगुवा ने 2 दिन में 89।32 करोड़ वर्ल्डवाइड कमाए हैं। इसे मेकर्स ने ऑफिशियली शेयर किया है। शनिवार को कंगुवा की तमिल ऑक्यूपेंसी 32।12त्न, हिंदी ऑक्यूपेंसी 11।93त्न, तेलुगु ऑक्यूपेंसी 23।01त्न रही।कंगुवा को लेकर मेकर्स की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं एक पैन इंडिया फिल्म और बड़े बजट की फिल्म होने की खातिर कंगुवा का बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म करना जरुरी है।

सनी लियोन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म मंदिरा 22 नवंबर को रिलीज होगी

कनाडाई अभिनेत्री सनी लियोन अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म मंदिरा के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन आर युवान ने किया है और इसे कोमलपति श्रीधर ने प्रस्तुत किया है। 22 नवंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म अपने प्रभावशाली पोस्टर, झलकियों, टीजर, ट्रेलर और गानों के साथ चर्चा बटोर रही है। सनी लियोन मंदिरा की मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जो एक राजकुमारी है जो एक आत्मा के रूप में वापस जीवन में आती है।ट्रेलर को 2 लाख से ज़्यादा बार देखा जा चुका है, जिसमें सनी को पहले कभी न देखे गए किरदार में दिखाया गया है, जिसमें वह एक्शन सीक्वेंस करती नजर आ रही हैं और अपनी कॉमेडी टाइमिंग का प्रदर्शन कर रही हैं। फ़िल्म में मशहूर कॉमेडियन योगीबाबू, सतीश और योगी बाबू भी हैं, जो फ़िल्म में हास्य का तड़का लगाते हैं। विज़न मूवी मेकर्स के तहत साई सुधाकर कोमलपति द्वारा निर्मित, मंदिरा हॉरर और कॉमेडी तत्वों के एक विशिष्ट मिश्रण का वादा करती है।जिस्म 2, रईस और कोटेशन गैंग पार्ट 1 जैसी फिल्मों के लिए मशहूर सनी लियोनी का भारत में एक खास प्रशंसक वर्ग है। तेलुगु में उन्होंने करंट थिगा और पीएसवी गरुड़ वेगा जैसी फिल्मों से दर्शकों को प्रभावित किया है। मंदिरा के साथ, उनसे एक और शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। फिल्म की रिलीज के आसपास चर्चा पैदा करने के लिए निर्माता हैदराबाद में सनी लियोनी को लेकर एक बड़े प्रचार कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं।

विक्रांत मैसी को मिला वीकेंड फायदा

दूसरे दिन बढ़ा द साबरमती रिपोर्ट का कलेक्शन

विक्रांत मैसी के लिए ये साल बहुत अच्छा और कामयाबी वाला रहा. विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई. अब उनकी अगली फिल्म द साबरमती रिपोर्ट पर्दे पर आ गई है. गोधरा कांड पर बनी फिल्म 15 नवंबर को रिलीज हुई है. पहले दिन स्लो ओपनिंग के बाद अब दूसरे दिन द साबरमती रिपोर्ट की कमाई में इजाफा देखने को मिला है.द साबरमती रिपोर्ट ने पहले दिन 1.69 करोड़ रुपए का कारोबार किया था. फिल्म के लिए ये ओपनिंग कलेक्शन उम्मीद से काफी कम था. वहीं दूसरे दिन विक्रांत मैसी को वीकेंड का फायदा मिला और फिल्म ने 2 करोड़ रुपए कमा लिए. यानी घरेलू बॉक्स ऑफिस पर द साबरमती रिपोर्ट का कुल कलेक्शन अब 3.69 करोड़ रुपए हो गया है.विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट बॉक्स ऑफिस पर तमिल स्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा से टकराई है. 5 भाषाओं- तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई कंगुवा इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक थी और ये ठीक-ठाक कमा रही है. इससे पहले अजय देवगन की सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 भी अभी पर्दे पर है और रिलीज के 16 दिन बाद भी करोड़ों कमा रही है. ये सभी फिल्में द साबरमती रिपोर्ट के मुकाबले ज्यादा कलेक्शन कर रही है.ऐसा लग रहा है कि द साबरमती रिपोर्ट पर क्लैश का काफी गहरा असर हुआ है. इसके अलावा फिल्म अपनी कहानी को लेकर रिलीज से पहले से ही विवादों में हैं. विक्रांत मैसी की फिल्म साल 2002 में गुजरात में हुए गोधरा कांड पर बेस्ड है. ये फिल्म साबरमती एक्सप्रेस के कोच में लगी आग और पूरी घटना पर हिंदी और अंग्रेजी मीडिया की कवरेज को दिखाती है. भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन 1 नवंबर को पर्दे पर आई थी। जहां अपनी रिलीज के तीसरे शनिवार को सिंघम अगेन ने 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं भूल भुलैया 3 4.75 करोड़ रुपये कमाने में कामयाब रही है।घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सिंघम अगेन 226.5 करोड़ रुपये तो भूल भुलैया 3 ने कुल 225.15 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।सिंघम अगेन का बजट 350 करोड़ रुपये तो भूल भुलैया 3 का बजट 150 करोड़ रुपये है।

फिल्म मटका को लेकर सुर्खियों में छाई

मिस इंडिया 2018 की रनरअप बन ऐसे फिल्मों में आईं मीनाक्षी चौधरी

साउथ अभिनेत्री मीनाक्षी चौधरी इन दिनों अपनी नई फिल्म मटका को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। आज आ-खिरकार सिनेमाघर में मटका रिलीज हो चुकी है। हालांकि, उम्मीद के मुकाबले इस फिल्म को दर्शक नहीं मिल पाए। मीनाक्षी चौधरी इस फिल्म में वरुण तेज के साथ नजर आई हैं। मटका के बाद भी मीनाक्षी के खाते में कई फिल्में हैं, जिसके जरिए वे प्रशंसकों का मनोरंजन करती नजर आएंगी। मॉडल और ब्यूटी क्वीन के रूप में उन्होंने तेलुगु और तमिल फिल्म उद्योग दोनों में पहचान बनाई है। उन्होंने फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल 2018 का खिताब जीता। मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2018 में प्रथम रनर-अप बनीं, जिसके बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। मीनाक्षी का फिल्मी करियर अच्छा रहा है, उन्होंने कुछ साल में ही कई फिल्मों में काम किया है। ऐसे में चलिए जानते हैं अभिनेत्री की फिल्मों के बारे स्थापित किया।मीनाक्षी हिट: द सेकंड केस (2022) में भी नजर आईं, जो एक तेलुगु भाषा की मिस्ट्री-थ्रिलर है, जिसने उन्हें अपने अभिनय कौशल के विभिन्न पहलुओं को तलाशने का मौका दिया। उनके अभिनय को खूब सराहा गया है, और हर प्रोजेक्ट के साथ उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ती गई। फिल्म का बजट 15 करोड़ रुपये था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 42.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इस फिल्म से पहले मीनाक्षी तेलुगु फिल्म खिलाड़ी में भी नजर आई थीं।2023 में मीनाक्षी चौधरी अभिनेता विजय एंटनी के साथ कोलाई में नजर आई थीं। हालांकि, इस फिल्म ने दर्शकों को निराश किया और यह फ्लॉप साबित हुई। 2024 में मीनाक्षी चौधरी साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ गुंटूर कारम में नजर आई, जिसे दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म का बजट 200 करोड़ रुपये था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 172 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया और फ्लॉप साबित हुई।2024 में मीनाक्षी चौधरी सिंगापुर सैलून में नजर आई, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। 50 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने चार से पांच करोड़ रुपये का कलेक्शन

मेंउन्होंने वेब सीरीज आउट ऑफ लव से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जो बीबीसी ड्रामा सीरीज डॉक्टर फॉस्टर का आधिकारिक रूपांतरण है। सीरीज में उन्होंने आलिया कश्यप का किरदार निभाया, जो एक 22 वर्षीय लड़की है, जो एक विवाहित व्यक्ति के साथ रिश्ते की जटिलताओं को संभालती है, जिसने अपने अभिनय करियर की शुरुआत से ही चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। 2020 में मीनाक्षी को तेलुगु फिल्म इचता वाहनमुलु निलुपराडु में सुशांत के साथ मुख्य भूमिका में लिया गया। अपने डेब्यू के बाद उन्होंने रमेश वर्मा पेनमेत्सा द्वारा निर्देशित खिलाड़ी (2022) में अभिनय किया, जिसने उन्हें तेलुगु सिनेमा में एक उभरती हुई प्रतिभा के रूप में किया था। मीनाक्षी चौधरी 2024 में ही साउथ सुपरस्टार विजय के साथ द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में नजर आईं। फिल्म में अभिनेत्री के प्रदर्शन को सराहा गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म का बजट तकरीबन 400 करोड़ रुपये था, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 464.54 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म ने औसत प्रदर्शन किया था।मीनाक्षी चौधरी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म लकी भास्कर में भी नजर आईं। इस फिल्म में दुलकर सलमान मुख्य भूमिका में थे, जो अचानक अमीर बन जाते हैं। कहानी इस पर है कि अचानक भास्कर पर इतने पैसे कैसे आए। फिल्म में मीनाक्षी ने दुलकर सलमान की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। फिल्म का बजट 56 करोड़ रुपये बताया गया। फिल्म का प्रदर्शन सिनेमाघरों में अब भी जारी है और अब तक यह 60 करोड़ रुपये कमा चुकी है। अब मीनाक्षी मटका में नजर आई हैं, देखना यह होगा कि यह कितनी कमाई करती हैं। हालांकि, मीनाक्षी के करियर की ज्यादातर फिल्में फ्लॉप ही साबित हुई हैं। ऐसे में अभिनेत्री अब एक हिट की तलाश में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढ़ेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें। यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं। आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूं का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं। नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी। आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधि–कता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा। सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी। धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरुर सुकून भरा रहेगा।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 19 नवंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 05:30 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 02:56 तक
योग : साध्य दोपहर 02:54 तक
करण : बालव सायं 05:30 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अनुराधा में रवि
दोपहर 02:53 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बंडारू ने उपराष्ट्रपति को दिया अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 2024 का न्यौता

चंडीगढ़,18 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सोमवार को नई दिल्ली में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को 28 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक कुरुक्षेत्र की पवान धरा पर आयोजित हाने वाले अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का निमंत्रण दिया। राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति से हरियाणा में कृषि क्षेत्र में हो रहे विकास और विश्वविद्यालयों के बारे में चर्चा की। राज्यपाल ने जगदीप धनखड़ को प्रदेश के किसानों द्वारा राज्य में हर्बिसाइड–टॉलरेंट बासमती धान किस्मों का उपयोग करके धान की सीधी बिजाई कर पानी की बचत के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

राज्यपाल ने बताया कि हरियाणा सरकार किसानों की स्थिति और अधिक बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रदेश के किसान भी सरकार द्वारा चलाई जा रही है कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर लेकर स्वयं व प्रदेश को और अधिक मजबूत बना रहे हैं।

दत्तात्रेय ने उपराष्ट्रपति को बताया कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। विश्वविद्यालयों में छात्रों को कौशल शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ बच्चों की नैतिक शिक्षा पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश शिक्षा का हब बनकर उभरा है।

प्रदूषण पर राजनीति कर रही है आम आदमी पार्टी : महिपाल ढांडा

चंडीगढ़,18 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के चलते स्कूलों को बंद करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह कदम बच्चों और बुजुर्गों की सेहत को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। उन्होंने कहा, जब भी प्रदूषण बढ़ता है, तो सरकार इस तरह के कदम उठाती है। इसमें नया कुछ नहीं है।

मंत्री महिपाल ढांडा ने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आपा इस मुद्दे पर केवल राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया, आम आदमी पार्टी वाले झूठों के सरदार हैं। दिल्ली और पंजाब की सरकारें हरियाणा के किसानों को दोषी ठहराने में लगी हैं, जबकि सच यह है कि हरियाणा ने पराली जलाने पर प्रभावी नियंत्रण किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में पराली जलाने के मामले पंजाब की तुलना में बेहद कम हैं। उन्होंने कहा, पंजाब में हरियाणा से तीन गुना ज्यादा धान पैदा होता है, लेकिन वहां पराली जलाने की घटनाएं अधिक हैं। इसके बावजूद पंजाब सरकार अपने किसानों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

मंत्री ने यह भी दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने कई मौकों पर हरियाणा सरकार के पराली जलाने पर रोक लगाने के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा, हरियाणा सरकार ने किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। हमारे किसान भी जागरूक हैं और पराली जलाने से बचते हैं। मंत्री ढांडा ने कहा कि पंजाब सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए हरियाणा के किसानों पर झूठे आरोप लगा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा, पंजाब सरकार न तो अपने किसानों को कोई सहायता दे रही है और न ही प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रयास कर रही है। अंत में, मंत्री ने सभी राज्य सरकारों से अपील की कि वे प्रदूषण नियंत्रण के लिए राजनीति से ऊपर उठकर काम करें। उन्होंने कहा, प्रदूषण एक गंभीर मुद्दा है, और इसे लेकर सभी राज्यों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। यह बयान उस समय आया है जब एनसीआर और आसपास के इलाकों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

परमवीर मेजर शैतान सिंह के 62वें बलिदान दिवस पर

पावटा स्थित परमवीर सर्कल पर राजकीय व सैन्य समारोह आयोजित

जोधपुर,18 नवंबर (एजेंसियां)। 1962 के भारत –चीन युद्ध में शौर्य व वीरता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह का 62 वॉ बलिदान दिवस सोमवार को जोधपुर के पावटा स्थित परमवीर सर्किल पर स्थित मेजर शैतान सिंह की प्रतिमा के समक्ष गरिमामय राजकीय व सैन्य समारोह में आयोजित हुआ।

जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल, परमवीर मेजर शैतान सिंह के पुत्र नरपत सिंह भाटी ने पुष्प चक्र अर्पित कर परमवीर को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर ब्रिगेडियर प्रीतम, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल डी एस खंगारोत, कर्नल वेर्टन अमृत कुलकर्णी ने पुष्प चक्र अर्पित कर परमवीर मेजर शैतान सिंह को नमन किया।

जयपुर स्थापना दिवस पर राज्यपाल की बधाई और शुभकामनाएं

जयपुर,18 नवंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व के सबसे सुनियोजित रूप में बसाए गए जयपुर शहर के स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने कहा कि जयपुर विश्वभर में भारतीय वास्तु संस्कृति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि नगर–नियोजन के पुरोधा विद्याधर भट्टाचार्य ने विश्व विरासत में सम्मिलित जयपुर जैसा सुव्यवस्थित और आधुनिक नगर बसाया था। राज्यपाल ने स्थापना दिवस पर शहर की वास्तु संस्कृति और सौंदर्य के साथ स्वच्छता के लिए सभी की भागीदारी का आह्वान किया है।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव जल्द करवाए जाएंगे : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़,18 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हरियाणा विधानसभा में आश्वासन देते हुए कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव जल्द करवाए जाएंगे। अभी हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनावों के मद्देनजर वोट बनवाने की प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विधानसभा में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा के

दौरान बोल रहे थे। नायब सिंह सैनी ने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक अधिनियम के तहत हरियाणा सिख गुरुद्वारा न्यायिक आयोग के गठन का प्रावधान है।

आयोग के अध्यक्ष के लिए पहले यह प्रा–वधान था कि आयोग का अध्यक्ष जिला न्यायाधीश होगा। यदि जिला न्यायाधीश अध्यक्ष के तौर पर नियुक्त नहीं किया जाता, तो तीन सदस्यों में से एक उनकी वरिष्ठता के क्रम में अध्यक्ष होगा। आज इस विधेयक में हमने यह प्रावधान किया है कि आयोग का अध्यक्ष हाईकोर्ट का जज या जिला जज हो सकता है और 65 साल आयु की ऊपरी सीमा को भी हटाया है।

प्रदेश में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़,18 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है। राज्य में डीएपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विधानसभा में डीएपी के संबंध में लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर बोल रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में किस पैक्स पर कितनी खाद उपलब्ध है, उसका डेटा भी सरकार के पास है। यदि किसी सदस्य को जानकारी की आवश्यकता होगी, उन्हें यह जानकारी भी उपलब्ध हो जाएगी। वर्तमान में प्रदेश में डीएपी की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे भी किसान के बेटे हैं, खाद की समस्या क्या होती है, ये उन्हें मालूम है। उन्होंने कहा कि नवंबर माह के लिए 1,10,200 मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन हुआ है।

एक अन्य सदस्य द्वारा सिरसा में डीएपी के स्टॉक की उपलब्धता के संबंध में किए गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला सिरसा में 1 अक्टूबर, 2024 को डीएपी का प्रारंभिक स्टॉक 1063 मीट्रिक टन उपलब्ध था और आज 18 नवंबर को 2217 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध है। इसी प्रकार, जिला हिसार में आज भी 2087 मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक उपलब्ध है। हिसार में पिछले वर्ष से 216 मीट्रिक टन ज्यादा खाद दे चुके हैं। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रदेश में डीएपी खाद की किसी भी प्रकार से कोई कमी नहीं है। केवल खाद की कमी की अफवाहें फैलाई जा रही हैं और किसानों को बहकाया जा रहा है। प्रदेश में डीएपी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

केंद्र सरकार के खिलाफ किसानों का हल्ला बोल, दिल्ली कूच की तैयारी

चंडीगढ़,18 नवंबर (एजेंसियां)। किसानों ने ऐलान किया है कि वे केंद्र सरकार के खिलाफ फिर से अपना विरोध तेज करेंगे। किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल द्वारा 26 नवंबर को आमरण अनशन शुरू करने के बाद 6 दिसंबर को किसानों का एक समूह दिल्ली की ओर कूच करेगा। किसानों और प्रशासन के बीच सहमति न होने के बाद गुस्साए किसान अब शंभू बॉर्डर से दिल्ली जाएंगे

6 दिसंबर को किसान मजदूर मोर्चा शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच करने की योजना बना रहा है। किसानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि आंदोलन को अब 280 दिन हो चुके हैं, लेकिन सरकार और किसानों के बीच अभी तक कोई ठोस समझौता नहीं हुआ है। किसान शंभू, खनौरी और रत्नपुरा (राजस्थान) जैसे मोर्चों पर डटे हुए हैं और पिछले आठ महीनों से गर्मी और सर्दी के बावजूद संघर्ष कर रहे हैं।

26 नवंबर से किसान कार्यकर्ता जगजीत सिंह दल्लेवाल आमरण अनशन करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर सरकार इस दौरान किसानों से बातचीत

नहीं करती है तो दस दिन बाद शंभू बॉर्डर से आगे बढ़ने की कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान किसान समूह बनाकर बैरिकेड्स के पास पहुंचेंगे। किसान मजदूर संघर्ष समिति के वरिष्ठ नेता सतनाम सिंह पन्नू, सविंदर सिंह चौटाला और बीकेयू क्रांतिकारी के सुरजीत सिंह फूल इस पहल की अगुआई करेंगे। किसान नेताओं ने कहा कि आंदोलनरत किसान संगठनों के दरवाजे बातचीत के लिए हमेशा खुले हैं, बशर्ते सरकार 26 नवंबर से पहले बातचीत करके किसानों की मांगों का समाधान करे।

वहीं, किसानों ने सरकार की किसी भी जबरदस्ती का शांतिपूर्वक विरोध करते हुए चर्चा की है। साथ ही पंजाब भाजपा नेताओं को काले झंडे दिखाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने सरकार पर साधा निशाना

उपचुनाव में हिंसा सरकार की विफलता, निष्पक्ष जांच की मांग

भरतपुर,18 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सोमवार शाम बयाना पहुंचे, जहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निजी सचिव ऋषभ शर्मा के टीका लग्न समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें सूत की माला पहनाकर स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए जूली ने देवली उनियारा में उपचुनाव के दौरान समरावता गांव में हुई हिंसक घटना को लेकर राज्य सरकार की नाकामी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने और उसके बाद हुई हिंसा की घोर निंदा की। जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की और दोषी पुलिस अधिकारियों के

खिलाफ कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता जताई।

टीकाराम जूली ने आरोप लगाया कि पुलिस ने निर्दोष ग्रामीणों को घरों में घुसकर मारा, आगजनी की, लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। उन्होंने इसे पुलिस का तांडव बताया और इस घटना की गंभीर जांच की आवश्यकता की बात कही। जूली ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन भू–माफिया, शराब माफिया, खनन माफिया और बजरी माफियाओं से मिलकर काम कर रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में बढ़ती अपराध की घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 27 एट्रोसिटी एक्ट के मामले और 19 रेप के मामले दर्ज हो रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री राज्य में निवेश लाने की बात करते हैं, जबकि पहले से स्थापित उद्योग सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

राजस्थान को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर,18 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली है तथा यहां की खेल प्रतिभाओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की क्षमता है। राज्य सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं जिससे खिलाड़ी प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेल एवं युवा मामले विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं खेलों को बढ़ावा देने के लिए की गई सभी बजटीय घोषणाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए जिससे इन घोषणाओं एवं योजनाओं का फायदा हमारे प्रदेश के युवाओं एवं खिलाड़ियों तक जल्द से जल्द पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में भी खेलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर खेलों के प्रोत्साहन के लिए समुचित वातावरण तैयार किया जा रहा है। खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, काउंसलिंग तथा पोषण को समावेश करते हुए खेल नीति–2024 भी तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इन दोनों

नीतियों को अंतिम रूप देते हुए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का नाम खेल के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए मिशन ओलंपिक–2028 की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के 50 सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओल–म्पिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए जयपुर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे शीघ्र पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद एवं राजस्थान युवा बोर्ड की कार्यप्रणाली, प्रत्येक संभाग पर युवा साथी केन्द्र स्थापित करने, महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने, टारगेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी), राज्य युवा महोत्सव, पदक विजेताओं को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा भी की।

बैठक में शासन सचिव खेल एवं युवा मामले डॉ. नीरज के पवन ने विभाग की बजटीय घोषणाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे

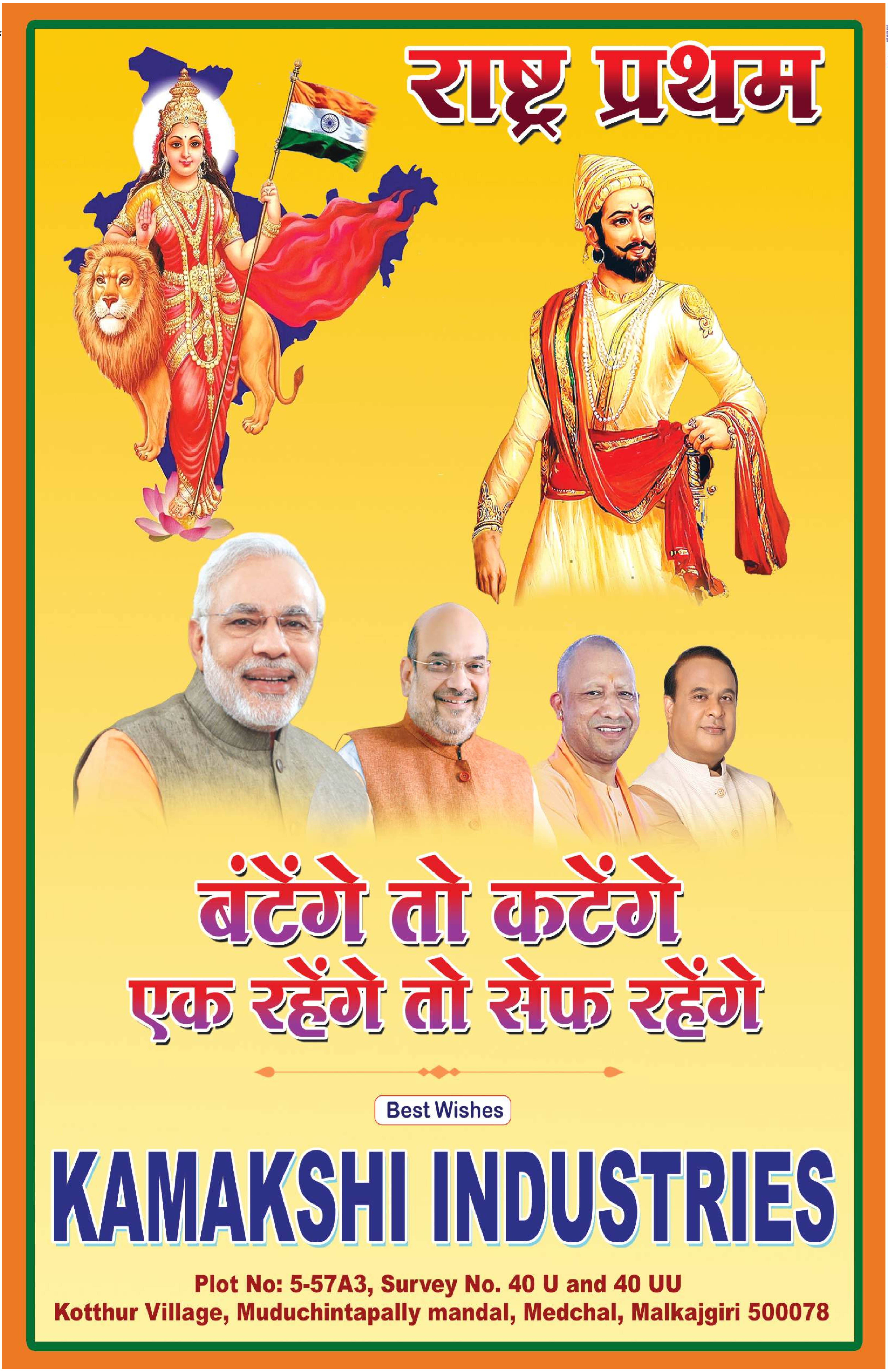

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.